वर्ष 1, अंकः 53, मूल्य 5/ गढ़वा, रविवार, 05 जुलाई 2026 www.jharkhandvarta.com शिकायत या सुझाव : jharkhandvartaranchi@gmail.com पर मेल करें, PRGI No. JHHIN/25/A0561

झारखंड वार्ता

गढ़वा से प्रकाशित, रांची से मुद्रित

खबर आम हो खास, पहुंचेगी आपके पास

संक्षिप्त समाचार...............

40 दिन में घटकर 4 फीट के हुए बाबा बर्फानी

पहलगाम/बालटाल। अमरनाथ में बनने वाले पवित्र शिवलिंग का आकार 4 फीट रह गया है। 23 मई को के जवानों ने जो तस्वीर जारी

की थी, उसमें शिवलिंग का आकार करीब 7 फीट था। 29 जून को प्रथम पूजा के दिन भी हिमलिंग की ऊंचाई 5 फीट से ज्यादा थी। 3 जुलाई को सामने आई तस्वीर में हिमलिंग लगभग 4 फीट का दिखाई दे रहा है। इसकी चौड़ाई भी घट गई है। यात्रा का शनिवार को दूसरा दिन है। पहले दिन 12 हजार यात्रियों ने अमरनाथ गुफा में दर्शन किए हैं। दूसरा जत्था आज पहुंचेगा, जबकि तीसरा जत्था भगवती नगर बेस कैंप से रवाना हो गया है।

प्रियंका गांधी वाड्रा की जेठानी का भूमि विवाद हाईकोर्ट पहुंचा

रुद्रपुर। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा की जेठानी सायरा वाड्रा से जुड़ा किच्छा का चर्चित 8 एकड़ खान फार्म भूमि विवाद अब

उत्तराखंड हाईकोर्ट पहुंच गया है। जबरन कब्जे और प्रशासन की कथित मिलीभगत के आरोपों वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने संबंधित एसडीएम और किच्छा कोतवाली के थानाध्यक्ष को 6 जुलाई को व्यक्तिगत रूप से अदालत में पेश होने का आदेश दिया है। साथ ही सिविल कोर्ट के 11 जून के आदेशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए हैं। न्यायमूर्ति आलोक मेहरा की एकलपीठ के समक्ष दायर याचिका में आरोप लगाया गया है कि प्रशासन की कथित मिलीभगत से विवादित खान फार्म पर कब्जा कर लिया गया।

गुरदासुपर सांसद ने उठाए कांग्रेस हाईकमान पर सवाल

लुधियाना। पंजाब कांग्रेस में प्रधान पद को लेकर मचे विवाद के बीच सांसद सुखजिंदर सिंह रंधावा ने पहली बार खुलकर पार्टी हाईकमान

पर सवाल उठाए हैं। रंधावा ने कहा कि कई दौर की बैठकों, लंबी मशक्कत और नेताओं से अलग-अलग बातचीत के बावजूद आखिर वही फैसला लागू किया गया, जो चार महीने पहले तय हो चुका था। ऐसे में पूरी कवायद का कोई औचित्य नहीं था। उन्होंने कहा कि अगर यही निर्णय लेना था तो हाईकमान को पहले दिन ही साफ शब्दों में एक लाइन का आदेश जारी कर देना चाहिए था कि यही अंतिम फैसला है, जिसे मंजूर हो वह पार्टी में रहे और जिसे मंजूर न हो, वह अपना रास्ता चुन सकता है।

बेंगलुरु डे-केयर मामला, पैरेंट्स बोले- बच्चों में डर फैला

बेंगलुरु। बेंगलुरु के डे-केयर सेंटर में बच्चों से बदसलूकी मामले में नया खुलासा हुआ है। वायरल वीडियो में जिस बच्ची के साथ बेहरमी

की गई। पुलिस ने उसके पैरेंट्स से पूछताछ की। मां ने बताया कि उनकी बेटी के मन में डर बैठ गया। वह बाथरूम जाने से मना करती, रोने लगती और वहां से भाग जाती थी। बच्ची में यह बदलाव डे-केयर सेंटर में डालने के दो महीने बाद ही दिखने लगा था। वहीं एक तीन साल के बच्चे के माता-पिता ने बताया कि उनके बेटे के व्यवहार में भी बदलाव दिखा। वह डे-केयर में कुछ केयरगिवर्स की आवाज सुनकर कांप और सहम जाता था। दरअसल 1 जुलाई को बेंगलुरु की आईटी कंपनी कैपजेमिनी के एचएएल कैंपस स्थित डे-केयर सेंटर का वीडियो सामने आया था। जिसमें बच्चों को टॉयलेट में बंद कर दिया गया था।

पंजाब कांग्रेस में टूट का डर, हाईकमान अलर्ट

लुधियाना।बंगाल में तृणमूल कांग्रेस की तरह पंजाब में 2027 के विधानसभा चुनाव से 8 महीने पहले ही टूट के आसार बने हुए हैं।

सांसद राजा वड़िंग को प्रधान बनाए रखने को लेकर पूर्व ष्टरू व जालंधर से सांसद चरणजीत चन्नी के बगावती तेवर देख कांग्रेस हाईकमान एक्टिव हो गया है। दिल्ली से एक सीनियर नेता ने चन्नी को कॉल कर अभी कोई बड़ा कदम न उठाने को कहा है। चन्नी के करीबी सोर्स के मुताबिक नेता ने भरोसा दिलाया कि राहुल गांधी 7 जुलाई को विदेश से लौट आएंगे, उसके बाद चन्नी की उनसे मीटिंग करा दी जाएगी। वहीं इस मामले में कांग्रेस प्रधान अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग पहली बार मीडिया के सामने आए। उन्होंने कहा मैं जन्म से कांग्रेसी हूं।

झारखंड का डिजिटल रोडमैप राष्ट्रीय मंच पर पेश करेंगे मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन

पूर्वी भारत का नया टेक हब बनने की तैयारी में झारखंड

झारखण्ड वार्ता संवाददाता

रांची। झारखंड आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), डिजिटल गवर्नेंस और आईटी निवेश के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर अपनी नई पहचान बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाने जा रहा है। आठ और नौ जुलाई को नई दिल्ली में आयोजित नेशनल स्टेक होल्डर्स कंसल्टेशन-2026 में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन राज्य का डिजिटल रोडमैप प्रस्तुत करेंगे। इस दौरान राज्य की आईटी, आईटीईएस, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डिजिटल गवर्नेंस से जुड़ी भावी विकास रणनीति देश-विदेश के उद्योग जगत और नीति-निर्माताओं के समक्ष रखी जाएगी। राष्ट्रीय स्टेक होल्डर्स कंसल्टेशन का उद्देश्य झारखंड को भारत के एआई परिदृश्य में एक ऐसे राज्य के रूप में स्थापित करना है, जो आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को केवल तकनीकी नवाचार के रूप में नहीं, बल्कि सुशासन, पारदर्शिता एवं नागरिक केंद्रित सेवा वितरण के प्रभावी क्रियान्वयन की दिशा में आगे बढ़ रहा है। कार्यक्रम के पहले दिन देश-विदेश की लगभग 100 अग्रणी टेक एवं आइटी कंपनियों के प्रतिनिधि तथा राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारी दो अलग-अलग सत्रों में भाग लेंगे। नेशनल स्टेक होल्डर्स कंसल्टेशन में पहली बार राष्ट्रीय स्तर पर रांची आइटी पार्क को निवेश प्रस्ताव के रूप में प्रस्तुत किया जाएगा।

लगभग 100.97 एकड़ भूमि पर विकसित होनेवाला यह आईटी पार्क राजधानी रांची के कोर कैपिटल एरिया में स्थित है।

यह परिसर आईआईएम, रांची के समीप तथा बिरसा मुंडा एयरपोर्ट से भी निकट पर स्थित है, जिससे उत्कृष्ट कनेक्टिविटी उपलब्ध होगी। राज्य में प्रतिवर्ष 20 हजार से अधिक आईटी स्नातकों की उपलब्धता तथा झारखंड आईटी नीति-2023 के अंतर्गत पूर्वी भारत में सर्वाधिक आकर्षक प्रोत्साहनों- 50 प्रतिशत पूंजीगत निवेश प्रतिपूर्ति, 100 प्रतिशत स्टाम्प शुल्क छूट एवं 100 प्रतिशत विद्युत शुल्क छूट जैसे प्रविधानोंको उद्योग जगत के समक्ष रखा जाएगा।

■ **एआई पालिसी-2026 के ड्राफ्ट पर होगा मंथन**

कार्यक्रम में सूचना एवं तकनीक विभाग द्वारा तैयार एआई पालिसी-2026 के ड्राफ्ट भी प्रमुख हितधारकों के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। यह पालिसी वर्ष 2026-2031 की अवधि के लिए होगी। प्रस्तावित नीति के तहत मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में स्टेट एआई मिशन का गठन किया जाएगा। इसमें जैप आइटी को नोडल एजेंसी बनाने तथा इंडिया एआई के साथ इंटर आपरेबल झारखंड एआई क्लाउड विकसित करने का प्रस्ताव है। साथ ही, विभिन्न विभागों में एआई आधारित उपयोगों के माध्यम से प्रशासनिक दक्षता एवं सेवा वितरण को सुदृढ़ करने की रूपरेखा भी इसमें सम्मिलित है।

■ **डेटा इंटेलिजेंस प्लेटफार्म की अवधारणा होगी प्रस्तुत**

राज्य सरकार आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को सुशासन का प्रभावी उपकरण बनाने की दिशा में कार्य कर रही है। राज्य की एआई रणनीति चार प्रमुख क्षेत्रों सुशासन, कृषि एवं ग्रामीण आजीविका, स्वास्थ्य तथा खनिज संसाधन प्रशासन पर केंद्रित है, जो भारत सरकार की एआई फार ऑल अवधारणा के अनुरूप है।

साणंद की सेमीकंडक्टर में हैट्रिक, पीएम मोदी ने तीसरी कंपनी की शुरुआत

अहमदाबादः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को गुजरात के साणंद में सीजी सेमी आउटसोर्स्ड सेमीकंडक्टर असेंबली एंड टेस्ट (ओएसएटी) फैसिलिटी का उद्घाटन किया। इसी के साथ अहमदाबाद उपनगर साणंद ने सेमीकंडक्टर के क्षेत्र में बड़ी छलांग लगाते हुए हैट्रिक जड़ दी। पीएम नरेंद्र मोदी ने इस मौके पर कहा कि भारत की सेमीकंडक्टर यात्रा के लिए यह एक ऐतिहासिक दिवस है। साणंद में सीजी सेमी ओएसएटी सुविधा चिप उत्पादन इकोसिस्टम को मजबूत करेगी, तकनीकी आत्मनिर्भरता को प्रोत्साहन देगी और वैश्विक सेमीकंडक्टर वैल्यू चेन में भारत का स्थान मजबूत करेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सेमीकंडक्टर के निर्माण में भारत को आत्मनिर्भर के साथ अग्रणीय देश बनाना चाहते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस लॉन्चिंग को देश के अपने लक्ष्यों के प्रति अटूट संकल्प का प्रमाण बताया। उन्होंने जोर देकर

कहा कि देश बिना किसी झिझक के अपने मजबूत संकल्पों को वास्तविकता में रूपांतरित करता है। मोदी ने दृढ़ता से कहा कि आज का यह कार्यक्रम इस बात का प्रमाण है कि भारत जो ठान लेता है, वो करके दिखाता है। पीएम मोदी ने आधे दशक पहले शुरू किए गए रणनीतिक विजन को याद करते हुए कहा कि ने देश को अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी के लिए वैश्विक हब में बदलने के मुख्य उद्देश्य का उल्लेख किया। स्थानीय डिजाइन और स्थानीय उत्पादन की व्यापक रणनीतियों से प्रेरित होकर उन्होंने इस तीसरी बड़ी फैसिलिटी में व्यावसायिक चिप पैकेजिंग की आधिकारिक शुरुआत का जश्न मनाया। मोदी ने कहा कि हम 'डिजाइन इन इंडिया' और 'मेक इन इंडिया' के मूल मंत्र के साथ सफलतापूर्वक आगे बढ़े हैं। इस प्रोजेक्ट के तेज विकास की समयरेखा का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने साल 2024 में इसके शिलान्यास अवसर को याद किया और अगस्त 2025 तक चिप टेस्टिंग की तेज शुरुआत की प्रशंसा की। उन्होंने योजना से लेकर बड़े पैमाने पर उत्पादन तक के इस तेज सफर का श्रेय प्रोजेक्ट से जुड़े अनेक सहयोगियों के निरंतर समर्पण और ध्यान को दिया।

इसे पेट्रोल में मिलाने की ग्लोबल प्रैक्टिस अपनाई, टॉप एजेंसियां भी टेस्ट कर चुकीं

एथेनॉल के विरोध पर सरकार बोली- यह जांची-परखी साइंटिफिक प्रोसेस

एजेंसी नई दिल्ली

पेट्रोल में एथेनॉल मिलाने को लेकर हो रहे विरोध के बीच शनिवार को सरकार ने कहा कि एथेनॉल ब्लेंडिंग का काम रातों-रात नहीं हुआ। यह एक जांची-परखी, साइंटिफिक और स्टेप-बाय-स्टेप प्रोसेस है। इसे पेट्रोल में मिलाने की ग्लोबल प्रैक्टिस अपनाई है और टॉप एजेंसियां भी इसका टेस्ट कर चुकीं हैं।

एथेनॉल ब्लेंडिंग पर दिल्ली में हुई इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स की प्रेस कॉन्फ्रेंस में सरकार की ओर से शामिल एक्सपर्ट वर्तिका शुक्ला ने यह बात कही। वर्तिका शुक्ला ने बताया कि देश में साल 2013 और 2014 के दौरान पेट्रोल में सिर्फ 1.5त्न एथेनॉल मिलाया जा रहा था।

अब इस प्रोग्राम के तहत पेट्रोल में 20त्न एथेनॉल ब्लेंडिंग (ई20) की जा रही है। 20त्न एथेनॉल ब्लेंडिंग के टारगेट को तय समय से पांच साल पहले यानी दिसंबर 2025 तक ही पूरा कर लिया गया है।

भारत में क्यों हो रहा है ई20 पेट्रोल का विरोध

भारत में 20% एथेनॉल और 80त्न पेट्रोल के इस मिश्रण यानी ई20-पेट्रोल का विरोध हो रहा है। खासकर 2023 से पहले बनी पेट्रोल गाड़ियों के मालिक परेशान हैं। उनका दावा है कि इस फ्यूल से गाड़ियों का माइलेज कम हो रहा, मेंटेनेंस का खर्च बढ़ गया और इंजन के पार्ट्स जल्दी खराब हो रहे हैं।

हालांकि, भारत सरकार का कहना है कि एथेनॉल से माइलेज में मामूली कमी जरूर आती है, लेकिन इससे गाड़ी का पिकअप और इंजन परफॉर्मेंस बेहतर होता है।

टॉप एजेंसियां इसकी टेस्टिंग कर चुकीं

एक्सपर्ट शुक्ला ने बताया कि विशेष रूप से साल 2018 में एथेनॉल ब्लेंडिंग प्रोग्राम को एक स्ट्रक्चर्ड यानी व्यवस्थित तरीके से सभी स्टेकहोल्डर्स के सामने चर्चा और विचार-विमर्श के लिए रखा गया था। यह पूरा प्रोग्राम साइंटिफिक एविडेंस पर बेस्ड है।

एथेनॉल ब्लेंडिंग प्रोग्राम को ऑटोमोटिव मैन्युफैक्चरर्स और उन्हें सपोर्ट करने वाली मुख्य एजेंसियों का पूरा सपोर्ट है। ऑटोमोटिव रिसर्च एसोसिएशन ऑफ इंडिया और सियाम जैसी टॉप एजेंसियां इसकी बड़े लेवल पर टेस्टिंग कर चुकी हैं।

वर्तिका शुक्ला के अनुसार, पेट्रोल में एथेनॉल मिलाने का यह प्रोग्राम दुनिया भर में अपनाई जाने वाली ग्लोबल बेस्ट प्रैक्टिसेस के बिल्कुल अनुरूप है।

राम मंदिर के बाद केदारनाथ-बद्रीनाथ से चढ़ावा चोरी का आरोप

एजेंसी देहरादून

अयोध्या के राम मंदिर के बाद अब केदारनाथ और बद्रीनाथ मंदिर से भी चढ़ावा चोरी का आरोप लग रहा है। धार्मिक संगठन भैरव सेना के अध्यक्ष

संदीप खत्री ने बद्रीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति को पत्र लिखकर अध्यक्ष के निजी सहायक पर चोरी के गंभीर आरोप लगाए हैं। शिकायत मिलने के बाद के सीईओ सोहन सिंह रांगड़ ने निजी सहायक समेत सभी ड्यूटी कर्मचारियों को नोटिस जारी कर तीन दिन के अंदर जवाब मांगा है। मंदिर के सीसीटीवी फुटेज को जांच के लिए सुरक्षित रख लिया गया है। अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी ने कहा कि मंदिर समिति इस मामले को गंभीरता से ले रही है। जिन कर्मचारियों पर आरोप लगाए गए है।

अयोध्या राम मंदिर की रेकी करने वाला आतंकी घोषित

आरोपी पाकिस्तान का नागरिक, हाफिज सईद का रिश्तेदार; 23 आतंकियों की लिस्ट में 17 पाकिस्तानी

एजेंसी नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने शनिवार को 23 लोगों को आतंकी घोषित किया है। इनमें एक आतंकी वो भी है जो अयोध्या में राम मंदिर और नागपुर में ऋस्स् कार्यालय की रेकी में शामिल है।

आतंकी की पहचान मोहम्मद मुसादिक के रूप में हुई है। यह हाफिज सईद का रिश्तेदार है। हालांकि ये रेकी मुसादिक ने खुद की या करवाई थी और रेकी कब की गई। इसकी जानकारी सामने नहीं आई है। सरकार का कहना है कि लिस्ट में शामिल

सभी आतंकी जैश-ए-मोहम्मद लश्कर-ए-तैयबा द रेजिस्टेंस फ्रंट और जमात-उद-दावा जैसे प्रतिबंधित आतंकी संगठनों से जुड़े हैं। ये लोग आतंकियों की भर्ती, भारत में घुसपैठ, आतंकी हमलों की साजिश, आतंक के लिए पैसे जुटाने, हथियार पहुंचाने और अन्य मदद करने में शामिल रहे हैं। घोषित 23 आतंकियों में 6 जम्मू-कश्मीर के मूल निवासी हैं, जबकि 17 पाकिस्तानी हैं। इनमें 7 पीओके (पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर) और 10 पाकिस्तान में रह रहे हैं। इन 23 नामों के जुड़ने के बाद सरकार की तरफ से घोषित आतंकियों की संख्या बढ़कर 80 हो गई है। कुछ आतंकी 2016 नगरोटा आर्मी कैंप हमला और 2022 सुनजवां हमले से जुड़े सरकार ने जिन जैश आतंकियों को लिस्ट में शामिल किया है। उनमें कुछ 2016 के नगरोटा आर्मी कैंप हमले और 2022 के सुनजवां हमले से जुड़े बताए जा रहे हैं। 29 नवंबर 2016 को जम्मू के नगरोटा आर्मी कैंप पर सेना की वर्दी पहनकर आए तीन आतंकियों ने हमला किया था। इस हमले में 7 जवान शहीद हुए थे, जवाबी कार्रवाई में तीनों आतंकी मारे गए। जांच एजेंसियों ने इस हमले के पीछे जैश-ए-मोहम्मद का हाथ बताया था।

बैठक

आर्मी में आकाश तरंग, कामिकाजे ड्रोन समेत कई हाईटेक हथियार शामिल होंगे

52000 करोड़ की डिफेंस डील को मंजूरी

एजेंसी नई दिल्ली

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में शुक्रवार को रक्षा अधिग्रहण परिषद की बैठक हुई। इसमें भारतीय सेना की युद्ध क्षमता बढ़ाने के लिए करीब 52,000 करोड़ रुपए के खरीद प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। इन प्रस्तावों में आर्मी, नेवी और एयरफोर्स के लिए कई अत्याधुनिक हथियार और डिफेंस सिस्टम शामिल हैं।

सेना के लिए आकाश तरंग एंटी-ड्रोन इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर सिस्टम, मैन पोर्टेबल एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल मबीडियम रेंज सरफेस-टू-एयर मिसाइल वेरी शॉर्ट रेंज एयर डिफेंस सिस्टम टैंकों के लिए एक्टिव प्रोटेक्शन सिस्टम और जेट आधारित कामिकाजे ड्रोन सिस्टम की खरीद को मंजूरी मिली है।

ड्रोन हमलों से प्रभावी सुरक्षा देगा एमपीऐटीजीएम

रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, आकाश तरंग सेना के कई फॉर्मेशन को ड्रोन हमलों से प्रभावी सुरक्षा देगा। दुश्मन के बख्तरबंद वाहनों से मुकाबले में पैदल सेना की क्षमता बढ़ाएगी। मध्यम दूरी से आने वाले हवाई खतरों से सुरक्षा प्रदान करेगी, जबकि मल्टी-स्पेक्ट्रल सेंसर के जरिए कम दूरी की वायु रक्षा को और मजबूत बनाएगा।

14.50 किलो वजन और 4.3 फीट है लंबाई

एमपीऐटीजीएम हथियार प्रणाली का वजन 14.50 किलोग्राम है और लंबाई 4.3 फीट है। इसे दागने के लिए 2 लोगों की जरूरत होती है। इसकी रेंज 200 मीटर से लेकर 2.50 किलोमीटर है। इसमें टैंडम चार्ज हीट और पेनेट्रेशन वॉरहेड लगा सकते हैं।

भारत में तैयार हो रहा स्वदेशी कामिकाजे ड्रोन

भारत स्वदेशी कामिकाजे ड्रोन बना रहा है। यह ड्रोन 1,000 किलोमीटर तक उड़ान भर सकेगा। इसमें घरेलू इंजन लगाया जा रहा है। ये मानव रहित ड्रोन टारगेट पर जाकर नष्ट हो जाते हैं। नेशनल एयरोस्पेस लेबोरेटरीज ये ड्रोन बना रही है। इस तरह के ड्रोन रूस-यूक्रेन और गाजा में इजराइल-हमास संघर्ष में इस्तेमाल हो रहे हैं। यूक्रेन ने इनका उपयोग रूस की पैदल सेना और बख्तरबंद वाहनों को टारगेट करने के लिए बड़े पैमाने पर किया है।

महाराष्ट्र के भिवंडी में 3 फीट पानी भरा, दुकानें बंद

गुजरात में बाढ़, 19 लोगों का रेस्क्यू; उज्जैन में युवक बहा, जम्मू-कश्मीर में लैंडस्लाइड, रोड बंद

एजेंसी नई दिल्ली

मानसून देश के लगभग सभी राज्यों में पहुंच चुका है। राजस्थान-गुजरात के कुछ हिस्से बाकी हैं, हालांकि उससे पहले गुजरात में बारिश के चलते बाड़ जैसी स्थिति बन गई है। गुजरात के मेंडरडा इलाके में समधियाला गांव के पास बाढ़ के पानी में चार गाड़ियां फंस गईं। जिसमें से 19 लोगों का रेस्क्यू किया गया। उधर महाराष्ट के भिवंडी में बाजार में करीब 3 फीट तक पानी भर गया। दुकानें बंद हो गईं। लोग कमर तक डूबकर सड़क पार कर रहे हैं। राजस्थान के जयपुर में तेज बारिश के बाद सवाई मानसिंह हॉस्पिटल के माइनर ओटी में पानी भर

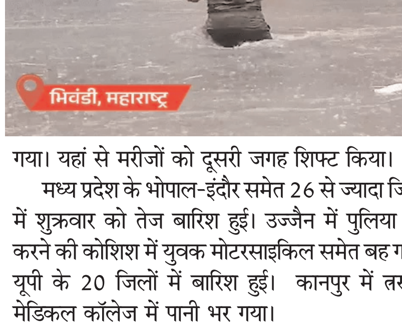

गया। यहां से मरीजों को दूसरी जगह शिफ्ट किया।

मध्य प्रदेश के भोपाल-इंदौर समेत 26 से ज्यादा जिलों में शुक्रवार को तेज बारिश हुई। उज्जैन में पुलिया पार करने की कोशिश में युवक मोटरसाइकिल समेत बह गया। यूपी के 20 जिलों में बारिश हुई। कानपुर में त्रस्ङ्क्रू मेडिकल कॉलेज में पानी भर गया।

"परिवहन कार्यालय आपके द्वार" अभियान का शानदार आगाज

- चिनिया में उमड़ी भीड़, अब गांव-गांव पहुंचेगा परिवहन विभाग
- डीटीओ ने अपने हाथों से बांटे 125 लर्निंग लाइसेंस

झारखंड वार्ता संवाददाता

गढ़वा : झारखंड सरकार परिवहन विभाग द्वारा शुरू किए गए परिवहन कार्यालय आपके द्वार महाअभियान का आयोजन गढ़वा जिले के चिनिया प्रखंड में किया गया। इस पहल के तहत परिवहन विभाग पंचायत स्तर पर शिविर लगाकर ग्रामीणों को ड्राइविंग एवं लर्निंग लाइसेंस की सुविधा उपलब्ध करा रहा है। इस नई पहल का लाभ उठाने के लिए शिविर स्थल पर सुबह से ही बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। अब लर्निंग लाइसेंस बनवाने के लिए लोगों को जिला मुख्यालय के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। शिविर में ऑन-द-स्पॉट पूरी प्रक्रिया की जानकारी दी गई। सुबह 11:00 बजे से शुरू हुए शिविर में दस्तावेज सत्यापन से लेकर लर्निंग टेस्ट तक की पूरी प्रक्रिया मौके पर ही पूरी की गई। परिवहन विभाग के अधिकारियों एवं कर्मियों ने आवेदकों के दस्तावेजों का सत्यापन किया तथा कंप्यूटर आधारित लर्निंग टेस्ट आयोजित की। इस अवसर पर जिला परिवहन पदाधिकारी, गढ़वा धीरज प्रकाश स्वयं उपस्थित रहें। उन्होंने टेस्ट उत्तीर्ण करने वाले अभ्यर्थियों को अपने हाथों से लर्निंग लाइसेंस प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया। जिला परिवहन पदाधिकारी, गढ़वा सभी इच्छुक आवेदकों से अपील किया कि वे शिविर में आने से पहले अपना ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया अवश्य कर लें। आवेदक अपने नजदीकी प्रज्ञा केंद्र या ऑनलाइन सेवा केंद्र के माध्यम से Sarathi Portal पर आवेदन करें, उसका प्रिंट निकालें तथा सभी आवश्यक दस्तावेजों के साथ शिविर में उपस्थित हों। साथ ही लर्निंग लाइसेंस शुल्क की ऑनलाइन रसीद भी साथ लाना अनिवार्य है। शिविर में आने वाले आवेदकों के लिए आवश्यक जानकारी देते हुए कहा गया कि शिविर का आयोजन पूर्वाहन 11:00 बजे से अपराह्न 03:00 बजे तक होगी, जिसमें आवश्यक दस्तावेज के रूप में आधार कार्ड एवं निवास प्रमाण पत्र, वोटर आईडी कार्ड अथवा 10वीं की मार्कशीट (आयु प्रमाण), पासपोर्ट आकार का फोटो, ब्लड ग्रुप की जानकारी से संबंधित कागजात लाना आवश्यक है। शुल्क भुगतान केवल ऑनलाइन प्रक्रिया से स्वीकार्य है, शिविर में किसी प्रकार का नकद भुगतान स्वीकार नहीं किया जाएगा। अर्थात आवेदन शुल्क केवल ऑनलाइन माध्यम से जमा किया जाएगा। इसलिए आवेदक अपने साथ वढक (Google Pay, PhonePe, Paytm आदि) या ATM कार्ड की सुविधा अवश्य रखें। परिवहन विभाग की यह पहल आम नागरिकों के लिए बड़ी राहत साबित हो रही है। मेराल से शुरू हुआ यह अभियान आगे गढ़वा जिले के अन्य प्रखंडों एवं पंचायतों में भी आयोजित किया जाएगा, जिससे ग्रामीणों को उनके घर के नजदीक ही परिवहन सेवाओं का लाभ मिल सकेगा तथा सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता भी सुनिश्चित हो सकेगी। शिविर में पंचायत प्रतिनिधि, प्रखंड प्रशासन के अधिकारी, जिला परिवहन कार्यालय, गढ़वा के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहें और पूरी व्यवस्था संभालते हुए शिविर का संचालन कराया।

रमना में अवैध गांजा की खेती का भंडाफोड़, 118.330 किलो गांजा के पौधे जब्त

झारखंड वार्ता संवाददाता

रमना : गढ़वा पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए रमना थाना क्षेत्र के बुलका गांव में अवैध गांजा की खेती का भंडाफोड़ किया है। संयुक्त छापेमारी के दौरान पुलिस ने 118.330 किलोग्राम अविकसित गांजा के पौधे जब्त किए। मामले में एनडीपीएस एक्ट की धारा 20(ए)/20(आई) के तहत प्राथमिकी दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी गई है। जानकारी के अनुसार पुलिस अधीक्षक आशुतोष शेखर को गुप्त सूचना मिली थी कि बुलका गांव स्थित एक अर्धनिर्मित मकान के पीछे खेत में अवैध रूप से गांजा की खेती की जा रही है। सूचना की सत्यता की पुष्टि होने के बाद कार्रवाई के निर्देश दिए गए। निर्देश के आलोक में अंचलाधिकारी विकास पांडेय एवं थाना प्रभारी आकाश के नेतृत्व में संयुक्त टीम का गठन कर छापेमारी की गई। कार्रवाई के दौरान मकान के पीछे करीब 300 वर्गमीटर भूमि पर अवैध रूप से गांजा की खेती होती पाई गई। छापेमारी के दौरान राजस्व उपनिरीक्षक पवन कुमार सिंह एवं अमीन सुकर्ण सिंह ने भूमि की मापी की। इसके बाद अंचलाधिकारी की मौजूदगी में पूरी कार्रवाई की वीडियोग्राफी एवं फोटोग्राफी कराई गई।

गांजा के पौधों को उखाड़कर इलेक्ट्रॉनिक मशीन से तौला गया और तीन बोरियों में सुरक्षित रखा गया। जब्त गांजा की पहली बोरी का वजन 45 किलोग्राम, दूसरी का 40 किलोग्राम तथा तीसरी का 33.330 किलोग्राम पाया गया। इस प्रकार कुल 118.330 किलोग्राम अविकसित गांजा के पौधे जब्त किए गए।

छापेमारी अभियान में पुलिस अवर निरीक्षक आलोक कुमार सहित रमना थाना के पुलिस बल के जवान शामिल रहे। पुलिस ने बताया कि मामले में एनडीपीएस एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज कर गांजा की खेती में शामिल लोगों की पहचान एवं गिरफ्तारी के लिए अनुसंधान तेज कर दिया गया है।

चंडी महायज्ञ एवं प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव के तहत निकली शोभायात्रा, श्रद्धालुओं ने मां का लिया आशीर्वाद

झारखंड वार्ता संवाददाता

केतार : केतार प्रखंड के ताली गांव में आयोजित श्री चंडी महायज्ञ एवं मां महागौरी प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव के तहत शनिवार को मां महागौरी की भव्य नगर यात्रा निकाली गई। वैदिक मंत्रोच्चार, शंखनाद और 'जय माता दी' के गगनभेदी जयघोष से पूरा गांव भक्तिमय वातावरण में डूब गया। नगर यात्रा में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने श्रद्धा और उत्साह के साथ भाग लेकर माता रानी का आशीर्वाद प्राप्त किया। मुख्य आचार्य पंडित सौरभ भारद्वाज के नेतृत्व में वैदिक विधि-विधान के साथ मां महागौरी की प्रतिमा का पूजन-अर्चन कर नगर भ्रमण का शुभारंभ किया गया। श्रद्धालु पूरे मार्ग में माता के जयकारे लगाते हुए भक्ति भाव से शोभायात्रा में शामिल रहे। महिलाओं, युवाओं और बच्चों की सहभागिता से पूरा वातावरण धार्मिक उल्लास से सराबोर हो उठा।

मुख्य आचार्य सौरभ भारद्वाज ने बताया कि प्राण-प्रतिष्ठा से पूर्व देवी प्रतिमा का नगर भ्रमण कराना प्राचीन धार्मिक परंपरा है। इसके माध्यम से माता रानी पूरे गांव का भ्रमण कर प्रत्येक परिवार को सुख, समृद्धि, शांति और सुरक्षा का आशीर्वाद प्रदान करती हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजन समाज में आस्था, एकता और आध्यात्मिक चेतना को मजबूत करते हैं। नगर यात्रा मंदिर परिसर से प्रारंभ होकर अमराहीदह, पंडा नदी, डीहवार, ताली सिवान सहित विभिन्न मार्गों से होते हुए पुनः यज्ञ स्थल पहुंची। इसके बाद वैदिक रीति-रिवाजों के साथ धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कराए गए। पूरे आयोजन के दौरान श्रद्धालुओं में गहरा उत्साह और श्रद्धा का माहौल देखने को मिला। इस अवसर पर मुख्य यजमान शिवबरन साह, मुखिया मुंगा साह, आयोजन समिति के अध्यक्ष अनुज गुप्ता, इंद्रदेव गुप्ता, ब्रह्मदेव गुप्ता, मनीलाल गुप्ता, उपेंद्र प्रसाद, ओमप्रकाश सोनी, सुनील राम सहित आयोजन समिति के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

15 से 23 जुलाई तक श्री बंशीधर नगर में गूंजेगी श्रीराम कथा, भव्य आयोजन की तैयारियां शुरू

झारखंड वार्ता संवाददाता

श्री बंशीधर नगर (गढ़वा): गुप्त नवरात्रि के अवसर पर 15 से 23 जुलाई तक श्री बंशीधर नगर स्थित हाई स्कूल मैदान में भव्य श्रीराम कथा का आयोजन किया जाएगा। प्रतिदिन अपराह्न तीन बजे से संध्या सात बजे तक होने वाली कथा को लेकर तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। आयोजन की रूपरेखा तय करने के लिए धुरकी मोड़ स्थित गुलाब हॉस्पिटल परिसर में बैठक आयोजित की गई, जिसमें सर्वसम्मति से आयोजन समिति का गठन किया गया। बैठक में श्रीराम कथा को धार्मिक आस्था, सामाजिक समरसता और जनसहभागिता का भव्य आयोजन बनाने का संकल्प लिया गया। साथ ही आयोजन को सफल बनाने के लिए नगरवासियों एवं श्रद्धालुओं से बढ़-चढ़कर सहयोग करने की अपील की गई। समिति के मुख्य संरक्षक के रूप में विधायक अनंत प्रताप देव को जिम्मेदारी सौंपी गई है। वहीं दीपक प्रताप देव, कामता प्रसाद, राम प्रसाद, रवि प्रकाश, वीरेन्द्र प्रसाद चौबे, धीरेन्द्र कुमार चौबे, शंभू सौदागर, धर्मचंद लाल अग्रवाल, अजय गुप्ता तथा सूर्यदेव मेहता को संरक्षक बनाया गया है। आयोजन समिति का अध्यक्ष रजनीकांत मधुर (भोलू), उपाध्यक्ष कमलेश मेहता, चुनमुन कुमार एवं ऋतुराज जायसवाल, सचिव मनोज कुमार, कोषाध्यक्ष अभय कुमार 'मिंटू' तथा मीडिया प्रभारी वैभव कुमार सिंह को बनाया गया है। इसके अलावा डॉ. संतोष कुमार, कामेश्वर प्रसाद, अशोक जायसवाल, प्रताप जायसवाल, वीरेन्द्र प्रसाद अग्रहारी, नीरज जायसवाल, अजय प्रसाद 'मुखिया जी', बबलू जायसवाल, उदय जायसवाल, बीरेंद्र प्रसाद कमलापुरी, राकेश विश्वकर्मा एवं मिठू जायसवाल सहित कई लोगों को समिति का सदस्य बनाया गया है। बैठक में वक्ताओं ने कहा कि श्रीराम कथा केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि समाज में नैतिक मूल्यों, भाईचारे और सांस्कृतिक चेतना को मजबूत करने का माध्यम है। उन्होंने अधिक से अधिक श्रद्धालुओं से कथा श्रवण कर आध्यात्मिक लाभ प्राप्त करने की अपील की। आयोजन समिति ने बताया कि कार्यक्रम को लेकर व्यापक तैयारियां शुरू कर दी गई हैं और इसे ऐतिहासिक एवं भव्य स्वरूप देने का प्रयास किया जाएगा।

बाइक अनियंत्रित होकर पलटी, तीन युवक घायल, एक की हालत गंभीर

झारखंड वार्ता लातेहार

लातेहार : चंदवा थाना क्षेत्र के तिलैयाडामर गांव से हेरहंज थाना क्षेत्र में अपने एक रिश्तेदार के घर जा रहे तीन युवक शनिवार को सड़क दुर्घटना में घायल हो गए। यह हादसा बनियों गांव के समीप उस समय हुआ,जब नशे की हालत में चल रही बाइक अचानक अनियंत्रित होकर पलट गई।घटना में बाइक चालक सिकंदर गंझू 18 वर्ष पिता राजेश गंझू गंभीर रूप से घायल होकर बेहोश हो गया। वहीं संजीत गंझू 20 वर्ष तथा देव प्रकाश गंझू 14 वर्ष पिता बिरवल गंझू को भी चोटें आई हैं। स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया, जहां सिकंदर की स्थिति गंभीर बताई जा रही है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार तीनों युवक हड़िया पीकर एक ही बाइक पर सवार थे। नशे के कारण चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका,जिससे यह दुर्घटना हुई।

स्थानीय लोगों ने बताया कि क्षेत्र में सड़क किनारे खुलेआम हड़िया और अवैध शराब की बिक्री होती है।उनका कहना है कि नशे की वजह से सड़क दुर्घटनाओं की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से अवैध शराब व हड़िया की बिक्री पर सख्ती से रोक लगाने तथा नियमित जांच अभियान चलाने की मांग की है, ताकि ऐसी घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सके।

जीत की रणनीति बनाने वाले अब आमने-सामने, भवनाथपुर में बदले सियासी समीकरण

- 2024 में अनंत प्रताप देव की जीत में निभाई थी अहम भूमिका, अब 2029 में खुद चुनावी मैदान में उतरने की तैयारी में दीपक प्रताप देव

शुभम जायसवाल

श्री बंशीधर नगर/गढ़वा: भवनाथपुर विधानसभा क्षेत्र की राजनीति तेजी से नए मोड़ पर पहुंच गई है। वर्ष 2024 के विधानसभा चुनाव में झामुमो प्रत्याशी अनंत प्रताप देव उर्फ छोटे राजा की जीत के पीछे जिन चेहरों की सबसे अधिक चर्चा रही, उनमें दीपक प्रताप देव और ताहिर अंसारी प्रमुख थे। चुनाव के दौरान दोनों नेताओं ने संगठन को मजबूत करने, कार्यकताओं को एकजुट रखने और जनसंपर्क अभियान को धार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। लेकिन चुनाव जीतने के बाद यही मजबूत राजनीतिक टीम अब बिखरती नजर आ रही है। राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि चुनाव के बाद संगठन और क्षेत्रीय कार्यशैली को लेकर मतभेद धीरे-धीरे बढ़ने लगे। समय के साथ यह दूरी और गहरी होती गई। अंदरूनी खींचतान का असर क्षेत्रीय राजनीति पर भी दिखाई देने लगा और झामुमो के भीतर गुटबाजी की चचाएं तेज हो गईं। इसी राजनीतिक घटनाक्रम के बीच दीपक प्रताप देव ने विधायक अनंत प्रताप देव से अपनी राजनीतिक राह अलग कर दी है। हालांकि उन्होंने झामुमो में बने रहने और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में विश्वास जताया है, लेकिन साथ ही वर्ष 2029 के विधानसभा चुनाव में स्वयं चुनाव लड़ने की मंशा भी सार्वजनिक कर दी है। उनके इस ऐलान के बाद भवनाथपुर की राजनीति में नए समीकरण बनने की संभावनाएं तेज हो गई हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि 2024 में जिस टीम ने मिलकर भाजपा को कड़ी चुनौती देते हुए जीत दर्ज की थी, उसी टीम का बिखराव आने वाले चुनावों में बड़ा असर डाल सकता है। यदि हालात नहीं बदले तो झामुमो के सामने संगठनात्मक संतुलन बनाए रखना चुनौती बन सकता है। भवनाथपुर में अब राजनीतिक चचाओं का केंद्र 2029 का चुनाव बनता जा रहा है। एक ओर मौजूदा विधायक अपनी राजनीतिक पकड़ मजबूत करने में जुटे हैं, तो दूसरी ओर दीपक प्रताप देव जनता के बीच अपनी अलग पहचान और जनाधार को मजबूत करने की रणनीति पर काम कर रहे हैं। फिलहाल इतना तय माना जा रहा है कि 2024 में जीत दिलाने वाले साथी अब 2029 में राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी बनने की राह पर हैं। यही वजह है कि भवनाथपुर विधानसभा क्षेत्र की राजनीति पूरे गढ़वा जिले में चर्चा का विषय बनी हुई है।

शहरी क्षेत्र के मतदाता हुए जागरूक, पंचायत सचिवालय पहुंचकर बीएलओ से ले रहे आवेदन प्रपत्र

झारखंड वार्ता बालूमाथ

बालूमाथ : निर्वाचन आयोग के विशेष गहन पुनरीक्षण रक्क्ष अभियान के तहत बालूमाथ पंचायत सचिवालय में मतदाताओं की आवाजाही लगातार बढ़ रही है। शहरी क्षेत्र के मतदाता अपने-अपने बीएलओ से संपर्क कर आवश्यक आवेदन प्रपत्र प्राप्त कर रहे हैं और निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार दस्तावेज जमा करने की तैयारी में जुटे हैं।बालूमाथ पंचायत भवन में मतदाता सूची के क्रमांक 1 से 945 तक के मतदाताओं के लिए आवेदन प्रपत्र उपलब्ध करा दिए गए हैं।

संबंधित बीएलओ द्वारा मतदाताओं से पहचान पत्र के साथ पंचायत सचिवालय पहुंचकर प्रपत्र प्राप्त करने की अपील की जा रही है। जिन मतदाताओं को किसी प्रकार की जानकारी चाहिए, वे बीएलओ रौशन आरा से मोबाइल नंबर 9308392217 पर संपर्क कर सकते हैं। पंचायत सचिवालय में सुबह से ही मतदाताओं की भीड़ देखी जा रही है।

लोग अपने नाम का सत्यापन कराने के साथ आवश्यक आवेदन प्रपत्र लेकर उसे भरने की प्रक्रिया पूरी कर रहे हैं। बीएलओ मतदाताओं को आवश्यक दस्तावेजों एवं आवेदन भरने की प्रक्रिया की जानकारी भी दे रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि निर्वाचन आयोग के इस विशेष अभियान के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ी है। मतदाता स्वयं पंचायत सचिवालय पहुंचकर अपने दस्तावेजों का सत्यापन करा रहे हैं, जिससे मतदाता सूची को अधिक सटीक और अद्यतन बनाने में मदद मिल रही है।

मध्य विद्यालय सिंहपुर में निरीक्षण में मिली कई अनियमितताएं मुखिया मुंगा साह ने जांच कर कार्रवाई की उठाई मांग

140 नामांकित छात्रों में केवल 11 मिले उपस्थित, उपस्थिति पंजी और एमडीएम व्यवस्था पर उठाए सवाल

झारखंड वार्ता संवाददाता

केतार : केतार प्रखंड के सिंहपुर मध्य विद्यालय में शनिवार को पंचायत के मुखिया मुंगा साह ने औचक निरीक्षण कर शैक्षणिक एवं मध्याह्न भोजन व्यवस्था का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान छात्र एवं शिक्षक उपस्थिति पंजी के साथ-साथ मध्याह्न भोजन (एमडीएम) से संबंधित अभिलेखों की जांच की गई। इस दौरान कई अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए मुखिया ने संबंधित मामले की जांच कर कार्रवाई की मांग की। मुखिया मुंगा साह ने बताया कि विद्यालय में कुल 140 छात्र-छात्राएं नामांकित हैं, लेकिन निरीक्षण के समय केवल 11 छात्र ही उपस्थित मिले। जबकि छात्र उपस्थिति पंजी में करीब 70 विद्यार्थियों की उपस्थिति दर्ज पाई गई। उन्होंने इसे गंभीर मामला बताते हुए कहा कि वास्तविक उपस्थिति और अभिलेखों में दर्ज संख्या में भारी अंतर चिंता का विषय है। निरीक्षण के दौरान मुखिया ने एमडीएम से संबंधित भंडार पंजी की मांग की, जिस पर प्रभारी शिक्षक ने बताया कि संबंधित पंजी प्रधानाध्यापक के पास है। इसके बाद मुखिया ने विद्यालय में रखे चावल का भी निरीक्षण किया। उन्होंने आरोप लगाया कि विद्यालय में कई स्तर पर मनमानी हो रही है और बच्चों की कम उपस्थिति इस बात का संकेत है कि विद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्था में सुधार की आवश्यकता है।

मुखिया ने यह भी आरोप लगाया कि सुबह करीब 11 बजे तक विद्यालय में रसोइया एवं रसोई सहायिका उपस्थित नहीं थीं। उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति में मध्याह्न भोजन समय पर तैयार होता है या नहीं, इसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। उन्होंने शिक्षा विभाग से पूरे मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने की मांग की। वहीं, प्रभारी शिक्षक राम कुमार राम ने सफाई देते हुए कहा कि समीपवर्ती गांव में आयोजित यज्ञ के कारण कई छात्र-छात्राएं विद्यालय नहीं आ सके, जिससे उपस्थिति कम रही। उन्होंने बताया कि विद्यालय में शैक्षणिक गतिविधियां नियमित रूप से संचालित की जा रही हैं।

वार्ड सदस्य संतोष पासवान ने भी कहा कि यज्ञ के कारण कुछ बच्चे अनुपस्थित थे, जबकि सामान्य दिनों में विद्यालय में छात्रों की उपस्थिति अच्छी रहती है। उन्होंने बताया कि निरीक्षण के दौरान शिक्षक राम कुमार राम, अनुज कुमार सिंह और धनंजय तिवारी विद्यालय में उपस्थित थे, जबकि प्रधानाध्यापक अवकाश पर थे।

किस्मती कॉलेज में फ्रेशर्स वेलकम नवप्रवेशित छात्र-छात्राओं का हुआ भव्य स्वागत

झारखंड वार्ता संवाददाता

मेराल (गढ़वा): प्रखंड मुख्यालय स्थित किस्मती कॉलेज ऑफ नर्सिंग एंड फामेर्सी में शनिवार को प्रथम वर्ष के नर्सिंग एवं फामेर्सी के नवप्रवेशित छात्र-छात्राओं के स्वागत के लिए भव्य फ्रेशर्स वेलकम समारोह का आयोजन किया गया। उत्साह, उमंग और पारिवारिक माहौल में आयोजित कार्यक्रम में वरिष्ठ विद्यार्थियों ने नए छात्रों का आत्मीय स्वागत किया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि गढ़वा जिला परिषद अध्यक्ष शांति देवी, मेराल प्रमुख दीपमाला कुमारी, समाजसेवी शांति किंडो, संस्थान के सचिव वीरेंद्र प्रसाद, निदेशक लव कुमार सिंह तथा शिक्षक-शिक्षिकाओं ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। इसके बाद वरिष्ठ छात्र-छात्राओं ने नवप्रवेशित विद्यार्थियों का तिलक लगाकर, पुष्पगुच्छ भेंट कर एवं तालियों की गड़गड़ाहट के बीच स्वागत किया। समारोह के दौरान गीत, नृत्य, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, परिचय सत्र एवं विभिन्न मनोरंजक कार्यक्रमों ने सभी का मन मोह लिया। नवप्रवेशित विद्यार्थियों ने भी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। मुख्य अतिथि शांति देवी ने कहा कि नर्सिंग और फामेर्सी केवल एक व्यवसाय नहीं, बल्कि मानव सेवा का सबसे पवित्र माध्यम है। उन्होंने विद्यार्थियों से अनुशासन, कड़ी मेहनत और नैतिक मूल्यों के साथ शिक्षा ग्रहण कर समाज सेवा के लिए सदैव तत्पर रहने का आह्वान किया। कॉलेज के संस्थापक डॉ. अनिल कुमार साह ने कहा कि संस्थान विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, आधुनिक प्रशिक्षण और बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है, ताकि वे भविष्य में कुशल स्वास्थ्यकर्मी बनकर समाज की सेवा कर सकें। इस अवसर पर प्रमुख दीपमाला कुमारी सहित अन्य अतिथियों ने नवप्रवेशित छात्र-छात्राओं के उज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए आत्मविश्वास, समर्पण और परिश्रम के साथ अपने लक्ष्य की ओर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के अंत में नवप्रवेशित विद्यार्थियों ने वरिष्ठ छात्र-छात्राओं, शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं कॉलेज प्रबंधन के प्रति आभार व्यक्त किया। पूरे समारोह में भाईचारे, उत्साह और अपनत्व का वातावरण देखने को मिला।

अवैध हथियार निर्माण गिरोह का भंडाफोड़, दो देशी कट्टा समेत निर्माण सामग्री बरामद, दो गिरफ्तार

झारखंड वार्ता संवाददाता

गढ़वा/बरडीहा। थाना क्षेत्र में पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए अवैध देशी कट्टा निर्माण एवं बिक्री के मामले का खुलासा किया है। इस दौरान दो आरोपितों को गिरफ्तार किया गया तथा उनके पास से दो देशी कट्टा, दो मोबाइल फोन एवं हथियार निर्माण में प्रयुक्त बड़ी मात्रा में सामग्री बरामद की गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, दिनांक 03.07.2026 को 10:30 बजे गुप्त सूचना मिली कि बरडीहा थाना क्षेत्र के ग्राम लेवाटांड के जंगल में बरडीहा निवासी संजय विश्वकर्मा, जो आर्म्स एक्ट के मामले में जेल से बाहर आया हुआ है, अवैध रूप से देशी कट्टा का निर्माण कर रहा है तथा चंदु उरांव, पिता स्व. जगरनाथ उरांव, ग्राम लेवाटांड, थाना बरडीहा, जिला गढ़वा के माध्यम से उसकी बिक्री कराई जा रही है। सूचना मिलने पर थाना प्रभारी बरडीहा ने वरीय पदाधिकारी को अवगत कराया। उनके निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, गढ़वा के नेतृत्व में थाना प्रभारी ऋषिकेश कुमार सिंह, पुअनि. अनिल कुमार, स.अ.नि. संतोष कुमार एवं थाना के सशस्त्र बल को शामिल करते हुए छापामारी दल का गठन किया गया। छापामारी दल रात 10:40 बजे चंदु उरांव के घर के लिए रवाना हुआ और रात 11:05 बजे ग्राम लेवाटांड स्थित उसके घर पहुंचकर विधिवत छापेमारी की। इस दौरान चंदु उरांव अपने घर में छिपा हुआ मिला।

तलाशी के दौरान उसके पास से एक देशी कट्टा एवं एक विवो कंपनी का मोबाइल फोन बरामद किया गया। पूछताछ में उसने अपना नाम चंदु उरांव, पिता स्व. जगरनाथ उरांव बताया तथा देशी कट्टा के संबंध में कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। पूछताछ के दौरान चंदु उरांव ने बताया कि संजय विश्वकर्मा, पिता स्व. भोला विश्वकर्मा, घुघरी जंगल में अवैध रूप से देशी कट्टा का निर्माण कराता है। इसके बाद छापामारी दल चंदु उरांव के साथ घुघरी जंगल पहुंचा, जहां उसकी निशानदेही पर अवैध हथियार निर्माण में प्रयुक्त सामग्री बरामद कर विधिवत जब्त की गई। बरामद सामग्री में गुना काटने वाले तीन लोहे के टेप, लोहे का गुना काटने वाला नीले रंग का मशीन, दो लोहे की हथौड़ी, गुना काटने वाला एक लोहे का टेप, 14 सेंटीमीटर लंबी लोहे की छेनी, 13 सेंटीमीटर, 15 सेंटीमीटर एवं 22.5 सेंटीमीटर लंबाई के बैरल बनाने वाले तीन लोहे के पाइप, लोहे का रिंच, 35 सेंटीमीटर लंबा एवं 3.5 सेंटीमीटर चौड़ा लोहे का पटिया, 20.5 सेंटीमीटर लंबा एवं 13.5 सेंटीमीटर चौड़ा लोहे का चदरा, ट्रिगर बनाने में प्रयुक्त लोहे के 10 पीस खांच, लोहा गर्म करने वाले पंखे का हैंडल, एक लोहे का हैक्सा ब्लेड तथा उजले रंग के प्लास्टिक डिब्बे में बारूद जैसा दिखने वाला काले रंग का पदार्थ शामिल है। इसके बाद छापामारी दल चंदु उरांव के साथ संजय विश्वकर्मा के घर ग्राम लेवाटांड पहुंचा।

वहां संजय विश्वकर्मा घर के अंदर छिपा हुआ मिला। तलाशी के दौरान उसके पास से एक देशी कट्टा एवं लावा कंपनी का एक मोबाइल फोन बरामद कर विधिवत जब्त किया गया। दोनों आरोपितों को गिरफ्तार कर बरडीहा थाना लाया गया। दोनों के विरुद्ध बरडीहा थाना कांड संख्या-41/2026, दिनांक 04.07.2026, धारा 25(1)(ं), 25(1-इ)(ं), 26 एवं 35 आर्म्स एक्ट तथा 25(7) आर्म्स अमेंडमेंट एक्ट, 2019 के तहत मामला दर्ज किया गया। दोनों अभियुक्तों को माननीय न्यायालय के आदेशानुसार न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। मामले के अन्य बिंदुओं पर अनुसंधान जारी है। चंदु उरांव के दाहिने पैंट की जेब से एक देशी कट्टा एवं एक विवो कंपनी का मोबाइल फोन बरामद किया गया। उसकी निशानदेही पर बरडीहा थाना क्षेत्र के घुघरी पहाड़ी के पास से देशी कट्टा निर्माण में प्रयुक्त विभिन्न उपकरण एवं सामग्री जब्त की गई।

वहीं संजय विश्वकर्मा के दाहिने पैंट की जेब से एक देशी कट्टा एवं लावा कंपनी का एक मोबाइल फोन बरामद किया गया। छापामारी दल में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी गढ़वा दिलु लोहार, थाना प्रभारी ऋषिकेश कुमार सिंह, पु.अ.नि. अनिल कुमार, स.अ.नि. संतोष कुमार एवं थाना के सशस्त्र बल शामिल थे।

समाचार सार

विद्यालय की छात्रा से जुड़े गंभीर आरोपों पर जिला प्रशासन की त्वरित कार्रवाई

गढ़वा। राजकीय मध्य विद्यालय ताली, प्रखंड केतार के प्रभारी प्रधानाध्यापक सुनील कुमार पाण्डेय के विरुद्ध उक्त विद्यालय की वर्ग-8 की पूर्व छात्रा के साथ कथित अनैतिक कृत्य से संबंधित मामला प्रकाश में आने के उपरांत उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी पशुपति नाथ मिश्रा ने मामले का तत्काल संज्ञान लिया है। उपायुक्त के निर्देश पर जिला शिक्षा अधीक्षक से मामले की विस्तृत जांच कराई गई। जांच प्रतिवेदन के आलोक में संबंधित प्रभारी प्रधानाध्यापक से स्पष्टीकरण की मांग की गई। प्राप्त तथ्यों एवं उपलब्ध जांच प्रतिवेदन के आधार पर उपायुक्त ने संबंधित प्रभारी प्रधानाध्यापक सुनील कुमार पाण्डेय को तत्काल प्रभाव से निलंबित करते हुए उनके विरुद्ध विभागीय कार्रवाई प्रारंभ करने का निर्देश दिया है। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि बच्चों की सुरक्षा, सम्मान एवं विद्यालयों में सुरक्षित शैक्षणिक वातावरण सुनिश्चित करना सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस प्रकार के मामलों में किसी भी स्तर पर लापरवाही अथवा अनुचित आचरण को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा तथा दोषी पाए जाने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी। जिला प्रशासन सभी संबंधित पक्षों से अपील करता है कि मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए अफवाहों से बचें तथा जांच एवं विधिक प्रक्रिया में सहयोग करें। प्रशासन निष्पक्ष, पारदर्शी एवं समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

अभिभावक-शिक्षक समन्वय से ही बच्चों का सर्वांगीण विकास संभव : प्रिंसिपल

श्री बंशीधर नगर : आरके पब्लिक स्कूल, अधौरा में शनिवार को अभिभावक-शिक्षक बैठक (पीटीएम) का आयोजन किया गया। बैठक का उद्देश्य विद्यार्थियों के शैक्षणिक, बौद्धिक एवं नैतिक विकास के लिए विद्यालय और अभिभावकों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना था। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में अभिभावकों ने भाग लेकर बच्चों की पढ़ाई और प्रगति पर शिक्षकों से विस्तार से चर्चा की। बैठक में सीबीएसई के नवीन दिशा-निर्देशों, विद्यार्थियों में अनुशासन, समय प्रबंधन, तनाव प्रबंधन तथा पाठ्यक्रम की प्रगति पर विस्तार से चर्चा की गई। अभिभावकों से बच्चों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित कराने, समय पर गृहकार्य कराने तथा पढ़ाई के प्रति उनकी रुचि बढ़ाने में सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की गई। विद्यालय की प्रिंसिपल पर्णा घोष ने विद्यार्थियों की शैक्षणिक उपलब्धियों एवं व्यवहार संबंधी जानकारी अभिभावकों के साथ साझा करते हुए कहा कि बच्चों की सफलता विद्यालय और अभिभावकों के संयुक्त प्रयास से ही संभव है। उन्होंने अभिभावकों से बच्चों को मोबाइल फोन एवं सोशल मीडिया के अनावश्यक उपयोग से दूर रखने तथा नियमित स्वाध्याय, अनुशासन, नैतिक मूल्यों और सकारात्मक सोच के लिए प्रेरित करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि विद्यालय का उद्देश्य केवल बेहतर परीक्षा परिणाम दिलाना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों को संस्कारित, जिम्मेदार और आत्मनिर्भर नागरिक के रूप में तैयार करना है। इसके लिए अभिभावकों का सहयोग और सहभागिता अत्यंत आवश्यक है। बैठक के अंत में प्रिंसिपल ने सभी अभिभावकों का सक्रिय सहभागिता के लिए आभार व्यक्त किया और भविष्य में भी विद्यालय के साथ इसी तरह सहयोग बनाए रखने की अपेक्षा जताई। कार्यक्रम के दौरान अभिभावकों ने भी विद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्था की सराहना करते हुए बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया।

डंडा प्रखंड के कोटा गांव के पीड़ित परिवारों से मिले झामुमो पदाधिकारी व कार्यकत्ता

सरकारी मुआवजा दिलाने व जागरूकता अभियान चलाने की मांग की

झारखंड वार्ता संवाददाता

गढ़वा : डंडा प्रखंड के कोटा गांव में बीते 2 जुलाई को सर्पदंश से एक बच्ची किरण कुमारी, पिता -बेचन महतो की दुःखद मृत्यु और उसी दिन अज्ञात जंतु के काटने से तीन बच्चियों व एक बच्चे के घायल होने की घटना पर झारखंड मुक्ति मोर्चा गढ़वा जिला कमिटी ने गहरी संवेदना व्यक्त की है। घटना की सूचना मिलते ही पूर्व मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर के निदेशानुसार झामुमो जिला कमेटी का एक प्रतिनिधिमंडल तुरंत पीड़ित परिवारों से मिलने कोटा गांव पहुँचा। जिलाध्यक्ष शम्भू राम जी ने पीड़ित परिजनों से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया और पूर्व मंत्री मिथिलेश ठाकुर की ओर से त्वरित आर्थिक सहयोग प्रदान किया। गांव में भय और दहशत का माहौल देखते हुए झामुमो नेताओं ने मौके से ही जिले के आला अधिकारियों से फोन पर वार्ता की। उन्होंने अधिकारियों से पीड़ित परिवारों को अविलंब सरकारी मुआवजा देने और गांव के लोगों को इस भय से निजात दिलाने के लिए तुरंत जागरूकता अभियान चलाने का पुरजोर आग्रह किया। दूसरी तरफ, सत्ता की कुर्सी पर बैठे वर्तमान विधायक को न तो जनता के सुख-दुख से कोई मतलब है और न ही गढ़वा की गंभीर समस्याओं से कोई लेना-देना है। चुनाव जीतने के बाद आज गढ़वा की जनता को उनके हाल पर छोड़ दिया गया है। वर्तमान जनप्रतिनिधि को सिर्फ सत्ता पाने तक ही जनता की याद आती है। पीड़ित परिवारों से मिलने पहुँचे प्रतिनिधिमंडल में मुख्य रूप से झामुमों जिलाध्यक्ष शंभू राम, केंद्रीय सदस्य मनोज ठाकुर, कोषाध्यक्ष चंदन जायसवाल, प्रखंड अध्यक्ष कामेश्वर चौधरी,राजा सिंह, दिनेश गुप्ता, चंदन पासवान, प्रियम सिंह, दिलीप गुप्ता, आनंद पांडेय, लल्लू सूर्या, ददन रेड्डी उपस्थित थे।

बरडीहा में मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान को लेकर विशेष प्रशिक्षण, बीडीओ ने समयबद्ध कार्य करने के दिए निर्देश

झारखंड वार्ता संवाददाता

बरडीहा /गढ़वा। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा संचालित मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण रक्फ़ 2026 अभियान के सफल एवं समयबद्ध क्रियान्वयन को लेकर शनिवार को बरडीहा प्रखंड सभागार में विशेष प्रशिक्षण एवं शंका समाधान (डाउट क्लियरेंस) कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रखंड विकास पदाधिकारी सह अंचल अधिकारी प्रवीण कुमार सिंह ने की। प्रशिक्षण कार्यक्रम में सभी बीएलओ, वोलंटियर के रूप में प्रतिनियुक्त सहायक शिक्षक, प्रखंड एवं अंचल कार्यालय के पदाधिकारी और कर्मी उपस्थित रहे। इस दौरान अभियान के प्रत्येक चरण की विस्तार से जानकारी दी गई तथा कार्य के दौरान आने वाली शंकाओं का समाधान किया गया। बीडीओ प्रवीण कुमार सिंह ने बताया कि 30 जून से 29 जुलाई 2026 तक चलने वाला यह अभियान भारत निर्वाचन आयोग

का अत्यंत महत्वपूर्ण एवं पूर्णतः समयबद्ध कार्यक्रम है। उन्होंने सभी बीएलओ, शिक्षकों एवं कर्मियों से पूरी निष्ठा, समर्पण और टीम भावना के साथ कार्य करने का आह्वान करते हुए कहा कि अभियान के दौरान किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। सभी अधिकारी एवं कर्मी आपसी समन्वय के साथ निर्धारित लक्ष्य को समय पर पूरा करें।

कहा कि अभियान की समय-सीमा को देखते हुए अवकाश के दिनों में भी कार्य जारी रहेगा, ताकि निर्धारित अवधि के भीतर सभी गणना प्रपत्रों का संग्रहण एवं डिजिटाइजेशन का कार्य पूरा किया जा सके। बीएलओ द्वारा प्रतिदिन एकत्रित गणना प्रपत्रों के संग्रहण एवं डिजिटाइजेशन के लिए प्रखंड में चार संग्रहण केंद्र बनाए गए हैं। इनमें प्रखंड कार्यालय बरडीहा, ओबरा पंचायत भवन, आदर पंचायत भवन तथा जतरो बंजारी पंचायत भवन शामिल हैं।

निर्देश दिया गया कि संबंधित क्षेत्र के सभी बीएलओ प्रतिदिन दोपहर 2:00 बजे तक अपने-अपने संग्रहण केंद्र पर दैनिक प्रतिवेदन एवं संकलित प्रपत्रों के साथ उपस्थित होंगे। वहां प्रतिनियुक्त कंप्यूटर ऑपरेटर एवं संबंधित पदाधिकारियों के सहयोग से प्रपत्रों का तत्काल डिजिटाइजेशन सुनिश्चित किया जाएगा। बैठक में उपस्थित सभी प्रतिभागियों की जिज्ञासाओं एवं शंकाओं का समाधान किया गया।

साथ ही अभियान को शत-प्रतिशत सफल बनाने के लिए सभी अधिकारियों, कर्मचारियों एवं बीएलओ ने सामूहिक रूप से अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। अंत में बीडीओ प्रवीण कुमार सिंह ने सभी मतदाताओं से अपील करते हुए कहा कि वे अपने क्षेत्र के बीएलओ को आवश्यक सहयोग प्रदान करें तथा सही एवं अद्यतन जानकारी उपलब्ध कराकर मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान को सफल बनाने में सक्रिय भागीदारी निभाएं। अगर यह खबर अखबार के लिए है, तो इसे और अधिक समाचार शैली (दैनिक जागरण/ हिन्दुस्तान/प्रभात खबर) के अनुसार भी तैयार किया जा सकता है।

आजाद समाज पार्टी की संगठनात्मक बैठक संपन्न

झारखंड वार्ता संवाददाता

मंझिआंव (गढ़वा) : नगर पंचायत क्षेत्र अंतर्गत स्थित राजा टेंट हाउस में आजाद समाज पार्टी की एक महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में पार्टी को बूथ स्तर से लेकर पंचायत एवं विधानसभा स्तर तक मजबूत करने, संगठन के विस्तार, नए कार्यकताओं को जोड़ने तथा आगामी पंचायत एवं विधानसभा चुनाव की रणनीति को लेकर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। बैठक की अध्यक्षता पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारियों की उपस्थिति में संपन्न हुई। कार्यक्रम में विश्रामपुर विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक प्रत्याशी सिराज खान मुख्य रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने कार्यकताओं एवं समर्थकों को संबोधित करते हुए कहा कि समाज के वंचित, दलित, पिछड़े एवं अल्पसंख्यक वर्गों के अधिकारों की रक्षा और उन्हें उचित राजनीतिक प्रतिनिधित्व दिलाने के लिए संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करना समय की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि

यदि समाज को अपनी आवाज बुलंद करनी है तो संगठित होकर लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करनी होगी। उन्होंने कार्यकताओं से आह्वान किया कि वे घर-घर जाकर पार्टी की नीतियों एवं विचारधारा को आम लोगों तक पहुंचाएं तथा अधिक से अधिक युवाओं, महिलाओं एवं सामाजिक कार्यकताओं को संगठन से जोड़ने का प्रयास करें।

उन्होंने कहा कि मजबूत संगठन ही किसी भी राजनीतिक दल की सबसे बड़ी ताकत होता है और इसी के बल पर जनता के मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाया जा सकता है। बैठक के दौरान उपस्थित वक्ताओं ने भी अपने-अपने विचार रखते हुए संगठन को पंचायत स्तर तक सशक्त बनाने, सक्रिय कार्यकताओं की जिम्मेदारियां तय करने तथा प्रत्येक पंचायत में पार्टी की इकाइयों को मजबूत करने पर जोर दिया।

साथ ही आगामी वर्ष 2027 में संभावित पंचायत चुनाव को लेकर अभी से तैयारी शुरू करने का निर्णय लिया गया। वक्ताओं ने कहा कि पंचायत स्तर पर पार्टी समर्थित योग्य एवं समर्पित उम्मीदवारों को चुनाव मैदान में उतारने तथा उन्हें अधिक से अधिक मतों से विजयी बनाने के लिए सभी कार्यकर्ता एकजुट होकर कार्य करेंगे। उनका मानना था कि पंचायत स्तर पर मजबूत जनप्रतिनिधित्व से भविष्य में पार्टी को व्यापक राजनीतिक मजबूती मिलेगी। बैठक के दौरान संगठन विस्तार के क्रम में कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां भी सौंपी गईं। नगर मंडल अध्यक्ष के रूप में नौशाद खान तथा करमडीह पंचायत अध्यक्ष के रूप में नया जानकारी को मनोनीत किया गया।

नवनियुक्त पदाधिकारियों का कार्यकताओं ने फूल-मालाओं से स्वागत करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम का संचालन प्रवीण जी ने ने किया। कार्यक्रम के अध्यक्षता आजाद समाज पार्टी के जिला अध्यक्ष राम बड़ाई ने किया कार्यक्रम में आजाद समाज पार्टी के जिला उपाध्यक्ष बुचून राम प्रखंड अध्यक्ष सुनेश्वर भीम आर्मी के प्रखंड अध्यक्ष श्री राम कुमार मीडिया प्रभारी सनोज कुमार अख्तर खान मुखिया वीरेंद्र चंद्रवंशी तथा अन्य लोग उपस्थित रहे।

एक सप्ताह के अंदर निर्माण कार्य करें पूर्ण अन्यथा संवेदक पर होगी कार्रवाई : उपायुक्त

उपायुक्त ने की तकनीकी पदाधिकारियों के साथ बैठक

झारखंड वार्ता संवाददाता

गढ़वा : उपायुक्त गढ़वा पशुपति नाथ मिश्रा द्वारा आज अपने कार्यालय प्रकोष्ठ में गढ़वा शहर अंतर्गत रंका मोड़ से नवादा मोड़ तक निमार्णाधीन सड़क को पूर्ण करने को लेकर सभी संबंधित तकनीकी पदाधिकारियों के साथ बैठक करते हुए आवश्यक निदेश दिया गया। विदित हो कि रंका मोड़ से नवादा मोड़ तक रोड निर्माण का कार्य अबतक अधूरा है, जो एक तरफ बना है एवं एक तरफ निमार्णाधीन है। उक्त सड़क निर्माण कार्य पूर्ण करने हेतु बैठक का आयोजन किया गया। समीक्षा के क्रम में उपायुक्त द्वारा सड़क निर्माण के अद्यतन स्थिति के बारे में पूछने पर बताया गया कि रंका मोड़ से लेकर नवादा मोड़ के बीच में विद्युत पोल एवं तार, जो रोड पर थें उन्हे नया तार पोल लगाकर शिफ्ट कर दिया गया है। कुछ पुराने खंभे जो अभी तक रोड पर हैं, उनको हटाने का कार्य चल रहा है।

सड़क निर्माण स्थल से शीघ्र ही बिजली के पुराने पोल और खंभे को हटा दिया जाएगा। इसके बाद रोड साइड के एक तरफ अधूरे पड़े सड़क निर्माण का कार्य पूर्ण करने हेतु कार्य प्रारंभ किया जाएगा।

उपायुक्त श्री मिश्रा द्वारा उक्त सड़क निर्माण का कार्य पूर्ण करने को लेकर एक सप्ताह का समय दिया गया है। उन्होंने कहा कि एक सप्ताह के अंदर रंका मोड़ से नवादा मोड़ तक दूसरे लेन का अधूरा पड़ा सड़क निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण कराना सुनिश्चित करें, अन्यथा संवेदक के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। इस संबंध में बताया कि सड़क के एक तरफ का हिस्सा बने होने, जबकि दूसरे तरफ अधूरा होने से राहगीरों को काफी कठिनाईयों का सामना करना पड़ रहा है। आवागमन में असुविधा हो रही है एवं दुर्घटना की संभावना बनी हुई है। इसलिए इस सड़क को यथाशीघ्र पूर्ण करना अनिवार्य है, जिसके फलस्वरूप सभी संलग्न तकनीकी पदाधिकारियों को एक सप्ताह के अंदर सड़क निर्माण कार्य पूर्ण करने का निर्देश दिया गया। उक्त बैठक में अपर समाहर्ता विकास कुमार राय, कार्यपालक अभियंता पथ निर्माण विभाग प्रदीप कुमार, कार्यपालक अभियंता विद्युत आपूर्ति प्रमंडल महेश्वर कुमार, शिवालय कंस्ट्रक्शन के प्रोजेक्ट मैनेजर बृजेश कुमार, रत्नअख (स्टेट हाईवे अथॉरिटी ऑफ झारखंड) के अधिकारी समेत अन्य अभियंतागण उपस्थित थें।

नवीन जायसवाल ने किया दो महत्वपूर्ण जनसुविधाओं का शिलान्यास, सरकार पर साधा निशाना

झारखंड वार्ता संवाददाता

हटिया/रांची : क्षेत्र के सर्वांगीण विकास और बेहतर आधारभूत सुविधाओं को गति देते हुए हटिया विधानसभा क्षेत्र के विधायक नवीन जायसवाल ने दो महत्वपूर्ण जनसुविधाओं का शिलान्यास किया। इस दौरान उन्होंने स्थानीय ग्रामीणों की समस्याओं को सुना और क्षेत्र के विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

1. पाली गाँव में बनेगा सामुदायिक भवन

विधायक ने सबसे पहले रातू प्रखंड अंतर्गत पाली पंचायत के पाली गाँव में बनने वाले सामुदायिक भवन के निर्माण कार्य का शिलान्यास किया।

उद्देश्यः यह सामुदायिक भवन ग्रामीणों के सामाजिक, सांस्कृतिक और सार्वजनिक कार्यक्रमों के आयोजन के लिए एक प्रमुख केंद्र बनेगा। प्रभावः स्थानीय लोगों को अपने कार्यक्रमों के लिए अब दूर नहीं जाना पड़ेगा, जिससे क्षेत्र के सामाजिक विकास को नई गति मिलेगी।

2. वृंदावन कॉलोनी में पीसीसी पथ का निर्माण

इसके बाद, विधायक ने रांची नगर निगम के वार्ड संख्या-34 के अंतर्गत मुडला पहाड़ हेहल के पास स्थित वृंदावन कॉलोनी में पी.सी.सी. (PCC) पथ निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। महत्वः इस सड़क का निर्माण स्थानीय नागरिकों की लंबे समय से चली आ रही मांग और आवश्यकता को पूरा करेगा। लाभः सड़क बनने से क्षेत्र में आवागमन अधिक सुगम, सुरक्षित और सुविधाजनक हो जाएगा।

वर्तमान सरकार पर बरसे विधायक

शिलान्यास कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों को संबोधित करते हुए विधायक नवीन जायसवाल ने राज्य की वर्तमान सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहाः वर्तमान सरकार सिर्फ लोगों को बेवकूफ बनाने का काम कर रही है। यह सरकार राज्य में अपराध को नियंत्रित करने में पूरी तरह असफल साबित हुई है। प्रदेश में विकास के सारे कार्य रोक दिए गए हैं और सरकार का पूरा ध्यान सिर्फ ट्रांसफर-पोस्टिंग के खेल पर केंद्रित है।

कार्यक्रम में ये रहे उपस्थित

इस अवसर पर मुख्य रूप से वार्ड 34 के पार्षद अजीत कच्छप, पंडरा मंडल अध्यक्ष, बीजेपी महिला मोर्चा की मंडल अध्यक्ष सहित सैकड़ों की संख्या में स्थानीय ग्रामीण और प्रबुद्ध नागरिक उपस्थित थे। ग्रामीणों ने इन जनसुविधाओं की सौगात के लिए विधायक का आभार व्यक्त किया।

श्री बंशीधर नगर में पागल कुत्ते का आतंक: दो दिनों में दो दर्जन से अधिक लोगों को काटा, दहशत में लोग

झारखंड वार्ता संवाददाता

श्री बंशीधर नगर : श्री बंशीधर नगर क्षेत्र में आवारा कुत्तों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। शुक्रवार और शनिवार को श्री बंशीधर नगर शहर में एक पागल कुत्ते ने अचानक लोगों पर हमला कर दिया। दो दिनों के भीतर दो दर्जन से अधिक लोगों को काटकर घायल कर देने की घटना से पूरे इलाके में दहशत का माहौल है। लोग घरों से निकलने में भी भय महसूस कर रहे हैं। घटना के बाद सभी घायलों को तत्काल अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद एंटी-रेबीज वैक्सीन एवं अन्य आवश्यक दवाएं उपलब्ध कराईं। चिकित्सकों ने घायलों को समय पर टीकाकरण की पूरी डोज लेने की भी सलाह दी। कुत्ते के हमले में घायल होने वालों में अजमेर अंसारी, रंजीत पासवान, आर्यन कुमार, उपेंद्र कुमार पाल, अमित कुमार, आशीष कुमार, कृष्ण कुमार, अविनाश कुमार, रितेश कुमार, दानिश राजा, रशीद आलम, धीरज कुमार, नविजान अली, ऋषि कुमार, ईश्वर यादव, नीरज कुमार, अनुज कुमार, दीपक ठाकुर, इल्ताफ अंसारी, गोपाल प्रसाद, संतोष राम सहित अन्य लोग शामिल हैं। घायलों में छोटे बच्चे और बुजुर्ग भी शामिल होने से लोगों की चिंता और बढ़ गई है। स्थानीय लोगों का

कहना है कि नगर क्षेत्र में आवारा कुत्तों की संख्या लगातार बढ़ रही है। कई बार इसकी शिकायत नगर पंचायत और प्रशासन से की गई, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। लोगों का आरोप है कि यदि समय रहते आवारा कुत्तों पर नियंत्रण के लिए अभियान चलाया गया होता, तो इस तरह की घटना टाली जा सकती थी।

घटना के बाद ग्रामीणों और स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से पागल कुत्ते को पकड़ने तथा आवारा कुत्तों पर नियंत्रण के लिए विशेष अभियान चलाने की मांग की है। लोगों का कहना है कि स्कूल जाने वाले बच्चों, बुजुर्गों और राहगीरों की सुरक्षा को देखते हुए तत्काल प्रभावी कदम उठाना जरूरी है, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

हिमाचल में मानसून में नॉर्मल से 106% ज्यादा बारिश

शिमला। मानसून की एंट्री के बाद से अब तक सामान्य से 106 फीसदी ज्यादा बारिश हो चुकी है। इससे किन्नौर, कुल्लू और चंबा में फ्लैश फ्लड से 15.27 करोड़ रुपए की सरकारी व निजी संपत्ति को नुकसान हुआ है। एक कच्चा हाउस समेत 5 गौशालाएं बारिश से क्षतिग्रस्त हुई है। लाहौल स्पीति में बर्फ के तेजी से पिघलने से जहालमा व जिस्पा में बाढ़ से सड़कें बह गईं। राज्य में परसों यानी छह जुलाई से फिर भारी बारिश के आसार है। प्रदेश में स्ट्रांग एंट्री के बाद मानसून की रफ्तार आज और कल थोड़ी धीमी रहने का पूर्वानुमान है।

हालांकि, सोलन और सिरमौर जिलों के कुछेक स्थानों पर आज भी हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है, लेकिन अन्य जिलों के लिए कोई चेतावनी नहीं है। यह राहत ज्यादा देर तक नहीं रहेगी। मौसम विभाग के मुताबिक, छह जुलाई से स्ट्रांग वेस्टर्न डिस्टरबेंस एक्टिव हो रहा है। इसे देखते हुए 6 और 7 जुलाई को कांगड़ा, मंडी, शिमला और सिरमौर जिलों में ऑरेंज अलर्ट तथा ऊना, हमीरपुर, चंबा और कुल्लू जिलों में यलो अलर्ट जारी किया गया है। आठ और नौ जुलाई को भी राज्य के अधिकांश भागों में भारी बारिश का पूर्वानुमान है। इससे आज और कल तापमान सामान्य से थोड़ा अधिक बना रहेगा, मगर परसों से तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस की गिरावट आने की संभावना है।

49 सड़कें, 3 ट्रांसफॉर्मर बंद: प्रदेश में बीते तीन दिनों से हो रही बारिश के बाद 49 सड़कें, 3 बिजली ट्रांसफॉर्मर और 23 पेयजल योजनाएं बंद पड़ी हैं। संबंधित विभाग सड़क, विद्युत आपूर्ति और पेयजल योजनाएं बहाल करने में जुटे हुए हैं।

किन्नौर में सामान्य से 423% ज्यादा बारिश: राज्य में बीते तीन दिनों के दौरान सामान्य से 106 प्रतिशत अधिक बारिश दर्ज की गई। 1 से 3 जुलाई के बीच सामान्य तौर पर 15 मिमी बारिश होती है, लेकिन इस बार 30.9 मिमी बारिश दर्ज की गई है।

लालू प्रसाद और राबड़ी देवी को फिर मिलेगी जेड श्रेणी की सुरक्षा

पटना। पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद और राबड़ी देवी को जेड श्रेणी की सुरक्षा वापस दी जाएगी। सूत्रों के अनुसार, राज्य सरकार ने समीक्षा के बाद दोनों नेताओं को जेड श्रेणी की सुरक्षा देने का निर्णय लिया है।

हालांकि गृह विभाग के स्तर से शुक्रवार की रात तक इसकी अधिसूचना जारी नहीं हुई है। राजद नेताओं ने भी मीडिया से ही सुरक्षा बढ़ाए जाने की जानकारी मिलने की बात कही है। आधिकारिक पत्र अभी नहीं मिला है। गृह विभाग ने एक माह पूर्व चार जून को लालू-राबड़ी की सुरक्षा में कटौती करते हुए जेड प्लस सुरक्षा वापस ले ली थी। हालांकि हाउस गार्ड से लेकर निजी सुरक्षा में बी-सैप जवानों की प्रतिनयुक्ति की गई थी। बुलेटप्रूफ कार भी दी गई थी। मगर जेड प्लस सुरक्षा हटाए जाने से नाराज होकर लालू परिवार ने सुरक्षा वापस कर दी थी। इसपर खूब राजनीति भी हुई।

सिया गोयल की 'सीक्रेट चैट्स' डिकोड करेगी पुलिस

केतन हत्याकांड : कोड वड्र्स, निकनेम और इमोजी के जरिए रची गई साजिश

पुणे, एजेंसी

महाराष्ट्र के पुणे में रियल एस्टेट कारोबारी केतन अग्रवाल की लोहगढ़ किले से धक्का देकर हत्या के मामले में पुलिस अब मुख्य आरोपी सिया गोयल की मोबाइल चैट्स को डिकोड करने में जुटी है। इन चैट्स में कोड वड्र्स, निकनेम और इमोजी का इस्तेमाल किया गया है, जिनका मतलब केवल सिया ही बता सकती है। पुलिस ने अदालत को बताया कि सिया और उसके कथित प्रेमी चेतन चौधरी के फोन से बरामद डिजिटल डेटा में गोपनीय भाषा, छिपे नाम और इमोजी का इस्तेमाल है। सहायक लोक अभियोजक राजश्री विरकुड ने कहा कि फॉरेंसिक रिपोर्ट मिल चुकी है। ये चैट्स केवल आरोपी ही समझा सकती हैं।

कोर्ट का फैसला

पुलिस ने सिया और चेतन की रिमांड बढ़ाने की मांग की थी ताकि दोनों को आमने-सामने बिठाकर चैट्स का संदर्भ समझा जा सके, लेकिन कोर्ट ने इसे खारिज कर दिया। दोनों को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है (16 जुलाई तक)।

सिया का दूसरा मोबाइल फॉरेंसिक जांच के लिए भेजा गया

18 जून को केतन अग्रवाल और सिया गोयल लोहगढ़ किले गए थे। पुलिस के अनुसार, सिया और चेतन ने मिलकर केतन को किले से नीचे धक्का दे दिया। दोनों की सगाई हो चुकी थी और नवंबर में शादी तय थी। पुलिस ने सिया द्वारा केतन का पासपोर्ट फेंकने वाली जगह पर पंचनामा किया। हत्या की रिहर्सल वाली जगह का भी पंचनामा किया। सिया का दूसरा मोबाइल फोन बरामद कर फॉरेंसिक जांच के लिए भेजा। पुणे ग्रामीण पुलिस अधीक्षक संदीप सिंह गिल ने कहा कि अपराध स्थल के आसपास कई गवाह सामने आए हैं। उनके बयान दर्ज किए जा रहे हैं। आरोपियों के बीच वित्तीय लेन-देन की भी जांच हो रही है। केतन द्वारा सिया को दिए गए पैसे के लेन-देन का विवरण उचित समय पर खुलासा किया जाएगा।

आगरा : 45 दिन बाद हुआ खुलासा

पति की हत्या करके बाथरूम में दफनाया, फर्श बनवाई और उसी पर नहाती थी रूबी

आगरा, एजेंसी

आगरा में महिला ने पति की हत्या कर शव को घर के बाथरूम में दफना दिया। ऊपर से फर्श बनवा दी और उसी बाथरूम में रोजाना नहाती रही। 45 दिनों तक पुलिस और घरवालों को गुमराह किया। जांच के दौरान महिला पुलिस के साथ सीसीटीवी फुटेज देखती रही और रोने का नाटक करती रही। महिला के जेठ को उसके व्यवहार से शक हो गया। उसने महिला से कहा कि अगर कोई परेशानी हो तो वह साथ देगा। इसके बाद महिला ने जुर्म कबूल कर लिया। पुलिस ने उसकी निशानदेही पर बाथरूम का फर्श तोड़ा, जहां से केवल कंकाल बरामद हुआ।

महिला ने पुलिस को बताया कि पति शराब पीकर मारपीट करता था। इसलिए उसने खीर में 18 से ज्यादा नींद की गोलियां मिलाकर पति को खिलाईं, जिससे उसकी मौत हो गई। इसके बाद उसने जेठ को फोन कर राजस्थान से बुलाया और दोनों बच्चों और सास को घर से भेज दिया। फिर शव को कमरे से खींचकर बाथरूम में ले जाकर गड्ढा खोदकर दफना दिया। इसके बाद जेठ को बताया कि पति उससे झगड़ा कर 5 हजार रुपए लेकर चला गया है। फिर वह खुद भी राजस्थान चली गई। आठ दिन बाद लौटकर उसने मजदूर बुलवाए और बाथरूम का फर्श बनवा दिया।

2010 में हुई थी शादी

राजस्थान के भरतपुर के रहने वाले सुरेंद्र कुमार शर्मा (44) सिकंदरा के दहतोरा स्थित रेणुका धाम कॉलोनी में रहते थे। उनकी शादी साल 2010 में रूबी से हुई थी। रूबी इटावा की रहने वाली है। उनकी दो बेटियां रिद्धी (13) और सिद्धी (9) हैं। सुरेंद्र के साथ उनकी मां कमला भी रहती थीं। उन्हें आंखों से कम दिखाई देता है। उनके पिता राधेश्याम शर्मा शिक्षक थे।

बांग्लादेश में तीस्ता रिवर प्रोजेक्ट में चीन की एंट्री, भारत बोला- हमारी सब पर नजर

नई दिल्ली. एजेंसी। भारत ने कहा है कि बांग्लादेश में प्रोजेक्ट्स के लिए उसकी डेवलपमेंट से जुड़ी मदद एक आपसी सहमति वाले रोडमैप पर आधारित है और नई दिल्ली तीस्ता नदी से जुड़े प्रोजेक्ट के लिए अपनी पूरी रणनीति में सभी संबंधित घटनाक्रमों को ध्यान में रखेगी।

विदेश मंत्रालय (एमईए) के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल की ये टिप्पणियां तीस्ता मुद्दे पर पूछे गए एक सवाल के जवाब में आईं। यह सवाल ढाका और बीजिंग के बीच तीस्ता नदी व्यापक प्रबंधन और बहाली परियोजना पर हुई बातचीत के संदर्भ में पूछा गया था।

तीस्ता नदी के प्रबंधन में चीन की भागीदारी अपनी रणनीतिक अहमियत के कारण नई दिल्ली और ढाका के रिश्तों को मुश्किल में डाल सकती है। जब पूछा गया कि भारत इस पर क्या सोचता है तो जयसवाल ने कहा, बांग्लादेश में प्रोजेक्ट्स के लिए भारत की डेवलपमेंट से जुड़ी मदद आपसी सहमति वाले रोडमैप पर आधारित है, जिसकी समय-समय पर समीक्षा की जाती है। तीस्ता नदी प्रोजेक्ट पर हमारी राय बांग्लादेशी पक्ष को पहले ही बताई जा चुकी है। हम तीस्ता मुद्दे पर अपनी पूरी रणनीति में इससे जुड़ी सभी बातों को ध्यान में रखेंगे।

स्पेन में पकड़ाया कुख्यात गैंगस्टर गोल्डी ढिल्लों

मैड्रिड। पंजाब एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स के इनपुट पर गैंगस्टर गोल्डी ढिल्लों स्पेन में पकड़ा गया। स्पेन की सुरक्षा एजेंसियों ने उसे को हिरासत में लिया। बता दें कि गैंगस्टर गोल्डी ढिल्लों बीते 13 जून को चंडीगढ़ के सेक्टर-11 स्थित कुमार मेडिकल हॉल के कैशियर जानकी दास की गोली मारकर हत्या करवाने का आरोपी है। गैंगस्टर गोल्डी ढिल्लों पहले लॉरेंस बिश्नोई के साथ जुड़ा था। कनाडा में हुई फायरिंग की कई घटनाओं में गोल्डी ढिल्लों का हाथ था। पंजाब में भी संगठित अपराध की कई घटनाओं में गोल्डी ढिल्लों आरोपी है।

जोसेफ विजय पर पर्सनल कमेंट पड़ा भारी डीएमके विधायक राधाकृष्णन गिरफ्तार

चेन्नई, एजेंसी

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री जोसेफ विजय के खिलाफ अपमानजनक और अभद्र टिप्पणी करने वाले डीएमके विधायक अनीता राधाकृष्णन को गिरफ्तार कर लिया गया। इससे पहले मद्रास हाई कोर्ट ने राधाकृष्णन को अग्रिम जमानत देने से इनकार कर दिया था।

पुलिस ने तिरुचेंदूर के विधायक को हिरासत में लिया और पूछताछ से पहले उनका मेडिकल टेस्ट कराया गया। अभी यह साफ नहीं है कि उन्हें न्यायिक हिरासत में भेजा जाएगा या स्थानीय अदालत से जमानत पर रिहा कर दिया जाएगा। यह मामला 20 जून को दिए गए एक विवादित भाषण से जुड़ा है, जिसमें राधाकृष्णन ने कथित तौर पर मुख्यमंत्री के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणियां की थीं। इन टिप्पणियों में अभिनेता तृषा द्वारा शेयर की गई एक जन्मदिन की तस्वीर का जिक्र भी शामिल था, जिसमें विजय भी थे। पुलिस ने 23 जून को भारतीय न्याय संहिता की धारा तहत मुकदमा दर्ज किया था। ये धाराएं जानबूझकर अपमान करने और दुश्मनी को बढ़ावा देने से जुड़ी हैं। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, दो समन मिलने के बावजूद राधाकृष्णन जांच अधिकारियों के सामने पेश नहीं हुए। इसके बाद उन्होंने अग्रिम जमानत के लिए मद्रास हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया, लेकिन उनकी याचिका खारिज कर दी गई।

तमिलनाडु के मंत्री रमेश की जनता से अपील, मंदिरों में गड़बड़ियों की दें सूचना

चेन्नई. एजेंसी। तमिलनाडु के मंत्री एस. रमेश ने शुक्रवार को जनता से अपील की कि वे विभाग के प्रशासनिक नियंत्रण वाले मंदिरों में अनियमितताओं, नौकरी के बदले पैसे लेने और अन्य गलत कामों की रिपोर्ट करें। मंत्री ने हाल ही में तिरुचेंदूर के एक मंदिर में निरीक्षण के दौरान भक्तों को जल्दी दर्शन कराने के लिए मंदिर के कर्मचारियों से जुड़े अवैध लेन-देन को उजागर किया था। उन्होंने लोगों से कहा कि वे अपनी शिकायतें सबूत के साथ भेजें। रमेश ने कहा, मैं आपको बताना चाहता हूं कि मेरा कार्यालय और मैं इन शिकायतों पर तुरंत कार्रवाई करेंगे। उनकी यह अपील मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय के साफ-सुथरा और भ्रष्टाचार-मुक्त प्रशासन देने के आश्वासन के बाद आई है। सत्ताधारी टीवीके ने पिछली सरकार द्वारा मंजूर किए गए 46 मंदिर परियोजनाओं के लिए प्रशासनिक मंजूरी रद कर दी थी। पार्टी का कहना था कि मंदिर के फंड का इस्तेमाल कमर्शियल प्रोजेक्ट्स के लिए नहीं किया जाना चाहिए। राज्य सरकार ने कुन्नूर में मंदिर के फंड से बनने वाले मल्टी-लेवल कार पार्किंग प्रोजेक्ट को भी रद कर दिया, जिसे पिछली सरकार ने प्रस्तावित किया था। तमिलनाडु पुलिस ने बताया कि उथंगराई विधानसभा क्षेत्र से टीवीके विधायक एन. एलैयाराजा को रिश्वत देने की कोशिश के आरोप में पांच और लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

2016 में विलुप्त हुए बाघों के पुनर्वास के लिए भारत-कंबोडिया में सहमति

कंबोडिया के जंगलों में गूंजेगी भारतीय बाघों की दहाड़

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत जल्द ही कंबोडिया के जंगलों में फिर से बाघों की मौजूदगी सुनिश्चित करने में अहम भूमिका निभाएगा। दोनों देशों के बीच हुए समझौते के तहत भारत कंबोडिया को छह बंगाल टाइगर उपलब्ध कराएगा। ये बाघ तभी भेजे जाएंगे, जब वहां उनके लिए सुरक्षित आवास, पर्याप्त शिकार और मजबूत सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित हो जाएगी। 2016 में कंबोडिया से बाघ पूरी तरह विलुप्त हो गए थे। यह दुनिया में एक देश से दूसरे देश में बाघों के पुनर्वास का दूसरा उदाहरण होगा। इस योजना की निगरानी इंटरनेशनल बिग कैट एलायंस और नेशनल टाइगर कंजर्वेशन अथॉरिटी (एनटीसीए) कर रहे हैं। भारत इससे पहले पन्ना और सरिस्का सहित कई अभयारण्यों में बाघों के सफल पुनर्वास का उदाहरण पेश कर चुका है। वर्तमान में देश के 58 टाइगर रिजर्व में 3,682 बाघ हैं और दुनिया के 70 प्रतिशत से अधिक जंगली बाघ भारत में पाए जाते हैं।

भारत बना वैश्विक 'बिग कैट' संरक्षण का अगुवा

भारत ने वैश्विक स्तर पर बड़ी बिल्ली प्रजातियों के संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए इंटरनेशनल बिग कैट एलायंस की स्थापना की है, जिससे अब तक 27 देश जुड़ चुके हैं। दुनिया के 95 देशों में बिग कैट की सात प्रमुख प्रजातियां पाई जाती हैं, जिनमें से पांच—बाघ, शेर, तेंदुआ, हिम तेंदुआ और चीता—भारत में मौजूद हैं। कंबोडिया को बाघ उपलब्ध कराने की पहल इसी वैश्विक संरक्षण अभियान का महत्वपूर्ण हिस्सा मानी जा रही है।

दुनिया के 10 देशों में ही बचे हैं जंगली बाघ

टाइगर रेंज वाले 13 देशों में से फिलहाल केवल 10 देशों के जंगलों में बाघ मौजूद हैं। इनमें भारत, नेपाल, भूटान, बांग्लादेश, रूस, चीन, इंडोनेशिया, मलेशिया और म्यांमार प्रमुख हैं। दुनिया के 70 प्रतिशत से अधिक जंगली बाघ अकेले भारत में हैं। कजाकिस्तान ने 2024 में नीदरलैंड के शेल्टर से दो बाघ लाकर पुनर्वास की शुरुआत की थी। अब कंबोडिया भारत की मदद से अपने जंगलों में बाघों की वापसी की तैयारी कर रहा है।

दमिश्क के कैफे में धमाके में अब तक 9 की मौत

गवर्नर इदलिबी ने कहा- दोषियों को सख्त से सख्त सजा दिलाई जाएगी

दमिश्क। सीरिया की राजधानी दमिश्क के एक कैफे में हुए धमाके में कम से कम 9 लोगों की मौत हो गई। इस धमाके में 20 लोग घायल हुए हैं। फिलहाल किसी गुट ने धमाके की जिम्मेदारी नहीं ली है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक धमाके के तुरंत बाद सुरक्षा बल कैफे पहुंचे और इलाके की घेराबंदी करके जांच शुरू कर दी है। यह धमाका गुरुवार को हुआ था। दमिश्क के गवर्नर माहेर इदलिबी ने कहा कि जिस डिवाइस में धमाका किया गया वह पुराना लग रहा था। उन्होंने कहा कि गृह मंत्रालय जल्द ही अपनी जांच के नतीजे बताएगा। उन्होंने वादा किया कि दोषियों को सजा दिलाई जाएगी। रिपोर्ट के मुताबिक इस कैफे में वकील अक्सर आते-जाते थे। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में कई घायल लोग जमीन पर पड़े दिखाई दे रहे हैं, जबकि पुलिस अधिकारी पास में खड़े हैं। इसके बाद एंबुलेंस पहुंचीं तत्काल लोगों को मेडिकल सहायता उपलब्ध कराई गई, जबकि गंभीर घायलों को अस्पतालों में ले जाया गया। धमाके वाली जगह के पास ही रेस्टोरेंट चलाने वाले शख्स ने बताया कि जब वे विस्फोट की आवाज सुनकर पहुंचे तो नजारा हैरान करने वाला था। फर्श पर लाशें पड़ी थीं। कई लोगों को गंभीर चोटें आई थीं और सभी खून से लथपथ थे। यह घटना ऐसे समय में हुई है जब देश में सत्ता संभाल रही अल-शरा की सरकार राजधानी और उसके आस-पास इलाकों में हमलों को रोकने की कोशिश कर रहे हैं। दिसम्बर 2024 में असद शासन को उखाड़कर सत्ता में आए अल-शरा ने दमिश्क और आसपास के इलाकों में आतंकवादी समूह इस्लामिक स्टेट के खिलाफ सख्त कार्रवाई की है। अल-शरा ने देश के ज्यादातर हिस्सों में अधिकार फिर से स्थापित कर लिया है, लेकिन स्थिरता लाने की कोशिशों के बीच उन्हें सुरक्षा चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है।

पाकिस्तान में भीषण बस हादसा:40 यात्रियों की मौत

करांची।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में भीषण सड़क हादसे में करीब 40 लोगों की मौत हो गई। बलूचिस्तान से खैबर पख्तूनख्वा में प्रवेश करते समय यात्रियों से भरी एक बस गहरी खाई में जा गिरी। हादसा शेरानी जिले के दाना सर इलाके में हुआ, जहां बलूचिस्तान से खैबर पख्तूनख्वा जा रही बस अनियंत्रित होकर खाई में गिर गई। इस दर्दनाक घटना में 40 लोगों की जान चली गई, जबकि आठ अन्य घायल हो गए।

जांच में सामने आया है कि बस ओवरलोड थी। दरअसल, यह बस क्वेटा से 36 यात्रियों के साथ रवाना हुई थी, लेकिन रास्ते में एक अन्य बस खराब होने के कारण उसके यात्रियों को भी इसी बस में बिठाया गया था, जिससे सवारियों की संख्या अधिक हो गई। हादसे के तुरंत बाद बचाव अभियान शुरू कर दिया गया। घायलों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है, और गंभीर रूप से घायलों को क्वेटा रेफर किया गया है। बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री सरफराज बुगती ने राहत कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। प्रशासन ने घटना की विस्तृत जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार, तेज रफ्तार और पहाड़ी सड़क की खराब स्थिति भी दुर्घटना का कारण हो सकती है। लोगों ने बताया कि यह दुर्घटना रात के समय हुई, जिससे बचाव कार्य में कुछ दिक्कतें आईं। गौरतलब है कि पाकिस्तान में सड़क सुरक्षा एक बड़ी चुनौती बनी हुई है। यहां अक्सर खराब सड़कों, ओवरलोडेड वाहनों और तेज रफ्तार के कारण ऐसे दर्दनाक हादसे होते रहते हैं। इसी सप्ताह इस क्षेत्र में एक नाव पलटने से एक ही परिवार के सात लोगों की मौत हो गई थी, जो क्षेत्र में सुरक्षा उपायों की कमी को दर्शाता है।

ब्रह्मांड संभवत: हर दिशा में एक जैसा नहीं है: अध्ययन

लंदन। डार्क एनर्जी स्पेक्ट्रोस्कोपिक इंस्ट्रूमेंट (डीईएसआई) से प्राप्त ताजा आंकड़ों के विश्लेषण के बाद शोधकर्ताओं का दावा है कि ब्रह्मांड संभवत: हर दिशा में एक जैसा नहीं है। यदि यह निष्कर्ष आगे के अध्ययनों में भी सही साबित होता है, तो आधुनिक ब्रह्मांड विज्ञान के कई स्थापित सिद्धांतों की दोबारा समीक्षा करनी पड़ सकती है। ब्रह्मांड की संरचना को लेकर वैज्ञानिकों के बीच लंबे समय से चली आ रही मान्यताओं पर एक नए शोध ने बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है। डीईएसआई परियोजना ने लगभग 11 अरब प्रकाश-वर्ष दूर स्थित 4.7 करोड़ आकाशगंगाओं का अत्यंत विस्तृत मानचित्र तैयार किया है। इसी विशाल डेटा का अध्ययन खगोल वैज्ञानिक फ्रांसिस्को साइलोस लाबिनी और मार्को गैलोप्पो ने किया। उनके निष्कर्ष प्रतिष्ठित वैज्ञानिक पत्रिका नेचर में प्रकाशित हुए हैं, जिसके बाद अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक समुदाय में नई बहस शुरू हो गई है। शोधकर्ताओं का मानना है कि ब्रह्मांड की संरचना हमारी अब तक की समझ से कहीं अधिक जटिल हो सकती है। वैज्ञानिकों के अनुसार, छोटी दूरी पर देखने पर आकाशगंगाओं का वितरण असमान दिखाई देता है। कहीं विशाल खाली क्षेत्र नजर आते हैं तो कहीं आकाशगंगाओं के बड़े-बड़े समूह दिखाई देते हैं। इस विशेषता को वैज्ञानिक भाषा में एनीसोट्रॉपी कहा जाता है। हालांकि अब तक यह माना जाता था कि अत्यंत बड़े पैमाने पर देखने पर ब्रह्मांड एकसमान हो जाता है। इसी धारणा को कॉस्मोलॉजिकल प्रिंसिपल कहा जाता है, जो आधुनिक ब्रह्मांड विज्ञान की आधारशिला मानी जाती है। कॉस्मोलॉजिकल प्रिंसिपल के अनुसार ब्रह्मांड में पदार्थ का वितरण विशाल स्तर पर लगभग समान है और किसी भी स्थान से देखने पर इसकी संरचना एक जैसी दिखाई देनी चाहिए। यह सिद्धांत कोपरनिकन प्रिंसिपल पर आधारित है, जिसके अनुसार ब्रह्मांड में कोई भी पर्यवेक्षक विशेष स्थान पर नहीं होता। लेकिन नए अध्ययन में इस धारणा को चुनौती देने वाले संकेत मिले हैं। शोधकर्ताओं ने इस अध्ययन में एंगुलर डिस्ट्रीब्यूशन ऑफ पेयरवाइज डिस्टेंसेस (एडीपीडी) नामक नई विश्लेषण तकनीक का उपयोग किया। यह विधि किसी पूर्व निर्धारित मॉडल पर निर्भर रहने के बजाय आकाशगंगाओं के दिशात्मक संबंधों का प्रत्यक्ष विश्लेषण करती है। अध्ययन में पाया गया कि गीगापार्सेक स्तर जैसी अत्यंत विशाल दूरी पर भी आकाशगंगाओं का वितरण पूरी तरह समान नहीं है। शोध के अनुसार, आकाशगंगाएं अपेक्षा से कहीं बड़े पैमाने पर समूह बनाती दिखाई दे रही हैं।

न्यूयॉर्क : यूएन मुख्यालय के बाहर तिब्बती मूल के व्यक्ति ने आत्मदाह किया, चीन-विरोध के पर्चे मिले

न्यूयॉर्क। अमेरिका के न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र (यूएन) मुख्यालय के बाहर गुरुवार को एक 52 वर्षीय व्यक्ति ने खुद को आग लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक बौद्ध भिक्षु की वेशभूषा में था और उसके पास से तिब्बती झंडा व 'चाइना आउट ऑफ तिब्बत' लिखे पर्चे बरामद हुए हैं। घटना के बाद उसे अस्पताल ले जाया गया, जहाँ उसकी मौत हो गई। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, मृतक की पहचान लोबगा रांगजेन के रूप में की जा रही है, जो पिछले 20 वर्षों से अमेरिका में रह रहा था। घटनास्थल के वीडियो में व्यक्ति को पहले तिब्बती झंडा बिछाते और फिर खुद को आग लगाते देखा गया। न्यूयॉर्क पुलिस विभाग मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। यह पहली बार नहीं है जब तिब्बत पर चीन के नियंत्रण के खिलाफ ऐसा कदम उठाया गया है। तिब्बती संगठनों के आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2009 से अब तक 150 से अधिक तिब्बती खुद को आग लगाकर जान दे चुके हैं। ये लोग चीन के दमनकारी शासन, दलाई लामा की वापसी और अपनी धार्मिक व सांस्कृतिक पहचान की सुरक्षा की मांग को लेकर अपना विरोध दर्ज कराते रहे हैं। हालाँकि, चीन इन घटनाओं के लिए निर्वासित तिब्बती नेतृत्व को जिम्मेदार ठहराता है, लेकिन निर्वासित तिब्बती प्रशासन इन आरोपों को सिरे से खारिज करता है। उनका कहना है कि चीन की दमनकारी नीतियों और लगातार बढ़ते दबाव के कारण लोग हताश होकर यह चरम कदम उठाने को मजबूर हैं।

जंग के बीच, रूस की नींद उड़ाने वाला यूक्रेन का सीक्रेट ड्रोन

कीव। रूस की सैन्य अड्डों और तेल रिफाइनरियों पर यूक्रेन द्वारा किए जा रहे लगातार और घातक हमलों ने राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को तनाव में डाल दिया है। चार साल पहले जिन्होंने सोचा था कि वे कुछ दिनों में कीव पर कब्जा कर लेंगे, आज उसी यूक्रेन की गुप्त ड्रोन इकाइयां रूस के अंदर तक हमला कर रही हैं, जिससे रूस की नींद उड़ी हुई है। बताया जा रहा है कि इन हमलों को अंजाम देने वाले सैनिक नाम, चेहरा, फोन नंबरज सब कुछ गुप्त रखते हुए लगभग अंधेरे में रहकर काम करते हैं। उनकी जिंदगी जीने का तरीका बेहद अलग है, जो सख्त गोपनीयता के नियमों से बंधा है। खबरों के अनुसार, इस इकाई के एक सदस्य डेनिस (बदला हुआ नाम) 2025 से इन हमलों में शामिल हैं, लेकिन उसके दोस्तों और माता-पिता को भी उसकी असली भूमिका की कोई जानकारी नहीं है। यूनिट के नियम बेहद सख्त हैं। इस यूनिट ने रूस पर कई बड़े हमले किए हैं, जिनमें जून में मॉस्को की एक तेल रिफाइनरी पर हमला शामिल है, जिससे राजधानी के आसमान में घना काला धुआं छा गया था। इसी तरह, सेंट पीटर्सबर्ग पर भी हमला किया गया था, जब वहां एक महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन चल रहा था। कीव इन हमलों को मॉस्को द्वारा यूक्रेनी शहरों पर किए जा रहे रात के बमबारी का उचित जवाब बताता है। यूक्रेन हर हफ्ते रूस के ईंधन डिपो और रिफाइनरियों को निशाना बनाकर मॉस्को की ऊर्जा आय को कम करने की कोशिश कर रहा है। डेनिस कहते हैं कि वे दुश्मन के लिए बेहद महत्वपूर्ण और प्राथमिकता वाले लक्ष्य हैं, इसलिए गोपनीयता परम आवश्यक है। इस यूनिट के सदस्यों के नाम, उम्र और चेहरे पूरी तरह गुप्त रखे जाते हैं। उनकी तस्वीरें या वीडियो लेना भी प्रतिबंधित है। वोरोन उपनाम वाले एक सैनिक ने बताया कि वे जानते हैं कि उनके परिवारों और खुद के लिए कितनी भारी कीमत चुकानी पड़ सकती है। इसलिए वे यथासंभव अंधेरे में रहना चुनते हैं। वोरोन पहले चित्रकार और मार्शल आर्ट प्रशिक्षक थे।

दुनियाभर में हो रही चर्चा, न नाम, न चेहरा, न फोन नंबर

'देशभक्ति की छवि सुधारें डेमोक्रेट्स'

न्यूयोर्क। अमेरिका में डेमोक्रेटिक पार्टी के सांसद टॉम सुओज़ी ने अपनी पार्टी से देशभक्ति की छवि मजबूत करने की अपील की है। उन्होंने एक लेख में कहा कि आज बड़ी संख्या में अमेरिकी नागरिक आई लव अमेरिका जैसे भाव को केवल रिपब्लिकन पार्टी से जोड़कर देखते हैं, जबकि डेमोक्रेट्स को भी खुलकर देशप्रेम का संदेश देना चाहिए। सुओज़ी ने स्वीकार किया कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कार्यकाल और देश की मौजूदा दिशा को लेकर डेमोक्रेट्स की कई चिंताएं हैं। उन्होंने आय असमानता, चुनावी प्रक्रिया पर सवाल, ऑनलाइन गलत सूचनाओं के प्रसार, राजनीतिक हिंसा और सामाजिक कट्टरता जैसे मुद्दों का उल्लेख किया। हालांकि उनका कहना है कि इन चुनौतियों के बावजूद अमेरिकियों को अपने लोकतांत्रिक तंत्र पर गर्व करना चाहिए। उन्होंने कहा कि देशभक्ति का अर्थ देश की कमियों को छिपाना नहीं है, बल्कि उन्हें स्वीकार करते हुए सुधार की दिशा में काम करना है। सुओज़ी के अनुसार, अमेरिका की सबसे बड़ी ताकत यह है कि उसका लोकतांत्रिक ढांचा समय-समय पर अपनी गलतियों को सुधारने की क्षमता रखता है। उन्होंने कहा कि डेमोक्रेट्स हमेशा मानते रहे हैं कि अमेरिका इसलिए महान नहीं है क्योंकि वह पूर्ण है, बल्कि इसलिए क्योंकि वह लगातार बेहतर बनने का प्रयास करता है। सुओज़ी ने अमेरिकी क्रांति का उल्लेख करते हुए कहा कि इसने दुनिया के कई देशों में लोकतंत्र और स्वतंत्रता के आंदोलनों को प्रेरित किया। उनके मुताबिक आज भी अमेरिका दुनिया के लिए उम्मीद और लोकतांत्रिक मूल्यों का प्रतीक बना हुआ है।

ब्रीफ न्यूज

66 अरब में चीन ने पहाड़ काट दौड़ा दी 350 किमी/घंटा की रफ्तार से बुलेट ट्रेन

बीजिंग। चीन ने अपने विशाल हाई-स्पीड रेल नेटवर्क में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए 350 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार वाली नई बुलेट ट्रेन सेवा शुरू की है। यह परियोजना देश के उत्तर-पश्चिमी और मध्य हिस्सों को जोड़ते हुए दुर्गम चिनलिंग पर्वतों से होकर गुजरती है, जिसे चीन के इंजीनियरिंग कौशल का एक और बड़ा प्रमाण माना जा रहा है। इस नई बुलेट ट्रेन सेवा की शुरुआत मंगलवार को शीआन ईस्ट रेलवे स्टेशन से बुलेट ट्रेन जी-3966 के रवाना होने के साथ हुई। यह हाई-स्पीड रेल लाइन शान्शी प्रांत की राजधानी शीआन को हुबेई प्रांत के शियान शहर से जोड़ती है। इस 257 किलोमीटर लंबी रेल लाइन के चालू होने से दोनों शहरों के बीच यात्रा का समय 6 घंटे से भी अधिक कम हो गया है, जिससे क्षेत्रीय संपर्क में क्रांतिकारी सुधार आएगा। इसके अतिरिक्त, यह नई लाइन पहले से मौजूद वुहान-शियान हाई-स्पीड रेल से भी जुड़ती है, जिससे अब शीआन से वुहान तक का सफर मात्र 2 घंटे 41 मिनट में पूरा किया जा सकेगा।

दो हंपबैक व्हेल ने 15 हजार किमी यात्रा कर बनाया रिकॉर्ड

लंदन। ताजा शोध ने समुद्री जीव विज्ञान की कई पुरानी धारणाओं को चुनौती दे दी है। दो हंपबैक व्हेल ने ऑस्ट्रेलिया और ब्राजील के बीच लगभग 15 हजार किलोमीटर लंबी समुद्री यात्रा पूरी कर एक नया विश्व रिकॉर्ड स्थापित किया है। इससे पहले किसी भी व्हेल के इतनी अधिक दूरी तय करने का प्रमाण नहीं मिला था। आमतौर पर हंपबैक व्हेल भोजन और प्रजनन के लिए मौसम के अनुसार लंबी यात्राएं करती हैं। वे गर्मियों में ठंडे समुद्री क्षेत्रों में भोजन जुटाती हैं और सर्दियों के दौरान प्रजनन के लिए गर्म समुद्री इलाकों का रुख करती हैं। हालांकि ऑस्ट्रेलिया से ब्राजील तक महासागर पार करना बेहद दुर्लभ माना जाता है। शोधकर्ताओं का कहना है कि इस रिकॉर्ड ने यह संकेत दिया है कि इन व्हेलों की आवाजाही पहले की तुलना में कहीं अधिक व्यापक हो सकती है। समुद्री जीवों की गतिविधियों पर नजर रखना आसान नहीं होता। इस अध्ययन के लिए वैज्ञानिकों ने पिछले चार दशकों में एकत्र की गई 19 हजार से अधिक हंपबैक व्हेल की तस्वीरों का विश्लेषण किया।

नए राष्ट्रपति विमान की ऐतिहासिक पहली उड़ान, ट्रंप ने की महत्वपूर्ण घोषणा

वाशिंगटन। डोनाल्ड ट्रंप ने नॉर्थ डकोटा यात्रा के दौरान महत्वपूर्ण घोषणा की। उन्होंने बताया कि उनकी यह यात्रा केवल एक ऐतिहासिक कार्यक्रम तक सीमित नहीं थी, बल्कि यह 37 साल बाद नए सिरे से तैयार किए अमेरिकी राष्ट्रपति के विमान (जिसे आधिकारिक हवाई यातायात नियंत्रण कॉल चिह्न वायु सेना एक कहा जाता है) की पहली उड़ान भी थी। ट्रंप ने विमान को शानदार और बेहतरीन बताया, जिससे उनका दौरा और भी खास बन गया। नॉर्थ डकोटा के मेडोरा में समर्थकों को संबोधित कर ट्रंप ने सबसे पहले इस नई उड़ान का जिक्र किया। उन्होंने कहा, यह 37 साल बाद इस विमान की पहली आधिकारिक उड़ान थी। यह एक बेहतरीन विमान है। उन्होंने थियोडोर रूजवेल्ट को एक बेहद खास व्यक्ति बताया, जिनकी वे लंबे समय से प्रशंसा करते रहे हैं और जिन्हें अपना आदर्श मानते हैं। ट्रंप रूजवेल्ट राष्ट्रपति पुस्तकालय के उद्घाटन समारोह में शामिल होने मेडोरा पहुंचे थे, जहाँ वह इस पुस्तकालय का उद्घाटन करने वाले पहले अमेरिकी राष्ट्रपति बने। इस भावुक क्षण में, राष्ट्रपति ट्रंप ने श्वेत भवन के रूजवेल्ट कक्ष से थियोडोर रूजवेल्ट का कांग्रेस का सम्मान पदक निकालकर पुस्तकालय को भेंट किया। कार्यक्रम की मेजबानी कर रहे डग बर्गम ने ट्रंप की उपस्थिति को ऐतिहासिक क्षण बताकर कहा कि पुस्तकालय खुलने पर आगंतुक राष्ट्रपति ट्रंप की आवाज में रूजवेल्ट के प्रसिद्ध भाषण अखाड़े में व्यक्ति का अंश सुन सकते है।

संकट

कई पूरी रात बेसमेंट, गलियारों में छिपे रहे, अब तक 27 की मौत

रुसी हमलों के बाद यूक्रेन के लोगों ने भूमिगत मेट्रो स्टेशनों में ली शरण

कीव। रूस और यूक्रेन के बीच चार साल से ज्यादा समय से जारी युद्ध एक बार फिर बेहद खतरनाक मोड़ पर पहुंच गया है। रूस ने यूक्रेन की राजधानी कीव पर अब तक का सबसे बड़ा हवाई हमला किया है, जिसमें कम से कम 27 लोगों की मौत हो गई। इस हमले में कई रिहायशी इमारतें बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं और हजारों लोगों को अपनी जान बचाने के लिए मेट्रो स्टेशनों और भूमिगत शरण स्थलों में रात बितानी पड़ी। हमले के बाद यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने प्रभावित इलाके का दौरा किया। उन्होंने कहा कि रूस ने काफी समय से इस बड़े हमले की तैयारी की थी और यूक्रेन इसका करारा जवाब देगा। उन्होंने यह भी कहा कि उनका देश अपनी सुरक्षा और नागरिकों की रक्षा के लिए हर जरूरी कदम उठाएगा।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस हमले से कुछ घंटे पहले ही जेलेंस्की ने आयरलैंड की अपनी यात्रा बीच में छोड़ दी थी। यूक्रेनी खुफिया एजेंसियों ने जेलेंस्की को चेतावनी दी थी कि रूस बड़ा हमला कर सकता है। इसी सूचना के बाद वे तुरंत यूक्रेन लौट आए। यूक्रेन की वायु सेना के मुताबिक रूस ने रातभर में 496 ड्रोन और 74 मिसाइलें दागीं। इनमें कई बैलिस्टिक मिसाइलें भी शामिल थीं, जिन्हें रोकना बेहद कठिन होता है। यूक्रेन का दावा है कि उसकी वायु रक्षा प्रणाली ने 476 ड्रोन और 48 मिसाइलों को हवा में ही नष्ट कर दिया, लेकिन इसके बावजूद कई मिसाइलें और ड्रोन अपने लक्ष्य तक पहुंच गए।

भारी हमले की वजह से कीव में बड़ी संख्या में लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाना पड़ा। शहर की मेट्रो सेवा के मुताबिक करीब 52,000 लोगों, जिनमें 4,500 बच्चे भी शामिल थे, उसने भूमिगत मेट्रो स्टेशनों में शरण ली। कई परिवार पूरी रात बेसमेंट, गलियारों और सुरक्षित कमरों में छिपे रहे। कई जगह लोग तंबू लगाकर और एयर मैट्रेस पर रात गुजारते दिखाई दिए। इस हमले के बाद यूएन महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने हमलों की निंदा करते हुए तुरंत युद्धविराम की अपील की। उन्होंने कहा कि आम लोगों और बुनियादी ढांचे पर हमला अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून का उल्लंघन है। दूसरी ओर यूरोपीय संघ की विदेश नीति प्रमुख काजा कैलास ने रूस पर नए प्रतिबंध लगाने का प्रस्ताव रखने की घोषणा की है।

वहीं जेलेंस्की ने अमेरिका से अपील की है कि यूक्रेन को पैट्रियट एयर डिफेंस मिसाइलों के उत्पादन का लाइसेंस दिया जाए, ताकि वह अपनी सुरक्षा क्षमता बढ़ा सके।

झारखंड वार्ता
रविवार, 05-07-2026
www.jharkhandvarta.com

घोटालों की उपलब्धि

लोकतंत्र की सबसे बड़ी त्रासदी तब नहीं होती जब कोई घोटाला सामने आता है; असली त्रासदी तब होती है, जब घोटाला समाज को चौंकाना बंद कर देता है। जब भ्रष्टाचार समाचार नहीं, बल्कि दिनचर्या बन जाए; जब अरबों रुपये की हेराफेरी पर बहस कुछ दिनों में ठंडी पड़ जाए और फिर उसी सहजता से अगला घोटाला सुर्खियां बटोरने लगे, तब समझ लेना चाहिए कि बीमारी व्यवस्था से निकलकर समाज की चेतना तक पहुंच चुकी है। भारतीय जनजीवन में व्यंग्य हमेशा सच बोलने का सबसे सशक्त माध्यम रहा है। यही कारण है कि जब कोई पात्र यह कहता है कि वह बड़ा घोटाला इसलिए नहीं कर पाया क्योंकि उसके विभाग का बजट ही छोटा था, तो पाठक हंसता अवश्य है, लेकिन उस हंसी के पीछे व्यवस्था की भयावह सच्चाई छिपी होती है। यह संवाद केवल एक व्यक्ति की मानसिकता का चित्रण नहीं, बल्कि उस सामाजिक विडंबना का आईना है, जहां ईमानदारी अब उपलब्धि नहीं और भ्रष्टाचार असफलता का कारण नहीं रह गया है। विडंबना देखिए कि आज घोटालों का आकार भी प्रतिष्ठा का पैमाना बनता दिखाई देता है। छोटे घोटाले करने वाला स्वयं को बड़ा खिलाड़ी नहीं मानता, जबकि बड़े आर्थिक अपराधों में नाम आने वाले लोग वर्षों तक सार्वजनिक जीवन में प्रभाव बनाए रखते हैं। कभी जांच की गति सवालों के घेरे में रहती है, कभी मुकदमे दशकों तक अदालतों में भटकते हैं और कभी राजनीतिक परिस्थितियां पूरे विमर्श की दिशा बदल देती हैं। ऐसे में आम नागरिक के मन में यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि क्या भ्रष्टाचार वास्तव में अपराध है या केवल सत्ता और अवसर का दूसरा नाम? सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि भ्रष्टाचार अब केवल आर्थिक अपराध नहीं रहा; यह नैतिक पतन का प्रतीक बन चुका है। जिस धन से विद्यालयों में बच्चों की पढ़ाई बेहतर हो सकती थी, अस्पतालों में जीवनरक्षक दवाइयां पहुंच सकती थीं, गांवों तक सड़कें और सिंचाई की सुविधाएं विकसित हो सकती थीं, वही धन यदि निजी तिजोरियों और बेनामी संपत्तियों में कैद हो जाए तो उसका नुकसान केवल सरकारी खजाने का नहीं होता। उसकी सबसे बड़ी कीमत वह नागरिक चुकाता है, जो हर बार व्यवस्था पर भरोसा करके कर चुकाता है और बदले में अधूरी सुविधाएं प्राप्त करता है।

गांव में बसती है भारत की आत्मा... क्या कागजों पर सिमट रही हैं ग्राम सभाएं?

ओ.पी. पाल
स्तंभकार

भारतीय लोकतंत्र का जमीनी आधार और भारत की आत्मा गांवों में बसती है, उन गांवों की लोकतांत्रिक आत्मा 'ग्राम सभा' में निहित है। भारतीय संविधान के 73वें संशोधन ने पंचायती राज संस्थाओं को संवैधानिक दर्जा देकर सत्ता के विकेंद्रीकरण की जो नींव रखी थी, उसकी सबसे महत्वपूर्ण और प्रत्यक्ष इकाई ग्राम सभा ही है। ग्राम सभा केवल स्थानीय शासन की एक संस्था नहीं है बल्कि यह देश के हर ग्रामीण नागरिक को सीधे नीति-निर्माण, बजट निर्धारण और विकास कार्यों की निगरानी का अधिकार देने वाला सशक्त मंच है। परंतु समय के साथ इस बुनियादी लोकतांत्रिक संस्था की कार्यप्रणाली में कई विसंगतियां और चुनौतियां सामने आई हैं। इनमें सबसे बड़ी और चिंताजनक चुनौती यही है कि आज के इस तकनीकी युग के बावजूद ग्राम सभा की बैठकों में आम नागरिकों की भागीदारी घट रही है। मसलन, केंद्र सरकार और नीति आयोग की जारी ताजा रिपोर्ट ने जमीनी लोकतंत्र की बुनियाद मजबूत करने की चुनौती खड़ी कर दी है। हालांकि यह अध्ययन भारत की ग्रामीण विकास नीतियों को 'संख्या-केंद्रित' से 'परिणाम-केंद्रित' बनाने का सटीक मार्गदर्शक दस्तावेज साबित हो सकता है।

दरअसल, देश में जमीनी लोकतंत्र की इसी गंभीर समस्या का बारीकी से अध्ययन करने और इसका समाधान खोजने के लिए केंद्रीय पंचायती राज मंत्रालय के तत्वावधान में व्यापक राष्ट्रीय अध्ययन कराया गया। राष्ट्रीय ग्रामीण विकास और पंचायती राज संस्थान, हैदराबाद द्वारा तैयार की गई यह द्वि-खंडीय रिपोर्ट देश में नागरिक-केंद्रित शासन को सुदृढ़ करने की दिशा में ऐतिहासिक और साक्ष्य आधारित दस्तावेज़ है। खास बात है कि इस अध्ययन का दायरा और सांख्यिकी के हिसाब से भारत के ग्रामीण नीति-निर्माण के इतिहास में सबसे व्यापक और विशाल क्षेत्र आधारित आकलनों में से एक है। देश की ग्राम सभाओं को लेकर यह राष्ट्रीय अध्ययन रिपोर्ट भारत के ग्रामीण स्वशासन के इतिहास में अत्यंत महत्वपूर्ण मोड़ है। जैसा कि रिपोर्ट में स्पष्ट किया गया है कि नागरिक-केंद्रित शासन देने के लिए जीवंत ग्राम सभाएँ अनिवार्य हैं। जब तक देश के गांवों का अंतिम व्यक्ति ग्राम सभा की बैठक में शामिल होकर अपने गांव के भविष्य का फैसला करने में सक्षम और उत्सुक नहीं होगा, तब तक लोकतांत्रिक विकेंद्रीकरण का सपना अधूरा रहेगा। पंचायती राज मंत्रालय और नीति आयोग का यह संयुक्त प्रयास साक्ष्य-आधारित नीतियों के माध्यम से देश की जमीनी लोकतांत्रिक संस्थाओं को एक नई ऊर्जा, समावेशन और शक्ति प्रदान करने का मार्ग प्रशस्त करता है। इस दिशा में मोदी सरकार देश के हर नागरिक को सशक्त बनाने और नीतियों के केंद्र में 'नागरिक' को रखने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने ग्राम सभा को जमीनी लोकतंत्र की सबसे सच्ची अभिव्यक्ति करार देकर ग्रामीण ढांचागत और संस्थागत व्यवस्था की नींव को मजबूती देने की पहल की है।

देश का सबसे बड़ा सर्वे: इस रिपोर्ट की विश्वसनीयता और इसकी साक्ष्य आधारित प्रकृति को समझने के लिए इसके सांख्यिकीय दायरे को समझना आवश्यक है। इस रिपोर्ट में संस्थान के सह-अध्यापक डॉ. अंजन कुमार भांजा द्वारा प्रस्तुत किए गए निष्कर्षों पर गौर किया जाए तो यह देश के सबसे बड़े क्षेत्र-आधारित अध्ययनों में से एक है। इस शोध के दायरे में देश के 26 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 213 जिलों को शामिल किया गया। टीम ने लगभग 400 ग्राम पंचायतों (जिनमें पेसा '[illegible]' क्षेत्र और महिला-हितैषी पंचायतें भी शामिल हैं) का दौरा कर 7,800 उत्तरदाताओं से सीधा संवाद किया, जिसके बाद यह साक्ष्य आधारित द्वि-खंडीय रिपोर्ट तैयार की गई। इसमें 10 राज्यों की उन 'बेस्ट प्रैक्टिसेज' (सर्वोत्तम प्रयोगों) को भी शामिल किया गया है, जिन्होंने अपने यहाँ भागीदारी बढ़ाने में सफलता पाई है। है। इस अध्ययन रिपोर्ट को 30 जून 2026 को नई दिल्ली में नीति आयोग के सदस्य डॉ. आर. बालासुब्रमण्यम और पंचायती राज मंत्रालय के सचिव विवेक भारद्वाज द्वारा जारी किया, जिसमें जमीनी लोकतंत्र की कमजोर होती नींव और उसकी चुनौतियों को लेकर चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं।

आंकड़ों की नजर में अध्ययन रिपोर्ट: अध्ययन रिपोर्ट के अनुसार भागीदारी में सबसे बड़ी बाधाएं ग्राम सभाओं में लोगों का न आना केवल उदासीनता नहीं बल्कि इसके पीछे गहरे सामाजिक-आर्थिक और व्यावहारिक कारण हैं। इसमें आजीविका और समय के संकट के कारण 55.5 प्रतिशत भागीदारी न होने का सबसे बड़ा कारण है, इसमें ग्रामीण आबादी का बड़ा हिस्सा दैनिक मजदूरी या कृषि पर निर्भर है। जबकि व्यस्त कार्य दिनचर्या (41.74 प्रतिशत) और कृषि कार्यों की व्यस्तता (30.26 प्रतिशत) के कारण लोग अपनी दिहाड़ी छोड़कर बैठकों में नहीं आ पाते।

विशेष और विषय-आधारित ग्राम सभाएं: अध्ययन में सुझाव दिए गये हैं कि महिलाओं के मुद्दों के लिए 'महिला ग्राम सभा' और बच्चों व युवाओं के लिए 'बाल सभा' जैसे मंचों का नियमित आयोजन होना चाहिए, जिनकी सिफारिशों को मुख्य ग्राम सभा के एजेंडे में अनिवार्य रूप से शामिल किया जाए। ग्राम सभा को विकास कार्यों के सोशल ऑडिट का वास्तविक अधिकार मिलना चाहिए। जब लोगों को दिखेगा कि उनके द्वारा किए गए ऑडिट से भ्रष्टाचार पर रोक लग रही है और काम की गुणवत्ता सुधर रही है तो उनकी भागीदारी स्वतः बढ़ेगी। पंचायत प्रतिनिधियों (विशेषकर महिला सरपंचों और वार्ड सदस्यों) के साथ-साथ आम नागरिकों के लिए भी क्षमता निर्माण और प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाए जाने चाहिए ताकि वे ग्राम सभा की प्रक्रियाओं को बेहतर समझ सकें।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

वर्दी को केवल सलाम नहीं, संवेदनशील व्यवस्था और मानवीय सम्मान भी मिले

डॉ. सत्यवान सौरभ
स्तंभकार

किसी भी देश की कानून-व्यवस्था का सबसे दृश्यमान चेहरा पुलिस होती है। जब कोई अपराध होता है, दुर्घटना घटती है, दंगा भड़कता है, प्राकृतिक आपदा आती है या किसी नागरिक को तत्काल सहायता की आवश्यकता होती है तो सबसे पहले पुलिस ही सामने दिखाई देती है। समाज उससे हर समय तत्पर, अनुशासित, निष्पक्ष और संवेदनशील रहने की अपेक्षा करता है। विडंबना यह है कि जो व्यवस्था पूरे समाज को सुरक्षा का भरोसा देती है, उसी व्यवस्था के भीतर काम करने वाले पुलिसकर्मियों की मानसिक सुरक्षा और भावनात्मक आवश्यकताओं पर सबसे कम ध्यान दिया जाता है। बाहर से रोबदार दिखने वाली वर्दी के भीतर भी एक संवेदनशील मन धड़कता है, जो लगातार बढ़ते तनाव, कार्यभार, पारिवारिक दूरियों और संस्थागत दबावों के बीच धीरे-धीरे टूटता चला जाता है। हाल ही में पुलिस इंस्पेक्टर श्रवण कुमार बिश्नोई की आत्महत्या की खबर ने पूरे समाज को स्तब्ध कर दिया। किसी भी आत्महत्या के पीछे के कारणों का अंतिम निर्धारण केवल आधिकारिक जांच से ही संभव है इसलिए किसी निष्कर्ष पर पहुँचना उचित नहीं होगा। फिर भी यह दुखद घटना पुलिस बल में मानसिक तनाव, कार्य संस्कृति और मनोवैज्ञानिक सहयोग की आवश्यकता पर गंभीर प्रश्न खड़े करती है। यह केवल एक व्यक्ति की त्रासदी नहीं बल्कि उस व्यवस्था का आईना भी है, जहाँ कर्तव्य निभाते-निभाते कई बार इंसान स्वयं अपने भीतर हारने लगता है।

हमारे समाज में पुलिस की छवि अक्सर अधिकार, शक्ति और कठोरता से जुड़ी रही है। आम नागरिक मान लेते हैं कि पुलिसकर्मी भावनाओं से परे होते हैं, उन्हें दर्द नहीं होता, वे कभी नहीं टूटते। यही सबसे बड़ी भूल है। पुलिसकर्मी भी उसी समाज के सदस्य हैं। वे भी किसी के बेटे-बेटी, पति-पत्नी, माता-पिता और मित्र होते हैं। उन्हें भी अपनों की चिंता होती है, आर्थिक जिम्मेदारियाँ होती हैं, स्वास्थ्य संबंधी समस्याएँ होती हैं और भावनात्मक सहारे की आवश्यकता होती है। अंतर केवल इतना है कि वे अपने दुख को अक्सर वर्दी के भीतर छिपाकर रखना सीख जाते हैं।

पुलिस सेवा का वास्तविक स्वरूप फिल्मों और धारावाहिकों से बिल्कुल अलग है। अधिकांश पुलिसकर्मियों का दिन कब शुरू होता है और कब समाप्त, इसका निश्चित समय नहीं होता। आठ घंटे की ड्यूटी का सिद्धांत व्यवहार में शायद ही कहीं पूरी तरह लागू दिखाई देता है। त्योहार हो, चुनाव हो, वीआईपी दौरे हों, धरना-प्रदर्शन हो, प्राकृतिक आपदाएँ हों या अपराध की गंभीर घटनाएँ- हर स्थिति में सबसे पहले पुलिस को तैनात किया जाता है। कई बार लगातार चौबीस-चौबीस घंटे तक ड्यूटी करनी पड़ती है। पर्याप्त नींद, नियमित भोजन और पारिवारिक समय उनके जीवन में विलासिता बन जाते हैं।

विश्व भर के मनोवैज्ञानिक शोध बताते हैं कि लगातार नींद की कमी, अत्यधिक कार्यभार और भावनात्मक तनाव किसी भी व्यक्ति के मानसिक स्वास्थ्य को गंभीर रूप से प्रभावित करते हैं। पुलिसकर्मी प्रतिदिन हत्या, आत्महत्या, सड़क दुर्घटना, घरेलू हिंसा, यौन अपराध और अन्य दर्दनाक घटनाओं का सामना करते हैं। सामान्य नागरिक जिन दृश्यों को केवल समाचारों में देखते हैं, पुलिस उन्हें प्रत्यक्ष रूप से झेलती है। ऐसे अनुभव धीरे-धीरे मन पर गहरे घाव छोड़ते हैं। यदि समय पर भावनात्मक सहयोग न मिले तो यही दबाव अवसाद, चिंता, चिड़चिड़ेपन और कई बार आत्मघाती विचारों तक पहुँच सकता है।

पुलिस व्यवस्था की आंतरिक संरचना भी कई बार तनाव को बढ़ा देती है। वरिष्ठ अधिकारियों का दबाव, समयबद्ध परिणाम देने की अपेक्षा, राजनीतिक हस्तक्षेप, संसाधनों की कमी और निरंतर जवाबदेही अधीनस्थ कर्मचारियों के मानसिक बोझ को कई गुना बढ़ा देती है। अनुशासन किसी भी सुरक्षा बल की आवश्यकता है लेकिन अनुशासन और मानवीय संवेदनशीलता का संतुलन भी उतना ही आवश्यक है। यदि अधीनस्थ कर्मचारी अपनी समस्याएँ खुलकर साझा करने से डरने लगें तो तनाव भीतर ही भीतर विस्फोटक रूप ले सकता है।

पारिवारिक जीवन भी पुलिस सेवा की सबसे बड़ी कीमत चुकाता है। पुलिसकर्मी अपने बच्चों के साथ समय नहीं बिता पाते, माता-पिता की बीमारी में उपस्थित नहीं हो पाते और कई बार पारिवारिक समारोहों तक में शामिल नहीं हो पाते। लगातार अनुपस्थिति से परिवारों में भावनात्मक दूरी बढ़ने लगती है। कई पुलिसकर्मी अपने व्यक्तिगत तनाव को परिवार से छिपाते हैं ताकि घर वाले चिंतित न हों, जबकि परिवार अपनी समस्याएँ उनसे इसलिए नहीं कह पाता कि वे पहले ही बहुत तनाव में हैं। यह मौन धीरे-धीरे मानसिक अकेलेपन में बदल जाता है।

वर्दी सम्मान का प्रतीक है लेकिन वह इंसान को मशीन नहीं बना देती। पुलिसकर्मी भी थकते हैं, निराश होते हैं, भावनात्मक सहारे की तलाश करते हैं और कभी-कभी भीतर से बिखर भी जाते हैं। इसलिए उन्हें केवल आदेश, अपेक्षाएँ और आलोचना ही नहीं बल्कि विश्वास, सम्मान, विश्राम और संवेदना भी मिलनी चाहिए।

किसी भी सभ्य समाज की असली पहचान केवल इस बात से नहीं होती कि वह अपने नागरिकों की कितनी सुरक्षा करता है बल्कि इससे भी होती है कि वह अपने रक्षकों का कितना ध्यान रखता है। यदि हम चाहते हैं कि पुलिस हर संकट में हमारे साथ मजबूती से खड़ी रहे तो हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि उसकी अपनी मानसिक दुनिया सुरक्षित, संतुलित और समर्थ बनी रहे। क्योंकि अंततः वर्दी के भीतर धड़कता हुआ दिल भी उसी इंसान का होता है, जो हमारे और हमारे समाज की सुरक्षा के लिए अपने सुख, अपने परिवार और कई बार अपना पूरा जीवन दाँव पर लगा देता है। ऐसी वर्दी को केवल सलाम नहीं बल्कि संवेदनशील व्यवस्था और मानवीय सम्मान भी मिलना चाहिए।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अलर्ट

AC से बाहर निकलते ही सांस फूलने - धड़कन बढ़ने की शिकायत को इग्नोर ना करें

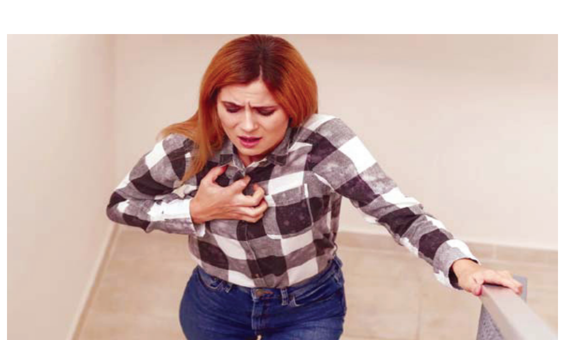

गर्मियों के मौसम में ज्यादातर लोग घरों और ऑफिस में घंटों तक एसी की ठंडी हवा में ही समय बिताना पसंद करते हैं। लेकिन कई बार कुछ जरूरी काम के चलते लोगों को दिन की तेज धूप में बाहर निकलना पड़ता है। ऐसे में अचानक तापमान में हुए बदलाव की वजह से शरीर को इंटरनल बॉडी का टम्परेचर एडजेस्ट करने में ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है। इस प्रक्रिया में लोगों की हृदय गति बढ़ सकती है, रक्त वाहिकाओं में बदलाव आ सकता है और ब्लड प्रेशर प्रभावित हो सकता है। यह समस्या ज्यादार बुजुर्गों, हाई बीपी के मरीज, हार्ट रोगियों और डायबिटीज के रोगियों में देखने को मिलती है।

इस दौरान त्वचा की रक्त वाहिकाएं फैलने लगती हैं ताकि शरीर अतिरिक्त गर्मी बाहर निकाल सके। इसके लिए हृदय को अधिक मात्रा में रक्त पंप करना पड़ता है। ऐसे में दिल की धड़कन कुछ समय के लिए तेज हो सकती है। अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन के अनुसार, गर्म मौसम में हृदय को शरीर को ठंडा रखने के लिए अधिक मेहनत करनी पड़ती है, जिससे कार्डियोवैस्कुलर सिस्टम पर अतिरिक्त दबाव पड़ सकता है।

गर्मी में शरीर पसीने के माध्यम से खुद को ठंडा रखने की कोशिश करता है। इसके लिए त्वचा तक अधिक रक्त पहुंचाया जाता है। जब त्वचा की ओर ब्लड सर्कुलेशन बढ़ता है, तो हृदय को प्रति मिनट अधिक रक्त पंप करना पड़ता है। यही कारण है कि गर्म मौसम में हार्ट रेट बढ़ सकता है। स्टडी के अनुसार अत्यधिक गर्मी में हृदय की कार्यक्षमता पर अतिरिक्त दबाव पड़ सकता है, खासकर उन लोगों में जिनकी हृदय क्षमता पहले से कमजोर हो।

एनआईएच की स्टडी के अनुसार उम्र बढ़ने के साथ शरीर की तापमान नियंत्रित करने की क्षमता कम हो जाती है। जिन लोगों को कोरोनरी आर्टरी डिजीज, हार्ट फेलियर, हार्ट अटैक या अन्य हृदय समस्याएं हैं, उनमें तापमान परिवर्तन का प्रभाव अधिक हो सकता है। विशेषज्ञ आमतौर पर्ष्ट का तापमान 24-26 डिग्री सेल्सियस के बीच रखने की सलाह देते हैं। धूप में निकलते समय टोपी, छाता और हल्के रंग के कपड़ों का उपयोग करें। यदि गर्मी में बार-बार सीने में दर्द, सांस फूलना या चक्कर आने जैसी समस्या हो, तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

निशाना

राम नाम का चंदा है..!

घनश्याम मैथिल 'अमृत '

राम नाम का चंदा है
चोखा गोरखधंधा है
नाटक है अंधेपन का
ये ना समझें अंधा है
बाहर कपड़े पहन रखे
सोच समझ में नंगा है
सत्य उजागर करते जो
उनसे इसका पंगा है
करता बात ग़रीबों की
धन बटोर खुद चंगा है
जिन पे चढ़ मंजिल पायी
वो औरों का कंधा है
सदा दान की बात करे
जो खुद ही भिखमंगा है
शांति दूत बन कर घूमें
जिनकी हसरत दंगा है
पाप धुनें पल में उनके
घर में जिनके गंगा है।

वायरल कंटेंट

1,454 फीट की ऊंचाई पर पर किया प्यार का इजहार, ख़ास रही रोमांटिक सगाई

सोशल मीडिया पर इन दिनों एक रोमांचक और अनोखा प्रपोजल लोगों का ध्यान खींच रहा है। मशहूर क्लाइंबर और कंटेंट क्रिएटर इवान वान्या बीरकुस ने अपनी साथी एंजेला निकोलाउ को न्यूयॉर्क की एम्पायर स्टेट बिल्डिंग की ऊंचाई पर प्रपोज किया है। इस खास पल की तस्वीरें और वीडियो इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह कपल नेटफ्लिक्स की डॉक्यूमेंट्री Skywalkers A Love Story में भी नजर आ चुका है। दोनों लंबे समय से दुनिया की ऊंची-ऊंची इमारतों पर चढ़ने और अपने रोमांचक कारनामों के लिए जाने जाते हैं। इस बार भी उन्होंने अपने रिश्ते के सबसे खास पल को यादगार बनाने के लिए एक अलग ही तरीका चुना।

बताया जा रहा है कि 1 जुलाई को दोनों न्यूयॉर्क स्थित एम्पायर स्टेट बिल्डिंग के ऊपरी हिस्से तक पहुंचे। करीब 1,454 फीट की ऊंचाई पर इवान ने घुटनों के बल बैठकर एंजेला को शादी के लिए प्रपोज किया। एंजेला ने भी मुस्कुराते हुए इस प्रपोजल को स्वीकार कर लिया। इस दौरान दोनों ने इमारत के ऊपरी हिस्से पर एक झंडा भी लहराया, जिस पर प्रेम और शांति का संदेश लिखा हुआ था।

इस रोमांचक घटना की तस्वीरें दोनों ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर की हैं। पोस्ट सामने आते ही लाखों लोगों ने इसे पसंद किया और कमेंट सेक्शन में दोनों को सगाई की शुभकामनाएं दीं। कई यूजर्स ने इसे दुनिया का सबसे साहसी प्रपोजल बताया, जबकि कुछ लोगों ने इतनी ऊंचाई पर किए गए इस स्टंट को बेहद जोखिम भरा भी माना है।

पुलिस ने लिया हिरासत में: रिपोर्ट्स के अनुसार, इस घटना के बाद दोनों को कुछ समय के लिए न्यूयॉर्क पुलिस की हिरासत में लिया गया। हालांकि, इस दौरान किसी के घायल होने की सूचना नहीं मिली। बाद में अधिकारियों ने बताया कि स्थिति को शांतिपूर्वक संभाल लिया गया। यह भी स्पष्ट किया गया कि यह स्टंट नेटफ्लिक्स के किसी नए प्रोजेक्ट का हिस्सा नहीं था। डॉक्यूमेंट्री में इस कपल के कई सालों के रोमांचक सफर और दुनिया की ऊंची इमारतों पर चढ़ने की कहानी दिखाई गई है। यही वजह है कि उनके फैंस इस सगाई को भी उनके साहसिक जीवन का एक यादगार अध्याय मान रहे हैं।

फिलहाल यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। जहां एक ओर लोग इस अनोखे प्रपोजल की तारीफ कर रहे हैं, वहीं कई लोग यह भी याद दिला रहे हैं कि ऐसे जोखिम भरे स्टंट की नकल करना खतरनाक हो सकता है। प्रेम का इजहार खास हो सकता है, लेकिन सुरक्षा हमेशा सबसे पहली प्राथमिकता होनी चाहिए।

यूजर्स गाइड

जरूरतमंद के लिए उपलब्ध है घर बैठे आधार बनवाने की सुविधा, फीस लगेगी ज्यादा

क्या आप जानते हैं कि आधार बनवाने या उसमें बदलाव करवाने का काम घर पर भी करवाया जा सकता है? दरअसल UIDAI इसके लिए खास सर्विस देती है, जिसके तहत नया आधार बनवाने से लेकर आधार में किसी भी तरह के बदलाव के लिए घर पर ऑपरेटर को भेजा जाता है। हालांकि, यह सर्विस सभी के लिए नहीं है और UIDAI बुजुर्ग या उन नागरिकों के लिए चलाता है, जो कहीं आ या जा नहीं सकते। इस सर्विस के लिए जाने वाला चार्ज ज्यादा है। अगर आप किसी जरूरतमंद के लिए ऑपरेटर को घर बुलाकर आधार कार्ड बनवाना चाहते हैं, तो आप 1947 पर सर्विस के लिए अनुरोध बुक कर सकते हैं।

UIDAI की होम एनरोलमेंट सर्विस जरूरतमंद लोगों के लिए शुरू की गई खास सर्विस है। इसके तहत शर्तें पूरी करने वाले नागरिक घर बैठे ही अपना आधार बनवा सकते हैं या फिर उसमें किसी भी तरह के बदलाव करवा सकते हैं। इस सर्विस में लोग चाहें तो घर बैठे ही बायोमेट्रिक डेटा भी अपडेट करवा सकते हैं। इस सर्विस को सिर्फ उन लोगों के लिए शुरू किया गया है, जो आधार केंद्र तक जाने में असमर्थ है। इस सर्विस को वही लोग एक्सेस कर सकते हैं, जो कि वरिष्ठ नागरिक हैं।? बिस्तर से उठ ना सकने वाले मरीज और बेहद कमजोर लोग, जो आधार केंद्र तक नहीं जा सकते। इसके अलावा वे दिव्यांग भी इस सर्विस का फायदा ले सकते हैं, जो आधार केंद्र नहीं जा सकते।

यह सर्विस जरूरतमंद लोगों के लिए शुरू की गई है लेकिन इसकी फीस अलग है। अगर एक पते पर एक ही निवासी के लिए सर्विस बुक की जाए, तो सर्विस चार्ज 700 रुपये निर्धारित है।अगर उस पते पर मुख्य निवासी के साथ-साथ कोई और सदस्य भी इस सर्विस का फायदा लेना चाहता है, तो हर सदस्य के लिए अलग से 350 रुपये देने होंगे। गौर करने वाली बात है कि यह चार्ज सामान्य सरकारी अपडेट फीस जो कि 50 या 100 रुपये तक होती है, के अलावा लिया जाएगा।

कैसे बुक करें सर्विस?: इस सर्विस को बुक करने के लिए आप 1947 नंबर पर कॉल कर सकते हैं या फिर आप IDAI के रीजनल ऑफिस में ईमेल के जरिए जरूरी दस्तावेजों के साथ अनुरोध भेज सकते हैं। क्षेत्रीय कार्यालय से मंजूरी मिलने के बाद संबंधित रजिस्ट्रार या आधार केंद्र को काम सौंप दिया जाता है, जो 7 से 15 दिनों में आपके घर पर ऑपरेटर भेजकर बायोमेट्रिक और अन्य प्रक्रिया पूरी करते हैं।

झारखंड वार्ता
रविवार, 05-07-2026
www.jharkhandvarta.com

ब्रीफ न्यूज

स्कोडा ऑटो इंडिया ने बिक्री का बनाया नया रिकॉर्ड, एच1 2026 में 38,894 गाड़ियां बिकीं

मुंबई। भारतीय ऑटोमोबाइल बाजार में अपनी धाक जमाते हुए स्कोडा ऑटो इंडिया ने वर्ष 2026 के पहले छह महीनों में ऐतिहासिक प्रदर्शन दर्ज किया है। कंपनी ने वर्ष 2025 में हासिल किए गए अपने अब तक के सबसे सफल अर्धवार्षिक आंकड़ों को पीछे छोड़ते हुए विकास की एक नई गाथा लिखी है। जनवरी से जून 2026 की अवधि के दौरान स्कोडा ने कुल 38,894 वाहनों की बिक्री की है, जो पिछले वर्ष की समान अवधि के मुकाबले 7.5 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि को दर्शाती है। यह सफलता न केवल ब्रांड की बढ़ती लोकप्रियता का प्रमाण है, बल्कि भारतीय बाजार में स्कोडा के प्रति ग्राहकों के अटूट भरोसे को भी उजागर करती है। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर प्रकाश डालते हुए स्कोडा ऑटो इंडिया के ब्रांड डायरेक्टर आशीष गुप्ता ने बताया कि यह रिकॉर्ड बिक्री कंपनी की उत्पाद-केंद्रित रणनीति और ग्राहकों को प्राथमिकता देने वाले दृष्टिकोण का सीधा परिणाम है।

मूसलाधार बारिश में दौड़ाएं अपनी गाड़ी, यह तरीका अपनाएं तो विजिबिलिटी हो जाएगी दोगुनी

नई दिल्ली। उत्तर भारतीय राज्यों में भी मानसून आने वाला है। इस दौरान काफी बारिश होती है, जिससे गाड़ी चलाने में परेशानी होती है। किस तरह से गाड़ी चलाते हुए अच्छी विजिबिलिटी पाई जा सकती है। हम आपको इस खबर में बता रहे हैं। मानसून के समय जब काफी तेज बारिश होती है तब गाड़ी को चलाना काफी ज्यादा मुश्किल हो जाता है। तेज बारिश के कारण सड़क पर विजिबिलिटी काफी कम हो जाती है, जिस कारण कुछ मीटर भी गाड़ी को आगे बढ़ाने में परेशानी होने लगती है। जब भी बारिश के समय कार को चलाएं तो हमेशा एसी को खास सेटिंग पर चलाने से विंडशील्ड पर जमने वाली भाप को आसानी से हटाया जा सकता है। इसके लिए एसी चलाने के बाद पैनल में हवा के फ्लो को विंडशील्ड पर सेट करना चाहिए। ऐसा करने के बाद कुछ सेकेंड में ही भाप खत्म हो जाती है और विजिबिलिटी बेहतर हो जाती है। भाप हटाने के अलावा बूंदे शीश पर रहती है, जिससे विजिबिलिटी प्रभावित हो जाती है। लेकिन अगर गाड़ी में वाइपर सही तरह से काम करें तो विंडशील्ड से पानी को हटाने में मदद मिलती है। इसके लिए जरूरी होता है कि वाइपर सही तरह से काम करें। अगर वाइपर में खराबी हो तो उसे बदल देना बेहतर रहता है, नहीं तो शीशे पर स्क्रैच आने का खतरा बढ़ जाता है, जिस कारण ड्राइविंग में परेशानी होती है।

टाटा पंच को टक्कर देने की तैयारी में मारुति सुजूकी

नई दिल्ली। टाटा पंच को टक्कर देने के लिए मारुति सुजुकी छोटी एसयूवी पर काम कर रही है। मारुति को पता है कि लोग अभी पुरानी आल्टो जैसी छोटी कारों के बजाय एसयूवी स्टाइल वाली गाड़ियों को ज्यादा पसंद कर रहे हैं। इस गाड़ी को कंपनी के एक एंट्री लेवल हीरो के रूप में पेश किए जाने की संभावना है। साथ ही, ऐसी उम्मीद लगाई जा रही है कि यह आल्टो 800 के पुराने और पारंपरिक बाजार पर कब्जा जमा लेगी। मारुति की यह नई कार देखने में बिल्कुल किसी एसयूवी की तरह दमदार और ऊंची हाइट वाली होगी। यह गाड़ी सिर्फ पेट्रोल में ही नहीं बल्कि हाइब्रिड, सीएनजी और ईवी के विकल्प में भी पेश की जाएगी। कंपनी ने कोशिश की है कि बर बजट और जरूरत के मुताबिक सीएनजी से लेकर ईवी तक ग्राहकों के लिए उनके पास एक गाड़ी मौजूद हो। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पंच ने 2021 में लॉन्च होने के बाद बाजार में अपनी पकड़ काफी मजबूत कर ली है। आज के समय में कार खरीदने वाले लोग सिर्फ सस्ती गाड़ी ही नहीं खोज रहे बल्कि अब वे थोड़ा पैसा ज्यादा खर्च करने को भी आसानी से तैयार रहते हैं। साथ ही, लोग अब एक ऐसी गाड़ी चाहते हैं जो छोटी हो और चलाने में आसान भी हो। लेकिन, साथ ही साथ उसमें प्रीमियम फीचर्स और दमदार पावरफुल इंजन के साथ सेफ्टी फीचर्स भी मौजूद हों। मारुति की सफलता इस पर भी टिकी होगी कि वह अपनी नई कार की कीमत कितनी रखती है। इस समय टाटा पंच के पेट्रोल-सीएनजी मॉडल की एक्स-शोरूम कीमत 5.65 लाख रुपए से लेकर 10.60 लाख तक है।

पंजाब की लीची पहली बार ओमान को निर्यात की गई, किसानों की आय बढ़ाने की दिशा में बड़ा कदम: पीयूष

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बताया कि पंजाब के होशियारपुर स्थित उम्मत एग्री एलाइड कोऑपरेटिव सोसायटी की ताजी लीची पहली बार ओमान को निर्यात की गई है।

केंद्रीय मंत्री गोयल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट शेयर करते हुए कहा कि भारत-ओमान व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (सीईपीए) के तहत मिले बाजार अवसरों का लाभ उठाते हुए यह निर्यात किया गया है। गोयल ने कहा कि यह पहल किसानों की आय बढ़ाने, कृषि निर्यात को गति देने और भारतीय कृषि उत्पादों की वैश्विक पहचान को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने इस उपलब्धि के लिए कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीईडीए) के प्रयासों की भी सराहना की।

पिछले महीने पीयूष गोयल ने उत्तराखंड की प्रसिद्ध देहरादून लीची के पहली बार इटली निर्यात होने का भी स्वागत किया था। उन्होंने कहा था कि इससे भारतीय कृषि उत्पादों के लिए यूरोपीय बाजारों के नए दरवाजे खुलेंगे।

उन्होंने एक्स पर लिखा था, देवभूमि की लीची अब इटली की पसंद बन गई है। एपीईडीए के सहयोग से उत्तराखंड की प्रसिद्ध देहरादून लीची का पहली बार इटली को निर्यात किया गया है। गोयल ने कहा था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय कृषि उत्पादों को वैश्विक पहचान मिल रही है और किसानों को बेहतर आय के नए अवसर प्राप्त हो रहे हैं। देहरादून की लीची अपनी प्राकृतिक मिठास, आकर्षक लाल रंग, मनमोहक खुशबू और बेहतरीन गूदे के लिए जानी जाती है। यहां रोज सेंटेड, कलकत्तिया और बेदाना जैसी प्रसिद्ध किस्मों की खेती होती है।

इससे पहले असम की प्रसिद्ध तेजपुर लीची का पहला निर्यात दुबई भेजा गया था, जिसने पूर्वोत्तर भारत के फल उत्पादकों के लिए अंतरराष्ट्रीय बाजार के नए अवसर खोले।

सोनितपुर जिले के तेजपुर क्षेत्र में उगाई जाने वाली यह लीची अपनी मिठास, सुगंध और रसीले गूदे के लिए देश भर में प्रसिद्ध है। तेजपुर लीची को वर्ष 2014 में भौगोलिक संकेतक (जीआई) टैग भी मिला था, जिसने इस क्षेत्र की विशेष जलवायु और गुणवत्ता को आधिकारिक मान्यता प्रदान की।

भारत में इलेक्ट्रिक कारों की रफ्तार तेज, वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में पैसेंजर ईवी रजिस्ट्रेशन 90 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली। भारत में इलेक्ट्रिक पैसेंजर वाहनों (ईवी) की मांग तेजी से बढ़ रही है। वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में इलेक्ट्रिक पैसेंजर वाहनों का पंजीकरण (रजिस्ट्रेशन) लगभग 90 प्रतिशत बढ़कर 82,737 यूनिट्स पर पहुंच गया। यह जानकारी वाहन पोर्टल के रजिस्ट्रेशन आंकड़ों से सामने आई है। पिछले वर्ष की इसी तिमाही में 43,710 यूनिट्स के मुकाबले पंजीकरण में बढ़ोतरी हुई है, और उद्योग के अधिकारियों का मानना है कि पश्चिम एशिया संकट के दौरान पेट्रोल और डीजल की बढ़ी कीमतों के बीच इलेक्ट्रिक वाहनों की कम परिचालन लागत (रनिंग कॉस्ट) ने उपभोक्ताओं को बैटरी चालित वाहनों की ओर आकर्षित किया। पूरी तिमाही के दौरान इलेक्ट्रिक वाहनों की मांग लगातार मजबूत रही। अप्रैल में 24,963 यूनिट, मई में 27,320 यूनिट और जून में यह बढ़कर 30,454 यूनिट तक पहुंच गई। इस दौरान टाटा मोटर्स ने 32,283 इलेक्ट्रिक पैसेंजर वाहन पंजीकृत किए, जो पिछले वर्ष की समान अवधि के 15,794 यूनिट की तुलना में 104 प्रतिशत अधिक हैं। जून में कंपनी की कुल पैसेंजर वाहन बिक्री 63,083 यूनिट रही, जो पिछले साल जून के 37,237 यूनिट के मुकाबले 69 प्रतिशत अधिक है। वहीं, वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में टाटा मोटर्स की कुल पैसेंजर वाहन बिक्री 46 प्रतिशत बढ़कर 1,82,574 यूनिट हो गई। जून में कंपनी की इलेक्ट्रिक वाहन बिक्री 14,800 यूनिट रही, जबकि पिछले साल जून में यह 5,228 यूनिट थी।

मजबूत आर्थिक संकेतकों से भारत की विकास यात्रा को मिला नया बल

वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भी अर्थव्यवस्था दिखा रही मजबूती

नई दिल्ली। केंद्र सरकार द्वारा जारी ताजा आर्थिक संकेतक बताते हैं कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूती के साथ आगे बढ़ रही है। मजबूत जीडीपी वृद्धि, विनिर्माण और सेवा क्षेत्र का विस्तार, रिकॉर्ड वाहन बिक्री, बेहतर जीएसटी संग्रह और निर्यात में स्थिरता इस बात का संकेत हैं कि देश में घरेलू मांग और निवेश का माहौल लगातार मजबूत बना हुआ है। वित्त वर्ष 2025-26 में भारत की अर्थव्यवस्था 7.7 प्रतिशत की दर से बढ़ी, जिससे भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बना रहा। अंतिम तिमाही में विकास दर और तेज हुई तथा चौथी तिमाही में रियल जीडीपी वृद्धि 7.8 प्रतिशत रही, जो पिछले वर्ष की समान तिमाही के 7 प्रतिशत से अधिक है। इस वृद्धि में विनिर्माण, सेवा क्षेत्र, उपभोग और निवेश का महत्वपूर्ण योगदान रहा। देश के विनिर्माण क्षेत्र में भी लगातार मजबूती बनी हुई है। एचएसबीसी इंडिया मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई जून 2026 में 54.2 पर रहा, जो लगातार 37वें महीने 50 अंकों के स्तर से ऊपर बना हुआ है। यह संकेत देता है कि विनिर्माण गतिविधियों में लगातार विस्तार हो रहा है। सर्वेक्षण के अनुसार उत्पादन, नए ऑर्डर, रोजगार और खरीद गतिविधियों में लगातार वृद्धि दर्ज की गई है, जो वैश्विक चुनौतियों के बावजूद घरेलू मांग और कारोबारी विश्वास के मजबूत बने रहने को दर्शाती है। सेवा क्षेत्र में भी सकारात्मक रुझान देखने को मिला। एचएसबीसी इंडिया सर्विसेज पीएमआई बिजनेस एक्टिविटी इंडेक्स अप्रैल के 58.8 से बढ़कर मई 2026 में 59.8 पर पहुंच गया, जो नवंबर 2025 के बाद सबसे तेज विस्तार को दर्शाता है। औद्योगिक उत्पादन में भी सुधार जारी है। इंडेक्स ऑफ इंडस्ट्रियल प्रोडक्शन (आईआईपी) अप्रैल के 4.9 प्रतिशत से बढ़कर मई 2026 में 5.1 प्रतिशत पर पहुंच गया, जो पिछले पांच महीनों का उच्चतम स्तर है। इस वृद्धि में विनिर्माण क्षेत्र की 5.5 प्रतिशत और बिजली एवं गैस आपूर्ति की 9.9 प्रतिशत वृद्धि का अहम योगदान रहा। वहीं, मोटर वाहन और इलेक्ट्रिकल उपकरण जैसे क्षेत्रों में दोहरे अंकों की मजबूत वृद्धि दर्ज की गई।

इसके अलावा, पूंजीगत वस्तुओं (कैपिटल गुड्स) के उत्पादन में 12.9 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जो निवेश गतिविधियों में तेजी और औद्योगिक क्षमता के विस्तार का संकेत है।

केंद्र सरकार का पूंजीगत व्यय (कैपेक्स) अभियान भी नए वित्त वर्ष में तेजी से आगे बढ़ रहा है। अप्रैल-मई 2026 के दौरान पूंजीगत व्यय 2.51 लाख करोड़ रुपए रहा, जबकि पिछले वर्ष की समान अवधि में यह 2.21 लाख करोड़ रुपए था। यानी सिर्फ दो महीनों में करीब 29,650 करोड़ रुपए की अतिरिक्त पूंजीगत निवेश किया गया।

सरकार का यह निवेश मुख्य रूप से सड़क, रेलवे, दूरसंचार, रक्षा और अन्य बुनियादी ढांचा क्षेत्रों में किया जा रहा है, जो सार्वजनिक निवेश रणनीति का प्रमुख हिस्सा बना हुआ है।

वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद कर संग्रह भी मजबूत बना हुआ है। अप्रैल-मई 2026 के दौरान सकल कर राजस्व पिछले वर्ष की तुलना में अधिक रहा, जिससे यह स्पष्ट होता है कि सरकार का राजस्व आधार स्थिर बना हुआ है।

ऑटोमोबाइल क्षेत्र में भी मांग मजबूत

ऑटोमोबाइल क्षेत्र में भी मांग मजबूत बनी हुई है। अप्रैल से जून 2026 के दौरान वाहन बिक्री में लगातार अच्छा प्रदर्शन देखने को मिला। अप्रैल में 26.11 लाख वाहनों की खुदरा बिक्री हुई, जो भारत के ऑटो रिटेल बाजार के इतिहास में किसी भी अप्रैल महीने का सबसे बड़ा आंकड़ा है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था में भी सकारात्मक रुझान बना हुआ है। मई में ग्रामीण क्षेत्रों में ऑटोमोबाइल बिक्री 7.8 प्रतिशत बढ़ी, जिससे यह संकेत मिलता है कि ऊंचे आधार के बावजूद ग्रामीण मांग लगातार मजबूत बनी हुई है। पश्चिम एशिया के हालात और वैश्विक ऊर्जा कीमतों के दबाव के बावजूद कच्चे तेल और उर्वरकों की कीमतों में नरमी ने सरकार को वित्त वर्ष 2026-27 के राजकोषीय संतुलन (फिस्कल कंसोलिडेशन) के लक्ष्य पर आगे बढ़ने में मदद की है।

बंधन बैंक ने बढ़ाई फिक्स्ड डिपॉजिट ब्याज दरें

मुंबई

निवेश की दुनिया में एक महत्वपूर्ण बदलाव के साथ, बंधन बैंक ने अपनी फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) पर मिलने वाली ब्याज दरों में उल्लेखनीय वृद्धि की घोषणा की है। बैंक ने 2 साल से 3 साल से कम की अवधि वाली एफडी पर ब्याज दरों में 20 आधार अंकों की बढ़ोतरी की है, जिसके बाद अब ग्राहकों को 7.95 प्रतिशत तक का आकर्षक रिटर्न प्राप्त होगा। इस नई दर का लाभ वरिष्ठ नागरिक ग्राहकों को मिलेगा, जबकि अन्य ग्राहक उसी अवधि की एफडी पर 7.45 प्रतिशत की दर से ब्याज अर्जित करेंगे। इसके अलावा, बैंक 3 साल से 5 साल से कम की लंबी अवधि वाली फिक्स्ड डिपॉजिट पर वरिष्ठ नागरिकों को 7.75 प्रतिशत की ब्याज दर प्रदान कर रहा है, जबकि अन्य ग्राहकों के लिए यह दर 7.25 प्रतिशत निर्धारित की गई है, जो बैंकिंग उद्योग में वर्तमान में उपलब्ध सर्वोत्तम दरों में से एक है। साथ ही, बंधन बैंक 5 लाख रुपये से अधिक और 10 लाख रुपये तक के बचत खाता शेष पर 6.5 प्रतिशत की ब्याज दर दे रहा है। विस्तृत एफडी ब्याज दरों और अवधि के अनुसार, 7 दिन से 14 दिन तक की अवधि के लिए सामान्य ग्राहकों को 2.95प्रतिशत और वरिष्ठ नागरिकों को 3.70 प्रतिशत ब्याज मिलेगा।

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल ने 10 साल का नया लाइफ कवर लॉन्च किया

मुंबई

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस ने अपने ग्राहकों के लिए एक नई और महत्वपूर्ण पेशकश की शुरुआत करते हुए 'आईसीआईसीआई प्रू आईप्रोटेक्ट स्मार्ट प्लस' के अंतर्गत 10 वर्ष के लाइफ कवर को लॉन्च किया है। यह विशेष योजना मुख्य रूप से उन ग्राहकों की जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार की गई है, जिनके ऊपर होम लोन, बिजनेस लोन या बच्चों की शिक्षा जैसे निश्चित अवधि वाले वित्तीय दायित्व हैं। यह उत्पाद ऐसे नाजुक समय में व्यापक जीवन बीमा सुरक्षा प्रदान करता है, जब किसी व्यक्ति की वित्तीय जिम्मेदारियां और उन पर निर्भरता सबसे अधिक होती है। आमतौर पर किसी बड़े वित्तीय दायित्व को लेने के बाद का पहला दशक अत्यधिक आर्थिक उत्तरदायित्वों का दौर होता है। यह नई पेशकश विशेष रूप से निश्चित अवधि वाले बिजनेस लोन लेने वाले स्व-रोजगार व्यक्तियों, होम लोन के कर्जदारों और अपने बच्चों के शैक्षणिक भविष्य को संवारने की योजना बना रहे माता-पिता के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगी। 10 वर्ष की इस पॉलिसी को इसी महत्वपूर्ण समयावधि की आवश्यकताओं को केंद्र में रखकर डिजाइन किया गया है, ताकि ग्राहकों को किफायती दर पर जीवन बीमा सुरक्षा सुलभ हो सके।

क्रूड ऑयल में गिरावट के बाद चर्चा में ईंधन के दाम, नायरा ने घटाए पेट्रोल-डीजल के रेट

मुंबई।

वैश्विक ऊर्जा बाजार में हालिया बदलावों के चलते कच्चे तेल की कीमतों में नरमी देखी जा रही है, जिससे उपभोक्ताओं में ईंधन के दामों में कटौती की उम्मीदें बढ़ गई हैं। कच्चे तेल का उत्पादन करने वाले देशों के संगठन ओपेक द्वारा उत्पादन बढ़ाने के संकेतों के बाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में क्रूड ऑयल के दामों में गिरावट दर्ज की गई है। समाचार एजेंसी रायटर की रिपोर्ट के अनुसार, ओपेक के सदस्य देश जैसे सऊदी अरब, रूस, इराक, अल्जीरिया, कजाखिस्तान और ओमान अगले महीने से दैनिक उत्पादन में 1.88 लाख बैरल की अतिरिक्त वृद्धि करने की योजना बना रहे हैं। इस घोषणा के बाद से ब्रेंट क्रूड और अमेरिकी डब्ल्यूटीआई क्रूड की कीमतों में कमी आई है। जून 2026 के दौरान ब्रेंट क्रूड में लगभग 21 प्रतिशत की गिरावट देखी गई है, जो वैश्विक स्तर पर तेल बाजार में स्थिरता के संकेत हैं।

हालांकि, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल के सस्ते होने के बावजूद, भारत की सरकारी तेल कंपनियों (आईओसी, एचपीसीएल और बीपीसीएल) ने पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया है। देश में ईंधन के दाम 25 मई 2026 के बाद से यथावत बने हुए हैं। मई 2026 में देश के पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव संपन्न होने के बाद, इन कंपनियों ने 11 दिनों के भीतर चार बार मूल्य वृद्धि की थी, जिसके बाद से कीमतें स्थिर हैं। दिल्ली में वर्तमान में पेट्रोल की कीमत 102.12 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 95.20 रुपये प्रति लीटर है। इसी प्रकार, अन्य महानगरों में भी कीमतें स्थिर हैं, जहाँ कोलकाता में पेट्रोल 113.51 रुपये, मुंबई में 111.21 रुपये और चेन्नई में 107.77 रुपये प्रति लीटर की दर से बिक रहा है। इस स्थिर स्थिति के बीच, निजी क्षेत्र की ईंधन रिटेलर कंपनी नायरा एनर्जी ने एक जुलाई 2026 से पेट्रोल की कीमतों में 5 रुपये और डीजल की कीमतों में 3 रुपये प्रति लीटर की कटौती की है। निजी क्षेत्र द्वारा की गई इस कटौती ने बाजार में चर्चा तेज कर दी है। सरकारी तेल कंपनियों के रुख पर स्पष्टीकरण देते हुए केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा है कि ईंधन की कीमतें अंतरराष्ट्रीय आपूर्ति और क्रूड की कीमतों में स्थिरता पर आधारित होती हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि कच्चे तेल की वर्तमान कीमतें स्थिर बनी रहती हैं, तो सरकार और कंपनियां स्थिति की समीक्षा करेंगी और उपभोक्ताओं को राहत देने पर विचार किया जाएगा।

मनमर्जी — कीटनाशक की मात्रा अधिक, बांग्लादेश खरीदेगा 50 हजार टन

पाकिस्तान ने ईयू को जो चावल भेजा वो हुआ रिजेक्ट

नई दिल्ली। पाकिस्तान के चावल को ईयू ने लौटा दिया है। तय मानकों के उल्लंघन का आरोप है। अब बांग्लादेश सरकार सार्वजनिक खाद्यान्न भंडार बढ़ाने और घरेलू बाजार में चावल की कीमतों को स्थिर रखने के उद्देश्य से पाकिस्तान से 50,000 मीट्रिक टन चावल आयात करने की तैयारी कर रही है। दोनों देशों के बीच यह खरीद सरकारी स्तर (जी2जी) के समझौते के तहत होगी और इस पर जुलाई के पहले सप्ताह में हस्ताक्षर होने की संभावना है। हालांकि, इस प्रस्तावित आयात को लेकर खाद्य सुरक्षा संबंधी चिंताएं भी सामने आई हैं। लिस्बन पोस्ट की एक रिपोर्ट के अनुसार, यूरोपीय संघ (ईयू) पहले भी खाद्य सुरक्षा मानकों का उल्लंघन होने के कारण पाकिस्तान से भेजी गई चावल की कई खेपों को अस्वीकार कर चुका है। रिपोर्ट के मुताबिक, अधिकांश मामलों में चावल में कीटनाशकों के अवशेष यूरोपीय संघ द्वारा निर्धारित अधिकतम स्वीकार्य सीमा (मैक्सिमम रेजिड्यू लिमिट्स-एमआरएल) से अधिक पाए गए थे। उपभोक्ताओं को कृषि रसायनों के दीर्घकालिक प्रभाव से बचाने के लिए यूरोपीय संघ दुनिया के

सबसे सख्त खाद्य सुरक्षा नियमों का पालन करता है। रिपोर्ट में कहा गया कि यूरोपीय संघ में आयात किए जाने वाले प्रत्येक खाद्य उत्पाद की प्रयोगशाला में जांच की जाती है। यदि किसी खेप में कीटनाशक अवशेष निर्धारित सीमा से अधिक पाए जाते हैं तो उसे प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाती। ऐसी खेपों को वापस निर्यातक देश भेज दिया जाता है या नष्ट कर दिया जाता है। चावल की खेप में विषैले या हानिकारक कणों की मौजूदगी का भी जिक्र है। रिपोर्ट के मुताबिक, कुछ पाकिस्तानी चावल की खेपों में अफ्लाटॉक्सिन संदूषण भी पाया गया। अफ्लाटॉक्सिन एक विषैला तत्व है, जो खराब भंडारण, परिवहन या प्रसंस्करण के दौरान फफूंद के कारण अनाज में विकसित हो सकता है। वैज्ञानिक अध्ययनों के अनुसार, लंबे समय तक इसके संपर्क में रहने से लीवर को नुकसान पहुंच सकता है और लीवर कैंसर का खतरा बढ़ सकता है। इसी वजह से यूरोपीय संघ आयातित खाद्य पदार्थों में अफ्लाटॉक्सिन की मात्रा पर कड़ी निगरानी रखता है।

खबर प्रकाशित होते ही हरकत में आया स्वास्थ्य विभाग, सीएमएचओ डॉ. अविनाश खरे की संवेदनशील पहल

दूरस्थ गांव में पहुंची हेल्थ टीम, बीमार बुजुर्ग दंपत्ति का घर पर हुआ उपचार, निशुल्क दवाइयां उपलब्ध कराई

बिलासपुर। सोशल मीडिया और समाचार पत्रों में प्रकाशित खबर पर त्वरित संज्ञान लेते हुए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अविनाश खरे ने संवेदनशीलता और तत्परता का परिचय दिया। विकासखंड भरतपुर के दूरस्थ ग्राम पंचायत धोवाताल के आश्रित ग्राम मनटोलिया (बरेल) में रहने वाले बुजुर्ग दंपत्ति समयलाल पंडो एवं उनकी पत्नी श्रीमती रूक्मन पंडो के गंभीर स्वास्थ्य संबंधी मामले की जानकारी मिलते ही उन्होंने तत्काल विशेष स्वास्थ्य टीम को उनके घर भेजने के निर्देश दिए।

घर पहुंची स्वास्थ्य टीम, मौके पर ही शुरू किया उपचार

सीएमएचओ के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग की टीम तत्काल बुजुर्ग दंपत्ति के निवास पहुंची, जहां दोनों का विस्तृत स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। चिकित्सकीय जांच के बाद उनकी वर्तमान स्वास्थ्य स्थिति के अनुरूप आवश्यक उपचार शुरू किया गया तथा मौके पर ही निशुल्क दवाइयां उपलब्ध कराई गईं। टीम ने परिजनों को दवाओं के नियमित सेवन और स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक सावधानियों की भी जानकारी दी।

उच्च रक्तचाप से पीड़ित हैं समयलाल पंडो

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अविनाश खरे ने बताया कि समयलाल पंडो उच्च रक्तचाप (हाई ब्लड प्रेशर) से पीड़ित हैं। स्वास्थ्य टीम द्वारा उनका रक्तचाप परीक्षण किया गया तथा आवश्यक दवाइयां उपलब्ध कराई गई। उन्होंने बताया कि सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा पूर्व से ही उनकी नियमित स्वास्थ्य जांच की जाती रही है और आगे भी यह व्यवस्था जारी रहेगी।

डॉ. खरे ने बताया कि श्रीमती रूक्मन पंडो पूर्व में कुष्ठ रोग से ग्रसित थीं, लेकिन स्वास्थ्य विभाग के सतत प्रयासों से उनका उपचार सफलतापूर्वक पूरा हो चुका है। वर्तमान में उन्हें उम्र जनित स्वास्थ्य समस्याओं के लिए चिकित्सकीय परामर्श एवं आवश्यक दवाइयां उपलब्ध कराई गई हैं।

नियमित निगरानी के सख्त निर्देश

बुजुर्ग दंपत्ति को भविष्य में किसी भी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए सीएमएचओ ने संबंधित चिकित्सा अधिकारी, सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी, स्थानीय स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं एवं मितानिनों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि वे नियमित रूप से उनके घर का भ्रमण करें। साथ ही दोनों की स्वास्थ्य स्थिति पर सतत निगरानी रखने और समय पर दवाइयों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए हैं, ताकि उन्हें उपचार के लिए किसी प्रकार की कठिनाई का सामना न करना पड़े। स्वास्थ्य विभाग की इस त्वरित, मानवीय और संवेदनशील पहल की क्षेत्र के ग्रामीणों ने सराहना करते हुए इसे जरूरतमंदों के प्रति प्रशासन की जिम्मेदारी और संवेदनशीलता का उत्कृष्ट उदाहरण बताया।

एमसीबी पुलिस का बड़ा एक्शनः 150 जवानों ने तीन सब डिवीजनों में एक साथ की सरप्राइज चेकिंग, अपराधियों में हड़कंप

बिलासपुर।

चिरमिरी-भरतपुर एमसीबी)। जिले में कानून-व्यवस्था को मजबूत करने और आपराधिक तत्वों पर नकेल कसने के लिए एमसीबी पुलिस ने एक बड़ा और विशेष कांबिंग गश्त एवं सघन चेकिंग अभियान चलाया। पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) सरगुजा रेंज दीपक झा (IPS) के निर्देशन तथा पुलिस अधीक्षक (एसपी) एमसीबी श्रीमती रत्ना सिंह (IPS) के मार्गदर्शन में हुई इस औचक कार्रवाई से असामाजिक तत्वों और आदतन अपराधियों में हड़कंप मच गया।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पुष्पेंद्र नायक के संपूर्ण नेतृत्व में जिले के तीनों पुलिस सब डिवीजनों मनेंद्रगढ़, चिरमिरी और जनकपुर में सुबह 6ः00 बजे से एक साथ इस व्यापक अभियान की शुरुआत की गई।

150 का बल और त्रिकोणीय रणनीति

इस विशेष अभियान को सफल बनाने के लिए करीब 150 पुलिस अधिकारियों और जवानों की टीम मैदान में उतरी। कार्रवाई को सुचारू रूप से चलाने के लिए कमान सी एस पी चिरमिरी श्रीमती दीपिका मिंज और पुलिस अनुविभागीय अधिकारी (एसडीओपी) जनकपुर अलेक्सयुस टोप्पो ने संभाली।

सब डिवीजनशामिल पुलिस बल/थानेचिन्हित सर्चिंग एरिया

मनेंद्रगढ़ थाना झगराखाण्ड, पुलिस लाइन व एसपी ऑफिस स्टाफ मौहरपारा मोहल्ला चिरमिरी थाना खड़गवां, चौकी पौड़ी, नागपुर व कोरिया बल हल्दीबाड़ी और बड़ी बाजार जनकपुर थाना एवं थाना कोटाडोल का संयुक्त पुलिस बल आवास पारा और खालहे पारा

विदेशी प्रवासियों की जांच और बदमाशों का सत्यापन

अभियान के दौरान पुलिस टीमों ने चिन्हित मोहल्लों में पहुंचकर विदेशी प्रवासी नागरिकों के दस्तावेजों का सघन सत्यापन किया। इसके साथ ही, थानों में दर्ज सूची के आधार पर आदतन बदमाशों और असामाजिक तत्वों के ठिकानों पर दबिश देकर उनकी वर्तमान गतिविधियों की जांच की गई। पुलिस ने क्षेत्र में शराब, गांजा, नशीले इंजेक्शन की अवैध बिक्री करने वालों और मारपीट जैसी आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त संदिग्धों की भी बारीकी से तलाशी ली।

समाधान ऐप से कसी जाएगी किरायेदारों पर नकेल

बाहरी और अवांछित तत्वों की पहचान सुनिश्चित करने के लिए पुलिस ने एक अनोखी पहल की। चेकिंग के दौरान लगभग 90 मकान मालिकों को मौके पर ही ÷समाधान÷ ऐप डाउनलोड कराया गया। इस ऐप के माध्यम से मकान मालिक अपने किरायेदारों की जानकारी और सत्यापन आसानी से दर्ज करा सकेंगे, जिससे किसी भी संदिग्ध व्यक्ति को छिपने का मौका नहीं मिलेगा।

जनता ने की सराहना, आगे भी जारी रहेगा अभियान

सुबह-सुबह पुलिस के इस कड़े रुख और मुस्तैदी को देखकर स्थानीय आम जनता ने राहत की सांस ली और जिला पुलिस की इस कार्रवाई की जमकर सराहना की।

जिले में अमन-चैन और कानून-व्यवस्था बनाए रखना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। असामाजिक व आपराधिक तत्वों पर प्रभावी नियंत्रण और आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए इस तरह के विशेष कांबिंग गश्त और सरप्राइज चेकिंग अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेंगे।÷

— एमसीबी पुलिस प्रशासन

इस पूरी कार्रवाई में कोतवाली मनेंद्रगढ़, झगराखांड, जनकपुर, चिरमिरी, पोड़ी, खड़गवां, कोटाडोल के थाना प्रभारियों सहित सभी चौकी प्रभारियों और उनके अधीनस्थ स्टाफ की सराहनीय भूमिका रही।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना बनी किसानों के लिए संबल

3वीं किस्त से उत्साहित हुए किसान रामनाथ कश्यप

जांजगीर-चांपा। किसानों के हित एवं जनकल्याण के उद्देश्य से संचालित प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना किसानों को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराकर उनकी जीवन को नई मजबूती व संबल प्रदान कर रही है। योजना की 23वीं किस्त का लाभ मिलने से विकासखंड बलौदा के ग्राम नवापारा निवासी किसान श्री रामनाथ कश्यप पूरे उत्साह के साथ खरीफ सीजन की तैयारियों में जुट गए हैं।

श्री रामनाथ कश्यप ने बताया कि वे 7 एकड़ कृषि भूमि में खेती करते हैं। उनका कहना है कि प्रत्येक फसल सीजन की शुरुआत में बीज, उर्वरक, दवाइयों और अन्य कृषि आदानों की व्यवस्था के लिए धन की आवश्यकता होती है। ऐसे समय में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना से मिलने वाली आर्थिक सहायता खेती की तैयारियों को आसान बनाती है और आर्थिक दबाव भी कम करती है। उन्होंने बताया कि 23वीं किस्त से प्राप्त राशि का उपयोग वे बीज, उर्वरक एवं अन्य कृषि कार्यों में करेंगे, जिससे समय पर बुवाई और बेहतर उत्पादन की उम्मीद है।

श्री रामनाथ कश्यप ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना किसानों के लिए अत्यंत लाभकारी साबित हो रही है। इससे न केवल खेती के लिए समय पर आर्थिक सहयोग मिलता है, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिल रही है और किसानों का जीवन अधिक समृद्ध बन रहा है।

डोंगाकोहरौद आंदोलन के दौरान अस्वस्थ हुए दो स्थानीय ग्रामीणों से कलेक्टर-पुलिस अधीक्षक ने की मुलाकात

बिलासपुर।

जांजगीर-चांपा, । डोंगाकोहरौद क्षेत्र में सड़क निर्माण की मांग को लेकर आंदोलन के दौरान अस्वस्थ हुए दो स्थानीय ग्रामीणों को उपचार के लिए जिला अस्पताल लाया गया। कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे तथा पुलिस अधीक्षक श्री विजय कुमार पांडेय जिला अस्पताल पहुंचे और दोनों स्थानीय ग्रामीणों से मुलाकात कर उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली। कलेक्टर-एसपी ने चिकित्सकों को दोनों का बेहतर उपचार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। चिकित्सकों के अनुसार दोनों की स्वास्थ्य स्थिति सामान्य एवं स्थिर है तथा आवश्यक चिकित्सकीय देखरेख में उनका उपचार किया जा रहा है। कलेक्टर श्री महोबे ने कहा कि डोंगाकोहरौद मार्ग की मरम्मत का कार्य वर्तमान में कराया जा रहा है ताकि आवागमन सुचारु बना रहे। उन्होंने कहा कि सड़क के स्थायी निर्माण के लिए शासन स्तर पर स्वीकृति की प्रक्रिया जारी है। स्वीकृति प्राप्त होते ही टेंडर प्रक्रिया कर सड़क निर्माण कार्य शीघ्र प्रारंभ कराया जाएगा। प्रशासन ने आश्वस्त किया है कि जनहित से जुड़े सभी विषयों पर संवेदनशीलता के साथ आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

बेहतर उपचार के दिए निर्देश, दोनों की स्थिति सामान्य

सहकारी सप्ताह में जिलेभर में विविध कार्यक्रमों का आयोजन

किसानों को मिल रही तकनीक, वित्त और स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ

बिलासपुर। सहकारिता विभाग, भारत सरकार के पांच वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर सहकारिता मंत्रालय एवं छत्तीसगढ़ शासन के निर्देशानुसार जिले में 29 जून से सहकारी सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। सप्ताहभर आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से सहकारिता आंदोलन को सशक्त बनाने, सहकारी समितियों की गतिविधियों का विस्तार करने तथा आमजन एवं कृषकों को विभागीय योजनाओं से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है।

सहकारी सप्ताह के प्रथम दिवस जिले की सभी सेवा सहकारी समितियों के मुख्यालयों में समिति के प्राधिकृत अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में सहकारिता ध्वज का ध्वजारोहण किया गया तथा समिति के बायलॉज का वाचन किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में समिति सदस्य उपस्थित रहे। द्वितीय दिवस जिला कार्यालय के मंथन सभाकक्ष में जिला सहकारी विकास समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में संचालित सहकारी गतिविधियों की समीक्षा की गई तथा किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) के विस्तार पर विस्तृत चर्चा हुई। प्रत्येक विकासखंड में एफपीओ कार्यक्रम संचालित करने पर सहमति व्यक्त की गई। तृतीय दिवस तखतपुर विकासखंड के सेवा सहकारी समिति मर्यादित पोड़ी में इफको द्वारा ड्रोन के माध्यम से तरल उर्वरक छिड़काव का प्रदर्शन किया गया। विशेषज्ञों ने किसानों को ड्रोन तकनीक एवं तरल उर्वरकों के उपयोग से होने वाले लाभों की जानकारी दी। इसी दिन जिले की विभिन्न पैक्स समितियों में कृषक संगोष्ठियों का आयोजन कर आधुनिक कृषि तकनीकों एवं सहकारी योजनाओं की जानकारी किसानों को दी गई। चतुर्थ दिवस जिले की मॉडल पैक्स समितियों का भ्रमण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें कृषक सदस्यों ने समितियों की कार्यप्रणाली एवं उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) एवं रुपे केसीसी कार्ड वितरित किए गए तथा पैक्स समितियों में संचालित माइक्रो एटीएम सेवाओं की जानकारी भी दी गई। सहकारी सप्ताह के अंतर्गत जिले की सभी सेवा सहकारी समितियों में स्वच्छता अभियान चलाया गया तथा समिति परिसरों में वृक्षारोपण किया गया। कार्यक्रमों में समिति के प्राधिकृत अधिकारी, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में सदस्य शामिल हुए। 4 जुलाई को सेवा सहकारी समिति मर्यादित बेलपान, बेलगहना एवं सल्का में संचालित जन औषधि केंद्रों पर स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जाएंगे। इन शिविरों में ग्रामीणों का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया जाएगा तथा चिकित्सकों द्वारा मौसमी बीमारियों से बचाव एवं स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक परामर्श भी प्रदान किए जाएंगे।

राज्य मानसिक अस्पताल के जीवनदीप समिति की बैठक में लिये गये कई निर्णय

बिलासपुर। संभागायुक्त श्री सुनील जैन की अध्यक्षता में राज्य मानसिक चिकित्सालय सेन्दरी में जीवनदीप समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में मानसिक मरीजों की सुविधा के लिए कई निर्णय लिए गये। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल, सीईओ जिला पंचायत श्री संदीप अग्रवाल सहित जीवनदीप समिति के सदस्य जिला अधिकारी बैठक में उपस्थित थे। बैठक में संभागायुक्त श्री जैन ने मानसिक रोग के लिए जन जागरूकता लाने के लिए वृहद स्तर पर प्रचार प्रसार करने के निर्देश दिए। अस्पताल अधीक्षक डॉ. जेपी आर्या ने बताया कि मानसिक रोग के प्रति जन जागरूकता लाने के लिए राज्य शासन द्वारा प्रत्येक जिले एवं राज्य मानसिक चिकित्सालय सेंदरी में मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम, स्पर्श क्लिनिक यूनिट का संचालन किया जा रहा है। जिनके द्वारा वृहद स्तर पर मानसिक रोग के संबंध में प्रचार प्रसार एवं संगोष्ठी का आयोजन समय-समय पर किया जा रहा है। बैठक में निर्णय लिया गया कि कोनी सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल में जांच हेतु रिफर किये गये बीपीएल एवं घुमन्तू मरीजों के सीटी स्कैन, एमआरआई, अल्ट्रा साउण्ड, पैथालॉजी जैसे जांच का भुगतान जीवनदीप समिति द्वारा किया जाएगा। इस अस्पताल में प्रतिदिन औसतन 118 मरीज इलाज कराने पहुंचते है। इस साल जनवरी माह से जून माह तक 21 हजार 47 लोगों ने मानसिक रोगों का उपचार करवाया है। इसी प्रकार इस अवधि में 637 मरीजों को भर्ती कराकर उनका इलाज किया गया। संभागायुक्त ने सर्वसुविधायुक्त परिजन हॉल बनाने के निर्देश दिए। आय-व्यय की जानकारी में बताया गया कि अप्रैल 2026 से 30 जून 2026 तक अस्पताल को लगभग 1 करोड़ रूपए की राशि की आवक हुई है। इसमें से 9 लाख 73 हजार रूपये अस्पताल के कार्यों में खर्च हुए एवं लगभग 90 लाख रूपए की रकम शेष है। इस राशि को ज्यादा ब्याज देने वाले बैंकों में जमा करने का निर्णय लिया गया। अस्पताल प्रबंधन द्वारा अनुमोदन की प्रत्याशा में किये गये मजदूरी भुगतान सहित अन्य जरूरी खर्चे हेतु लगभग 5 लाख 39 हजार रूपए की कार्योत्तर स्वीकृति भी प्रदान की गई। बैठक में एजेण्डा के अनुरूप मनोरोग डॉक्टरों के लिए बैठक कक्ष, परिजन कक्ष, मरीजों के घूमने फिरने हेतु निर्मित कोर्ट यार्ड में पेवर ब्लॉक, जनरेटर, शेड आदि की व्यवस्था बाबत् विस्तृत चर्चा कर निर्णय लिया गया। अस्पताल अधीक्षक डॉ. जेपी आर्या ने पिछली बैठक में लिये गये निर्णय का पालन प्रतिवेदन पड़कर सुनाया।

बड़ी राहत : आवाजाही के लिए खुला तान नदी ब्रिज

रिकॉर्ड समय में पूरा किया गया मरम्मत कार्य

बिलासपुर। कटघोरा से अंबिकापुर के बीच यात्रा करने वाले लोगों के लिए राहत की खबर है। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने राष्ट्रीय राजमार्ग-130 के कटघोरा-शिवनगर खंड पर गुरसियाँ स्थित तान नदी ब्रिज को मरम्मत कार्य पूरा होने के बाद आम यातायात के लिए पुनः खोल दिया है। परियोजना कार्यान्वयन इकाई, बिलासपुर के परियोजना निदेशक श्री मुकेश कुमार ने बताया कि आगामी मानसून को ध्यान में रखते हुए ब्रिज की आवश्यक संरचनात्मक मरम्मत रिकॉर्ड समय में पूरी कर ली गई है। इसके साथ ही इस मार्ग पर यातायात पुनः पूर्ण क्षमता के साथ सुरक्षित एवं सुचारु रूप से संचालित किया जा रहा है। पुल की रेलिंग के बचे कार्य को कुछ दिनों में पूरा कर लिया जाएगा। उन्होंने बताया कि मुख्य मरम्मत कार्य पूरा होने से कटघोरा-अंबिकापुर मार्ग पर आवागमन सामान्य हो गया है, जिससे स्थानीय नागरिकों, व्यापारियों तथा भारी वाहन चालकों को बड़ी राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि एनएचएआई सुरक्षित, निर्बाध और उच्च गुणवत्ता वाली सड़क अवसंरचना उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है।

शिक्षक सिर्फ शिक्षा देने का कार्य नहीं करते, बल्कि समाज में संस्कार गढ़ते हैं : कलेक्टर श्री संजय ग्रवाल

कलेक्टर ने शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक लेकर दिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षण के निर्देश

बिलासपुर

जिले के शासकीय हाई एवं हायर सेकेंडरी विद्यालयों के प्राचार्यों, विकासखंड शिक्षा अधिकारियों, विकासखंड स्रोत समन्वयकों एवं संकुल शैक्षिक समन्वयकों की संयुक्त समीक्षा बैठक में कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने कहा कि शिक्षक सिर्फ शिक्षा देने का कार्य नहीं करते, बल्कि समाज में संस्कार गढ़ते हैं। उन्होंने शिक्षकों से सेवाभाव के साथ कार्य करते हुए विद्यार्थियों में सकारात्मक सोच, सामाजिकता एवं नैतिक मूल्यों का विकास करने का आह्वान किया। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री संदीप अग्रवाल, जिला शिक्षा अधिकारी श्री रामेश्वर जायसवाल, जिला मिशन समन्वयक श्री ओम पाण्डेय सहित शिक्षा विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर श्री अग्रवाल ने बुक स्कैनिंग, विद्या समीक्षा केंद्र (वीएसके) ऐप के माध्यम से शिक्षकों की उपस्थिति तथा यू-डाइस प्लस पोर्टल में विद्यार्थी प्रोग्रेशन की समीक्षा की। लक्ष्य से पीछे रहने वाले संकुल प्राचार्यों एवं समन्वयकों पर नाराजगी जताते हुए दो दिनों के भीतर लक्ष्य पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने विषयगत अवधारणाओं को प्रभावी ढंग से पढ़ाने, गुणवत्तापूर्ण शिक्षण के माध्यम से विद्यार्थियों की शैक्षणिक उपलब्धि बढ़ाने तथा 10वीं एवं 12वीं बोर्ड परीक्षाओं में शत-प्रतिशत परिणाम सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया। प्रत्येक शनिवार को पर्यावरण, स्वच्छता, सड़क सुरक्षा एवं नैतिक शिक्षा से संबंधित गतिविधियां आयोजित करने, अधिकाधिक वृक्षारोपण एवं उसके संरक्षण तथा जर्जर विद्यालय भवनों में कक्षाएं संचालित नहीं करने के निर्देश भी दिए।

जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री संदीप अग्रवाल ने कहा कि शासन द्वारा उपलब्ध कराई गई सभी शैक्षणिक सुविधाओं का लाभ विद्यार्थियों तक प्रभावी ढंग से पहुंचना चाहिए। उन्होंने बताया कि जिले के विद्यालयों के लिए शीघ्र ही 300 कन्या शौचालय स्वीकृत किए जा रहे हैं तथा शिक्षकों से अपनी योग्यता और कौशल का सर्वोत्तम उपयोग करने का आग्रह किया।

जिला मिशन समन्वयक श्री ओम पाण्डेय ने जिले में बुक स्कैनिंग की प्रगति की जानकारी देते हुए लंबित कार्य शीघ्र पूर्ण करने का आह्वान किया। जिला शिक्षा अधिकारी श्री रामेश्वर जायसवाल ने राज्य शासन के निर्देशों के अनुरूप वीएसके ऐप के माध्यम से शिक्षकों की उपस्थिति एवं वेतन आहरण, विद्यालयों की स्वच्छता, मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता, गणवेश वितरण, यू-डाइस अपडेट, अपार आईडी निर्माण तथा शैक्षिक कैलेंडर के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण शिक्षण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. अखिलेश तिवारी ने किया। बैठक में सहायक संचालक श्रीमती वर्षा शर्मा, श्री बसंत प्रताप सिंह, एपीसी समग्र शिक्षा श्री रोहित भांगे, श्रीमती आरती रॉय, श्री अयाज अहमद जूंजानी, प्रोग्रामर श्री स्वप्निल कुमार दुबे एवं श्री तरुण सिंह ठाकुर तथा लेखापाल श्री सुमंत यादव सहित शिक्षा विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

झारखंड वार्ता
रविवार, 05-07-2026
www.jharkhandvarta.com

हंसगुल्ले

एक बार एक इंजीनियरिंग कॉलेज के सभी शिक्षकों को एक हवाई जहाज़ में बैठाया गया, जब सभी शिक्षक बैठ गए तो पायलट ने बड़ी ही खुशी से घोषणा की;

पायलट: आप सभी गणमान्य शिक्षकों को यह जानकर खुशी होगी कि जिस प्लेन में आप बैठे हैं उसे आप ही के कॉलेज के विद्यार्थियों ने बनाया है!

बस फिर क्या था इतना सुनने की देर थी कि सभी शिक्षक इस डर से की कहीं उड़ान भरते ही विमान दुर्घटनाग्रस्त ना हो जाए तुरंत नीचे उतर गए, परन्तु प्रिंसिपल साहब बैठे रहे, यह देख पायलट उनके पास गया और उनसे पूछा;

पायलट: सर, आप क्यों नहीं उतरे ?

प्रिंसिपल: मुझे अपने कालेज के शिक्षकों के निकम्मेपन और उससे भी ज्यादा अपने विद्यार्थियों की नालायकी पर भरोसा है, देख लेना यह प्लेन स्टार्ट ही नहीं होगा!

••••

पिता: आज तक तूने ऐसा कोई काम नही किया जिससे मेरा सिर ऊंचा हुआ हो।

बेटा: मैंने एक बार आपके सिर के नीचे 2 तकिये लगाये तो थे।

••••

एक महिला और उसका बेटा बस स्टॉप पर खड़े बस का इंतज़ार कर रहे थे। माँ अपने बेटे से कहती है अगर बस में कंडक्टर तुम्हारी उम्र पूछे तो कहना कि तुम पांच साल के हो! इससे तुम्हारा किराया माफ़ हो जाएगा और तुम बस में निशुल्क सफ़र कर सकोगे! जैसे ही वह बस में चढ़ते हैं, कंडक्टर बच्चे से उसकी उम्र पूछता है!! यह सुन बच्चा जवाब देता है, मैं 5 साल का हूँ। क्योंकि कंडक्टर का भी उतनी ही उम्र का एक बेटा होता है इसीलिए वह मुस्कुरा कर बच्चे से पूछता है, और आप 6 साल के कब हो जाओगे? बच्चा बड़ी मासूमियत से जवाब देता है, जैसे ही मैं इस बस से उतरूंगा!

••••

शिक्षक : वाट इज युअर फादर नेम ?

राजेश : गर्मी में आईसीएस और सर्दियों में पीसीएस।

शिक्षक : क्या मतलब ?

राजेश : आइसक्रीम सेलर इन समर और पकौड़ा-चाट सेलर इन विंटर।

••••

कमलेश : मैं उल्लू खरीदने गया, लेकिन नहीं खरीद सका।

अजय : क्यों? कीमत ज्यादा थी या उल्लू पसंद नहीं आया ?

कमलेश : उल्लू ने मेरे साथ जाने से मना कर दिया।

••••

पहेलियाँ

सब्जी में भी भाजी में भी
छोला चाट, दवाई में
मैं चिरपिरा मगर गुणकारी
मगर न मिलूं मिठाई में
मेरे हैं कई सारे काम
बतलाओ तुम मेरा नाम

••••

गोरा नारा सबका प्यार
सबके घर में होता हूं
पानी में मिलकर गुन धुनकर
काले पलंग पे सोता हूं
आग की गर्मी पर मैं तपता
फिर मैं खाने लायक बनता

••••

हर घर के कोने में मिलती
कचरा खाकर के मैं पलती
मुझ बिन हटे न कूटा-करकट
साफ करूं में सबकुछ झटपट
मुझ बिन होए न साफ-सफाई
बतलाओं मैं कौन हूं भाई

••••

गंगा न जमुना न मैं समंदर
पानी की धारा है मेरे अंदर
मैं नहीं बहता कुछ भी न कहता सदा चुप रहता पानी देता
मुझसे निकला है बस जल
कौन हूं मै लगाओ अकल

••••

उत्तर - अदरक, आटा, झाडू, नल

रास्ता खोजो

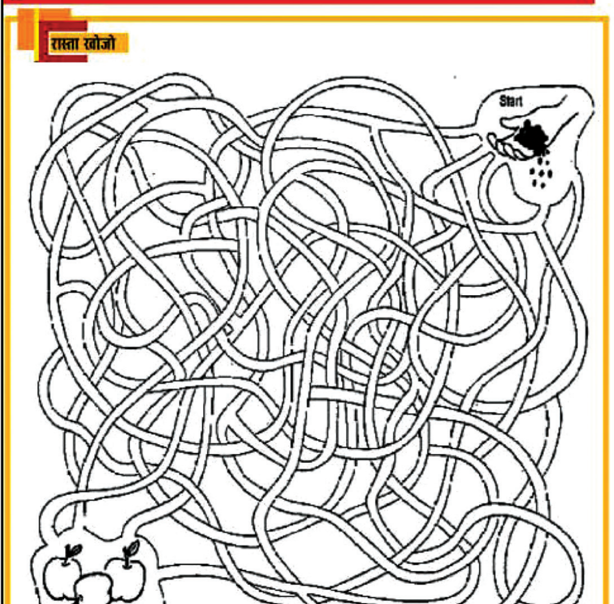

मुर्गी का दाम

बहुत समय पहले एक नगर में एक न्यायाधीश रहता था, जो किसी भी मामले में सही फैसला सुनाने और हमेशा सच का साथ देने के लिए जाना जाता था।

एक दिन न्यायाधीश नगर के बाजार से गुजर रहा था तो उसने देखा कि मुर्गियों की एक दुकान के सामने लोगों की भीड़ लगी हुई है। लोगों से पूछताछ करने पर न्यायाधीश को पता चला कि एक किसान के अनाज की बोरी गलती से मुर्गियों के ऊपर गिर गई और इस दुर्घटना में एक मुर्गी की मौत हो गई। वो मुर्गी बहुत छोटी थी और उसकी कीमत सिर्फ 10 पैसे से ज्यादा नहीं होगी।

पर मुर्गियों की दुकान का मालिक उस किसान के पीछे पड़ गया था और वह अपनी मरी हुई मुर्गी के बदले किसान से 200 पैसे यानी 2 रुपए मांग रहा था। उस दुकानदार की दलील थी कि दो साल के भीतर उसकी मुर्गी अनाज और दाने खाकर मोटी-तगड़ी हो जाती और उस समय उसकी कीमत उतनी ही होती, जितनी कि वह किसान से मांग कर रहा है।

वहां इकट्ठा भीड़ में से किसी ने उस न्यायाधीश को पहचान लिया और उसके लिए तुरंत रास्ता बनाने लगा। न्यायाधीश को देखते ही मुर्गी के मालिक ने किसान का कॉलर छोड़ और उनके पैर पकड़कर कहने लगा, 'न्यायाधीश महोदय, कृपया न्याय कीजिए। इस आदमी ने अपनी लापरवाही से मेरी उस मुर्गी को जान से मार दिया, जिसे बेचकर आज से दो साल बाद मुझे 2 रुपए मिलते।'

डर के मारे किसान के मुंह से एक शब्द भी नहीं निकल पा रहा था। वहां इकट्ठी भीड़ में से कोई भी यह नहीं समझ पा रहा था कि किसान असल में कह क्या रहा है। न्यायाधीश ने कहा कि इस मरी हुई मुर्गी की कीमत 2 रुपए रखी गई है और मुझे भी लगता है कि तुमको इस मुर्गी की इतनी कीमत अदा करनी चाहिए। पूरी भीड़ में सन्नाटा पसर गया। सभी ने सोचा था कि न्यायाधीश किसान के पक्ष में अपना फैसला सुनाएंगे। पर ऐसा हुआ नहीं।

यह फैसला सुन कर उस मुर्गी के मालिक की खुशी की कोई सीमा नहीं थी। वह न्यायाधीश को धन्यवाद देते हुए नहीं थक रहा था। अपनी दोनों हथेलियों को आपस में रगड़ते हुए उसने न्यायाधीश से कहा, 'मैंने आज तक लोगों से सुना था कि आप सही और निष्पक्ष निर्णय देते हैं। पर मैं आज कहता हूं कि आपसे बेहतर निर्णय कोई और दे ही नहीं सकता।'

न्यायाधीश ने मुस्कुराते हुए कहा,
'कानून हमेशा निष्पक्ष होता है।'
'अच्छा अब ये बताओ कि मुर्गी एक साल में कितना अनाज खाती है?'
'लगभग, आधी बोरी।'
मुर्गियों के दुकान के मालिक ने कहा।
'मतलब, जो मुर्गी अभी-अभी मरी है, वह दो साल में अनाज की पूरी की पूरी बोरी खा जाती, जिसके नीचे दबकर वह मरी है। तो अब तुम इस किसान को अनाज की वह बोरी दे दो, जो तुमने अपनी इस मुर्गी के लिए इकट्ठा करके रखी थी।' न्यायाधीश ने कहा।

मुर्गी के मालिक का चेहरा न्यायाधीश की यह बात सुनते ही पीला पड़ गया, क्योंकि एक बोरी अनाज की कीमत 2 रुपए से ज्यादा होती।

वहां इकट्ठी भीड़ द्वारा मजाक उड़ाने पर आखिरकार उस लालची दुकानदार ने हार मान ली और न्यायाधीश से कहा कि उसे किसान से एक भी पैसा नहीं चाहिए। और वह चुपचाप अपनी दुकान के भीतर चला गया।

डर के मारे किसान के मुंह से एक शब्द भी नहीं निकल पा रहा था। वहां इकट्ठी भीड़ में से कोई भी यह नहीं समझ पा रहा था कि किसान असल में कह क्या रहा है।

रंग भरो

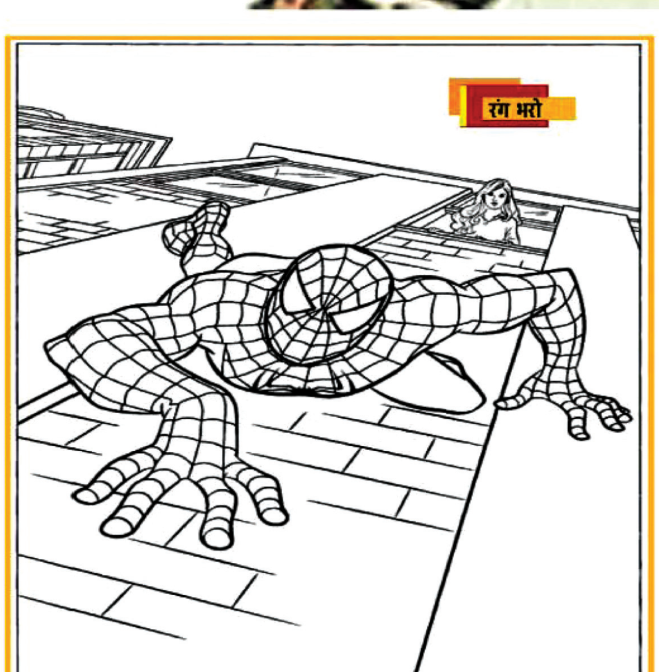

बिंदु मिलाओ

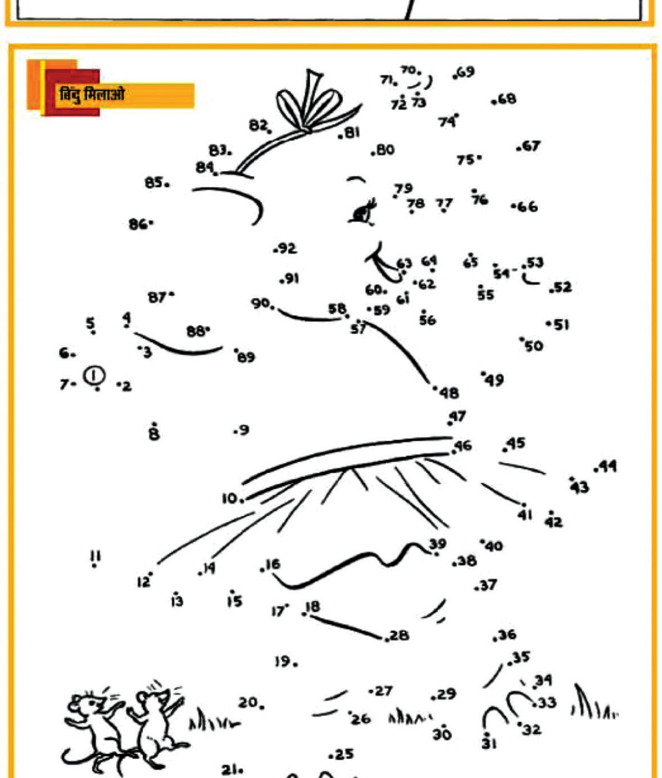

रात में ही खाती है वुड डक

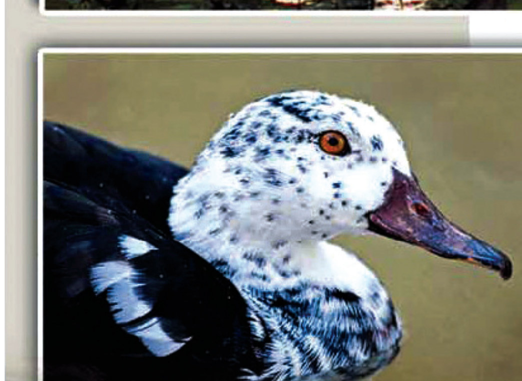

असम राज्य का राज्य पक्षी है व्हाइट विंग्ड वुड डक। यह बत्तखों में सबसे बड़ी होती है। इसकी लंबाई 30-35 इंच तक होती है। इनमें नर का वजन 3 से 4 किलो तक होता है, जबकि मादा 2 से 3 किलो तक की। एक वयस्क व्हाइट विंग्ड वुड डक की सबसे खास बात इनकी गर्दन और सिर का सफेद होना होता है। नरों में फीकी पीले रंग की चोंच पायी जाती है। इसके अलावा सफेद सिर और गर्दन पर काले रंग के शेड्स भी दिखते हैं। मादा नरों के मुकाबले थोड़ी छोटी होती है और सफेद सिर व गर्दन पर ज्यादा गहरे काले रंग के शेड्स पाये जाते हैं, वहीं इनके बच्चे हल्के से ब्राउनिश होते हैं। ये बहुत ही रहस्यात्मक तरीके से सिर्फ रात में ही खाना खाती हैं, जिसमें बीज, अनाज, चावल, पौधे, कीड़े, छोटी मछलियां शामिल हैं। ये अपना घोंसला आमतौर पर पेडमें के खोल में बनाती हैं। इन्हें धीमी गति के पानी में रहना पसंद होता है, जो आस-पास सदाबहार जंगलों से घिरा हो। यही कारण है कि यह भारत में असम, अरुणाचल प्रदेश के अलावा बांग्लादेश के कुछ हिस्सों से लेकर दक्षिण-पूर्व एशिया के देशों जावा, सुमात्रा तक मिलती हैं, साथ ही लाओस, थाईलैंड, वियतनाम और कम्बोडिया के वेट लैंड्स में भी ये पाई जाती हैं। इंटरनेशनल यूनियन फॉर द कन्जर्वेशन ऑफ नेचर ने अपनी रेड लिस्ट में इसे एनडेंजर्ड श्रेणी में रखा है। इसके बचाव के लिए असम राज्य ने इसे अपना राज्य पक्षी घोषित किया हुआ है। साथ ही भारत सरकार द्वारा भी इसके संरक्षण के लिए संरक्षित स्थल बनाये गए हैं, जिनमें से डिबरू-साईखोवा नेशनल पार्क, डिहिंग-पटकई वाइल्डलाइफ सेंक्चुरी, नामेरी नेशनल पार्क और नंदफा नेशनल पार्क मुख्य हैं। इसके अलावा विश्व स्तर पर भी इसके संरक्षण के प्रयास जारी हैं।

साइनुसाइटिस

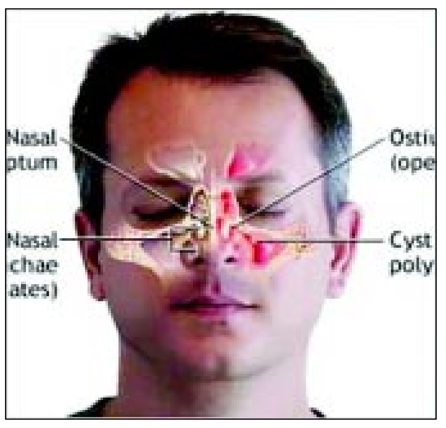

किसी भी संक्रमण से हुए सर्दी, नजला, जुकाम जब लंबे समय तक बने रहते हैं, तो वे साइनस की तकलीफ का रूप धारण कर लेते हैं। नाक की जड़ की हड्डियों के ढांचे में जो छिद्र होते हैं उन्हें साइनस के नाम से जाना जाता है। जब साइनस में श्लेष्मा अधिक देर तक जमा रहता है, तो इससे उनमें सूजन पैदा हो जाती है जिससे श्वास लेने में तकलीफ होती है, सर्दी-जुकाम जल्दी-जल्दी होने लगता है, नाक के पिछले भाग में भारीपन रहने लगता है, सिरदर्द लगातार बना रहता है, जिससे तनाव की अनुभूति होने लगती है। स्वाद और गंध को महसूस करने की शक्ति क्षीण हो जाती है।

रोग के उपचार के लिए बढ़े हुए श्लेष्मा को निकालना तथा साइनस पॉकेट्स की सफाई के साथ-साथ हल्के सेक और जल-नेति कराया जाता है। योगासनों के द्वारा शरीर की आंतरिक ऊर्जा में बढ़ोतरी हो जाती है। यौगिक उपचार में ताड़ासन, सूर्य नमस्कार [सभी के पांच-पांच चक्र], शवासन [पांच मिनट के लिए], पश्चिमोतानासन, शशांकासन, धनुरासन तथा भुजंगासन, प्राणायाम में सूर्यभेदी एवं भ्रस्त्रिका तथा षटकर्मों में कुंजल, जल नेति एवं कपाल भाति इसके लिए बहुत उपयोगी है। एक-दो दिन का उपवास आवश्यक है। अगर कब्ज हो, तो कब्ज टूटने तक एनिमा लें। पांच-सात दिन तक उबली शाक-सब्जी, सूखे मेवे, मौसमी फल और शहद लें। नित्य गाजर और आंवले के रस में शहद मिलाकर लें। दूध या डेयरी पदार्थों से परहेज करें। केवल गाय या बकरी के गर्म दूध में हल्दी डालकर लिया जा सकता है। पेडू पर गीली मिट्टी की पट्टी आधा घंटा रखें। प्रतिदिन दो बार चेहरे पर पांच से दस मिनट तक भाप दें। इस समय सिर पर ठंडा तौलिया रखना आवश्यक है। उसके बाद चेहरे को गीले तौलिए से पोंछ लें। रात को सोते समय पांवों को दस से पंद्रह मिनट के लिए गर्म पानी में रखें। यह क्रिया करते समय सिर पर ठंडा तौलिया जरूर रखें। गर्म पानी से पांव निकालने के तुरंत बाद आधा मिनट पांव ठंडे ताजे पानी में रखें। दिनचर्या को सात्विक बनाएं तथा विश्राम करें। इससे कुछ ही दिनों में इस रोग से पूर्ण निजात मिल जाएगा।

बनाएँ रखें नमक का संतुलन

चुटकीभर नमक की कमी व अधिकता खाने को बेस्वाद कर देती है, इसलिए नमक की मात्रा न कम हो न ज्यादा, बिलकुल सटीक हो। हम भोजन में नमक डालते हैं केवल इसलिए नहीं कि इससे स्वाद बनता है बल्कि इसलिए भी कि यह हमारे शरीर की जरूरत है। पर जैसे खाने में नमक की अधिकता भोजन को बर्बाद कर देती है, उसी प्रकार शरीर में नमक की कम मात्रा भी शरीर को नुकसान पहुँचाने में कोई कसर नहीं छोड़ती।

नमक (सोडियम क्लोराइड) हमारे शरीर में पानी का संतुलन बनाए रखने, मांसपेशियों व तंत्रिका तंत्र के सुचारु संचालन में मदद करता है। नमक हमारे शरीर के लिए बेहद जरूरी है। हमारे शरीर की खुराक केवल 500 मिलीग्राम नमक प्रतिदिन है। इसका मतलब लगभग एक चौथाई चम्मच। विशेषज्ञों के अनुसार जरूरत से ज्यादा मात्रा में नमक का सेवन अस्थि विकार का कारण भी बनता है, क्योंकि नमक और कैल्शियम एक-दूसरे के प्रतिद्वंद्वी हैं।

इससे कैल्शियम रक्त में समाहित होने की बजाए मूत्र के माध्यम से बाहर निकल जाता है। साथ ही नमक पानी एकत्र हो जाने की समस्या को और गहरा बना सकता है, जिसका सामना महावारी शुरू होने से पहले ज्यादातर महिलाएँ करती हैं। यह पैरों में ज्यादा मात्रा में तरल होने की समस्या पैदा कर सकता है, विशेषकर जब आप बैठे होते हैं। इसलिए जब भी आप फ्रेंच फ्राइच, पिज्जा, आलू चिप्स या चाइनीज फ्रूड खाते हैं तो आपके शरीर में चर्बी और नमक दोनों इकट्ठा होते हैं।

कोशिश करके नीबू की बजाए भोजन का स्वाद बढ़ाने के लिए तुलसी का रस, कालीमिर्च का पाउडर अथवा रोजमेरी का इस्तेमाल करें। इससे स्वाद के साथ समझौता किए बिना नमक की मात्रा में कटौती हो जाती है। इसके अलावा अजमोदा जैसे पदार्थ भी नमक की तलब को शांत करते हैं और चिप्स से तो कहीं बेहतर होते हैं। कुल मिलाकर कहें तो इसका यह मतलब नहीं है कि आप अपने पसंदीदा भोजन का त्याग कर दें।

मान लीजिए आप दोपहर में फास्ट फूड के लिए जा रहे हैं तो अपने रात के खाने में नमक की मात्रा कम करने की योजना पहले ही बना लें। विशेषज्ञों का यही कहना है कि अपने भोजन को संतुलित रखें।

हेल्थ प्लस

दिलचस्प बहुपयोगी टिप्स

गरमागरम चाय!

गरमागरम चाय की एक प्याली न सिर्फ आपकी थकान को दूर करती है बल्कि अब यह डॉक्टरों के द्वारा प्रामाणित भी है कि गरमागरम मीठी चाय स्ट्रेस हारमोन्स ग्लूकोकोर्टीकोएड के स्तर को कम करती है। लेकिन हाल ही में हुए सर्वे के अनुसार बेहद गर्म चाय से गले के कैंसर का भी खतरा होता है।

चॉकलेट जिंदगी का एक साल बढ़ाएगा!

हावर्ड यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने यह पता लगाया है कि महीने में तीन चॉकलेट खाने से आपके जीवन में तीन साल की वृद्धि हो सकती है। एक अध्ययन में यह पता चला है कि चॉकलेट एचडीएल के स्तर को बढ़ाने में मदद करते हैं जो एक तरह का कॉलेस्ट्रोल है जो आट्रीज में फैट जमने नहीं देता।

धुम्रपान से 10 साल कम!

धुम्रपान करने से कई तरह के कैंसर होने की संभावना रहती है। एक ताजा अध्ययन में यह पता चला है कि धुम्रपान से मनुष्य जीवन के 10 साल कम हो जाते हैं।

नींद ले लेंगी 5 साल!

6 से 7 घंटे की नींद मनुष्य के लिए जरूरी है लेकिन जब यह नींद 9 घंटे से ज्यादा हो जाए तो यह हमारे जीवन के पाँच घंटे कम कर सकती है।

सर्दी-खाँसी के घरेलू नुस्खे

- अजवायन, पीपल, अडूसा के पत्ते तथा पोस्त-डोडा-इनका क्वाथ बनाकर पीने से खाँसी, श्वास तथा कफ ज्वर का शमन होता है।
- संभालू के पत्तों का क्वाथ और पीपल का चूर्ण मिलाकर पीने से कफ ज्वर का शमन होता है।
- हल्दी और दूध गर्म कर उसमें थोड़ा सा नमक और गुड़ डालकर बच्चों को पिलाने से जुकाम तथा कफ रोग मिटता है।
- नागरबेल के पत्ते पर एरंड का तेल लगाकर और उसे थोड़ा सा गर्म करके छोटे बच्चों की छाती पर रखकर गर्म कपड़े से हल्का सेंक करने से बालक की छाती में जमा कफ पिघल कर निकल जाता है।
- हींग को शराब में खरल करके सुखा लें, उसे दो रत्ती की मात्रा में लेकर मक्खन के साथ खाने से खाँसी, श्वास और दूषित कफ विकार ठीक हो जाता है।
- पुदीने का ताजा रस या अर्क कफ, सर्दी एवं मस्तिष्क की सर्दी में अत्यंत उपयोगी है।
- अदरक का रस, नींबू का रस और सेंधा नमक एक साथ मिलाकर भोजन के पहले सेवन करने से अग्नि प्रदीप्त होती है। खाँसी, सूजन, कफ और श्वास में भी इससे फायदा होता है।

ग्रीष्म ऋतु में पालन करें

- दिन में 1-1 गिलास करके बार-बार ठंडा पानी पीते रहना चाहिए। विशेषकर घर से बाहर निकलते समय एक गिलास ठंडा पानी, बिना प्यास के भी, पीकर ही बाहर निकलना चाहिए। इस उपाय से लू नहीं लगती। इसी तरह रात को 10 बजे के बाद जागना पड़े तो हर घण्टे 1-1 गिलास पानी तब तक पीते रहें जब तक सो न जाएँ। इस उपाय से वात और पित्त का प्रकोप नहीं होता।
- सुबह शौच जाने से पहले ठंडा पानी पीने की आदत डालना चाहिए। शुरू में पानी की मात्रा एक कप रखें, फिर बढ़ाते जाएँ और जितनी ज्यादा मात्रा में पी सकें उतनी मात्रा में पीने लगें। इसे उषा पान करना कहते हैं। इससे कब्ज का नाश होता है और पेट के साथ-साथ पूरे शरीर में शीतलता बनी रहती है।
- धूप में घूमते हुए या बाहर के गर्म वातावरण से घर पहुँचकर तुरंत ठंडा पानी या कोई ठंडा पेय नहीं पीना चाहिए। थोड़ी देर ठहरकर शरीर को ठंडा करके और पसीना सुखाकर ही ठंडा पानी पीना चाहिए। फ्रिज या बर्फ का पानी नहीं पीना चाहिए। पीना ही हो तो फ्रिज के पानी में आधा सादा पानी मिला कर या थोड़ी देर फ्रिज से बाहर रखने के बाद पीना चाहिए।
- रसोई घर में काम करते हुए प्यास लगे तो तत्काल ठंडा पानी न पिएँ। बाहर आकर पानी पीकर थोड़ी देर से काम शुरू करें, ताकि जल्दी प्यास न लगे। थोड़ा विश्राम करके घूँट-घूँटकर पानी पिएँ।
- महिलाएँ शिशु को दूध पिलाते समय इस बात का विशेष कर ध्यान रखें कि आपका शरीर गर्म न हो। किसी भी कारण से शरीर में बढ़ी हुई उष्णता को सामान्य करके ही दूध पिलाना चाहिए।
- ग्रीष्म ऋतु में सुबह सूर्योदय से पहले उठ कर शौच क्रिया एवं स्नान से निवृत्त हो जाने से शरीर में अतिरिक्त उष्णता नहीं बढ़ पाती। कुछ महिलाएँ रसोई घर के काम से निवृत्त होकर दोपहर को स्नान करती हैं। इससे शरीर में उष्णता बढ़ती जाती है। ग्रीष्म ऋतु में ऐसा न करके सूर्योदय से पहले ही स्नान कर लें, फिर रसोई घर में काम करें। दरअसल यह एक स्वास्थ्यरक्षक नियम है।
- ग्रीष्म ऋतु में दिनचर्या के दैनिक कार्यों के समय में परिवर्तन करें। जो काम आप अभी तक दोपहर व धूप में करते रहे हैं, उन्हें सुबह या शाम को किया करें, ताकि सूर्य की धूप और तेज गर्मी से बच सकें।

बच्चों की सेहत और शहद

भागदौड़ भरी जिंदगी में महिलाएँ घर के कामों के साथ-साथ बाहरी कामों में भी पुरुषों के कंधे से कंधा मिलाकर हाथ बँटाने लगी हैं। इस वजह से आजकल की माताओं के पास अपने बच्चे के पूर्ण पोषण के लिए समय की बहुत कमी हो गई है। जिससे बच्चों के स्वास्थ्य में होने वाली गिरावट आमतौर पर देखी जा सकती है।

शहद बच्चों की सेहत बनाने में काफी सहायता प्रदान कर सकता है। आमतौर पर बच्चों के शारीरिक विकास एवं पाचन क्रिया को सुचारु रखने के लिए जिन पोषक तत्वों की आवश्यकता होती है, लगभग वे सभी पोषक तत्व शहद में पाए जाते हैं। इनके अतिरिक्त शहद में रोगाणु व विषाणुओं से लड़ने की अद्भुत क्षमता होती है। इसीलिए आयुर्वेद चिकित्सा शास्त्रों में शहद को माँ के दूध के बाद सर्वाधिक पोषक तत्व धारक रत्न की संज्ञा दी गई है।

शहद में विटामिन 'ए' व 'बी' की प्रचुर मात्रा के अलावा अनेक कार्बनिक एवं अकार्बनिक तत्वों का संग्रह होता है। अत: शहद इन तत्वों के अभाव में होने वाले रोगों से बच्चों को बचाता है तथा इन तत्वों की कमी को पूर्ण करता है। वे बच्चे जिनकी पाचन क्रिया ठीक से संचालित नहीं होती है, उन्हें दूध, दही, चावल, दलिया, केला, खीर आदि के साथ-साथ थोड़ी मात्रा में शहद दे दिया जाए तो पाचन आसानी से हो जाता है।

आयुर्वेद में ऐसी मान्यता है कि अलग-अलग स्थानों पर लगने वाले छत्तों के शहद के गुण वृक्षों के आधार पर होते हैं। जैसे नीम पर लगे शहद का उपयोग आँखों के लिए, जामुन का मधुमेह, सहजने का हृदय, वात तथा रक्तचाप के लिए बेहतर होता है। इसके अलावा भी शहद का सेवन कई रोगों में उपयोगी है।

शहद सेवन के फायदे :

- अदरक के रस में या अडूसे के काढ़े में शहद मिलाकर देने से खाँसी में आराम मिलता है।
- पके आम के रस में शहद मिलाकर देने से पीलिया में लाभ होता है।
- जिन बच्चों को शकर का सेवन मना है, उन्हें शकर के स्थान पर शहद दिया जा सकता है।
- उल्टी (वमन) के समय पोदीने के रस के साथ शहद का प्रयोग लाभकारी रहता है।

शहद से नुकसान :

गर्मी के दिनों में अधिक गर्म पानी, गर्म दूध, अधिक धूप में बच्चों को शहद का प्रयोग हानिकारक साबित होता है। साथ ही घी की समान मात्रा प्रयोग करने पर यह विष की भाँति कार्य करने लगता है। इसलिए इन स्थितियों में इसका प्रयोग सावधानीपूर्वक किया जाना चाहिए।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। नौकरी में अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। शुभांक-2-4-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। शुभांक-3-5-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा शुभ रहेगी। काम को प्राथमिकता से करें। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। शुभांक-2-4-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। पारिवारिक विवाद टालें। अच्छे समय का इन्तजार करें। शुभांक-1-5-6

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। व्यवसायिक अभ्युदय व प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। शुभांक-3-5-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): कामकाज की व्यस्तता से सुख-चैन प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। लाभमार्ग प्रशस्त होगा। नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेगे व अभिलाषाएं पूर्ण होंगी। कुछ भ्रामक धारणाओं का खंडन होगा। शुभांक-3-4-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी।अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। शुभांक-3-5-6

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बना रहेगा। कर्ज लेने से बचें। शुभांक-3-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। शुभांक-2-4-6

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। शुभांक-1-5-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभांक-3-5-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। --कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-1-3-5

काकुरो पहेली - 3868

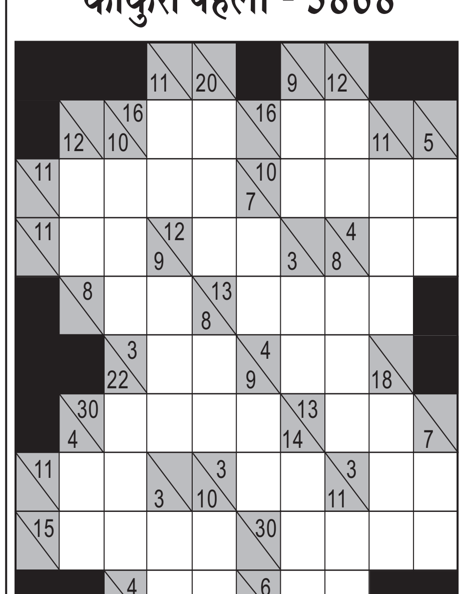

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

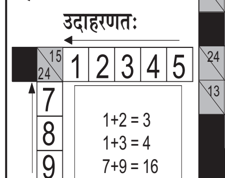

काकुरो - 3867 का हल

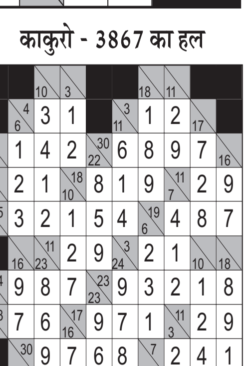

हंसी के फूव्वारें

जज ने अभियुक्त से कहा- 'तुम पर मोटर तेज चलाने का इल्जाम है. क्या तुम अपना इल्जाम स्वीकार करते हो?'

'जी हां, मीलार्ड, मगर ?'

'मैंने कोई अपराध नहीं किया.' अभियुक्त सफाई देते हुए बोला- 'मेरी मोटर के ब्रेक खराब थे,इसलिये मैंने सोचा कि जल्दी से घर पहुँच जाऊं. कहीं ऐसा न हो कि कोई एक्सीडेंट हो जाए !'

□ □ □

एक सेठ बीमार पड़ गया.

डाक्टरों ने उसे राय दी कि वह विदेश जाकर दवा कराये तो उसने अपने मुंशी से पूछा- 'मुंशी जी ! विदेश जाकर दवा कराने में कितना खर्च होगा ?'

'लगभग बीस हजार !'

'और क्रिया-कर्म में ?'

'लगभग पांच हजार !'

'तो फिर इलाज से मरना ही ज्यादा फायदेमंद रहेगा.' सेठ ने ठण्डी सांस लेते हुए कहा.

□ □ □

रमेश ने महेश से पूछा- 'जब सेब पेड़ से नीचे गिरा तो न्यूटन को बहुत आश्चर्य हुआ.'

महेश- 'पागल था वह ?'

रमेश- 'वह कैसे ?'

महेश- 'आश्चर्य की बात तो तब होती जब सेब नीचे से ऊपर जाता.'

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 3868

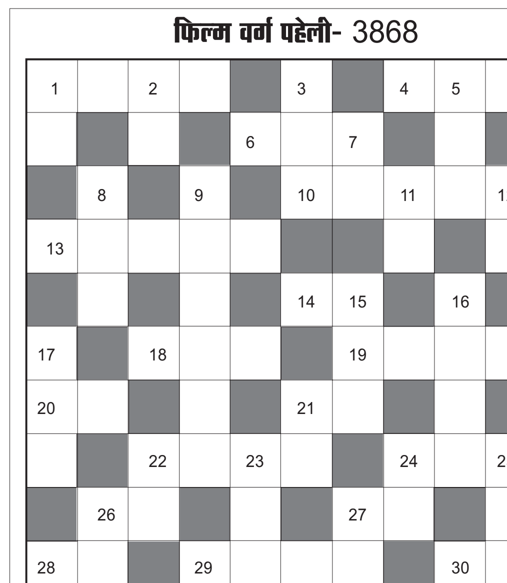

ऊपर से नीचे:-

१. नवीन निश्चल, प्राण, रेखा की फिल्म-२
२. 'मोहब्बत हुई हुई' गीत वाली फिल्म-२
३. विश्वजीत, वहीदा रहमान की फिल्म-३
५. 'ऐ जिंदगी गले लगा' गीत वाली फिल्म-३
७. दीनो मारिया, बिपाशा बसु की फिल्म-२
८. विवेक ओबेराय, अंतरा की 'खल्लास बचके तू रहना रे' गीत वाली फिल्म-३
९. 'करवटें बदलते' गीत वाली संजीव, राजेश खन्ना, मुमताज की फिल्म-२,१,३
११. 'लंबूजी लंबूजी' गीत वाली फिल्म-२
१२. अभिषेक, भूमिका चावला की फिल्म-२
१५. फिल्म 'सब से बड़ा खिलाड़ी' में अक्षयकुमार के साथ नायिका कौन थी-३
१६. शत्रुघ्न, हेमा, मिथन की 'बचके मेरी जान बचके' गीत वाली फिल्म-४
१७. 'मैं तो हर मोड़ पर' गीत वाली अनिल धवन, रेहाना सुलतान की फिल्म-३
२१.राजेश, शर्मिला, राखी की 'मेरे दिल में आज' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'ओ मेरी चूड़ियाँ बजी' गीत वाली संजयकपूर, तब्बू की फिल्म-२
२३. फिल्म 'बरसात की रात' के संगीतकार कौन थे-३
२४. विनोद खन्ना, योगिता बाली की फिल्म-२
२५. फिल्म 'बागी' में सलमान खान के साथ नायिका कौन थी-३
२६. उमादेवी का गाया गीत 'अफसाना लिख रही हूँ' किस फिल्म का है-२
२७. नसीरूद्दीनशाह, अतुल अग्निहोत्री पूजा भट्ट की फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. 'दिल ने ये कहा हैदिल से' गीत वाली अक्षयकुमार, शिल्पा की फिल्म-४
४. देवआनंद, जैकी, गोविंदा, रेखा की 'इस तरह देखो ना' गीत वाली फिल्म-३
६. 'ना कजरे की धार' गीत वाली अक्षयकुमार, रवीना की फिल्म-३
१०. अनिल, माधुरी दीक्षित की 'आँखों के आगे पीछे' गीत वाली फिल्म-५
१३. 'आदमी मुसाफिर है' गीत वाली संजीव कुमार, सुलक्षणा की फिल्म-५
१४. अतिन भल्ला, संदली की 'साँवली सी इक लड़की' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'हुन हुना रे हुन हुना' गीत वाली विकास भल्ला, काजोल की फिल्म-३
१९. गोविंदा, मनीषा की 'ठहरो तो सही सोचो तो जरा' गीत वाली फिल्म-४
२०. एम. एफ. हुसैन की फिल्म 'मीनाक्सी' की नायिका कौन है-२
२१. 'बाबुल का ये घर बहना' गीत वाली मिथुन, रंजीता, पद्मिनी की फिल्म-२
२२. ऋषिकपूर, पद्मिनी की 'मेरी किस्मत में तू नहीं' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'मेरी शादी का खयाल' गीत वाली राजेश खन्ना, टीना की फिल्म-३
२६. विवेक, दीया मिर्जा की बाबूजी जरा धीरे' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'जब चाहा जजबात से खेले' गीत वाली चंदनदास का गजल एलबम-२
२८. मिथुन, रंभा की 'पीलो इश्क दी विस्की' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'सच कहते हैं हं' गीत वाली अक्षयकुमार, करिश्मा की फिल्म-४
३०. फिल्म 'राजा जानी' में धर्मेन्द्र के साथ नायिका कौन थी-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3867

सूडोकु -3868

8		4	3	9	7	5		6
3					2			
		7	6	5				4
9	6		5			1		7
5		1	4		9	8		2
4		8					5	3
2				6	1	4		
			7					8
7		9	8	3	5	6		1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3867 का हल

7	8	4	9	5	2	6	1	3
9	6	2	4	3	1	8	5	7
1	3	5	7	8	6	2	4	9
4	2	3	6	1	5	9	7	8
8	5	9	2	4	7	1	3	6
6	7	1	3	9	8	4	2	5
3	1	7	8	6	4	5	9	2
5	9	6	1	2	3	7	8	4
2	4	8	5	7	9	3	6	1

शब्द पहेली - 3868

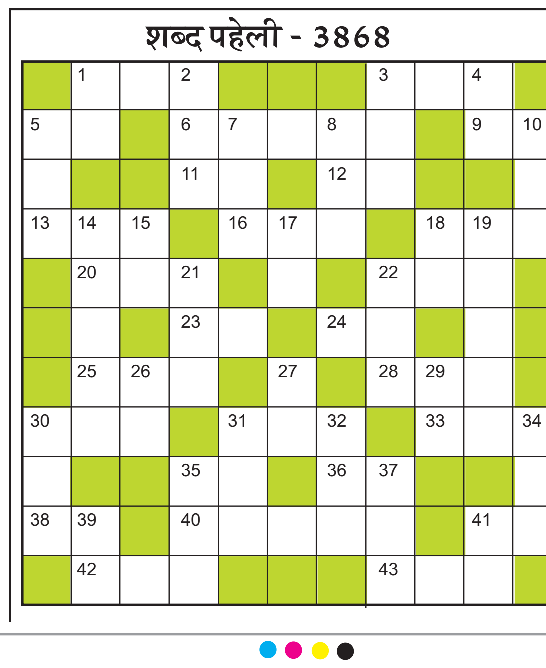

बाएँ से दाएँ

1.ईश्वर,करतार-3
3.मुस्कुराहट-3
5.ईख-2
6.रजनीगंधा -2,1,2
9.समुद्र तट (अंग्रेजी-2)
11.ताकत,दम-2
12.अमिताभ व किमी काटकर की फिल्म-2
13.वेतन,पगार-3
16.मनोनीत,नामकृत-3
18.बंधक,गिरवी वस्तु-3
20.निशा,रात्री-3
22.वचन,प्रतिज्ञा-3
23.श्रीनगर की झील-2
24.मूल्य,कीमत-2
25.असावधान-3
28.धिक्कार,फटकार-3
30.हवा,पवन-3
31.झाझर,कुंभ-3
33.चिंतन-3
35.संस्कृत में मेरा-2
36.मादा का विलोम-2
38.कुबेर,भूत-2
40.परोपकारी,जितेंद्र की एक फिल्म-5
41.फलों का राजा-2
42.फूल चुननेवाली-3
43.घोड़ों की देखभाल करनेवाला-3

ऊपर से नीचे

1.तमिल भाषा में बड़ा भाई-2
2.बेकार-3
3.दीवान,खजांची-3
4.पैगंबर,रसूल-2
5.झूठ,मिथ्या -3
7.तेल में पकाना-3
8.आराम,मदद-3
10.गुलिस्ता-3
14.नरकभोगी-5
15.खुजली-2
17.सखा,दोस्त-2
18.मजा,आनंद-2
19.स्वदेशवासी-5
21.सुई (अंग्रेजी-3)
22.विष्णुप्रिया-3
26.पुनः,वापस-2
27.मर्करी,पारद-2
29.भीगा हुआ-2
30.वक्त,टाईम-3
31.अच्छी बुद्धि-3
32.निम्नता-3
34.मुलायम-3
35.बड़ा,विशाल-3
37.धनवान-3
39.माफी-2
41.उम्मीद-2

शब्द पहेली -3867 का हल

फीफा विश्व कप 2026: पेनल्टी शूटआउट में किया कमाल

ऑस्ट्रेलिया को हराकर राउंड ऑफ-16 में पहुंचा मिस्र

डलास , एजेंसी

फीफा विश्व कप 2026 के राउंड ऑफ 32 में मिस्र ने इतिहास रचते हुए ऑस्ट्रेलिया को पेनल्टी शूटआउट में 4-2 से हराकर पहली बार विश्व कप के नॉकआउट मुकाबले में जीत दर्ज की। निर्धारित समय और अतिरिक्त समय तक मुकाबला 1-1 की बराबरी पर रहा, जिसके बाद मैच का फैसला पेनल्टी शूटआउट से हुआ। मिस्र ने अपनी चारों पेनल्टी सफलतापूर्वक गोल में बदली, जबकि ऑस्ट्रेलिया के हैरी साउटर और लुकास हेरिंगटन अपने प्रयासों में चूक गए।

पहले हाफ में इमाम अशूर ने दिलाई बढ़त

मुकाबले की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया ने आक्रामक रुख अपनाया और क्रिस्टियन वोल्पाटो का लंबी दूरी का शॉट क्रॉसबार से टकराया। इसके कुछ ही मिनट बाद मिस्र ने 13वें मिनट में बढ़त बना ली। सेट पीस से बने मौके पर करीम हाफेज के क्रॉस को इमाम अशूर ने शानदार हेडर के जरिए गोल में बदल दिया। विश्व कप में अशूर का यह लगातार दूसरा गोल रहा।

आत्मघाती गोल से ऑस्ट्रेलिया की वापसी

दूसरे हाफ में ऑस्ट्रेलिया ने बराबरी हासिल कर ली। 55वें मिनट में एडेन ओनील की फ्री-किक पर मिस्र के डिफेंडर मोहामेद हानी ने गेंद को क्लियर करने की कोशिश में अपनी ही टीम के गोल में पहुंचा दिया। इस आत्मघाती गोल के साथ स्कोर 1-1 हो गया और मुकाबला बेहद रोमांचक बन गया। अतिरिक्त समय में मिस्र के पास मैच खत्म करने का सुनहरा अवसर था, लेकिन ऑस्ट्रेलिया के गोलकीपर पैट्रिक बीच ने रामी राबिया के दमदार हेडर पर शानदार एक हाथ से बचाव किया। इसके बाद मोहम्मद सलाह ने हैसम हसन के लिए मौका बनाया, लेकिन हैरी साउटर ने बेहतरीन ब्लॉक लगाकर ऑस्ट्रेलिया को बचा लिया। निर्धारित समय और अतिरिक्त समय में फैसला नहीं होने के बाद मैच पेनल्टी शूटआउट में पहुंचा। मिस्र ने अपनी सभी चार पेनल्टी सफलतापूर्वक गोल में बदली।

क्वार्टर फाइनल में अर्जेंटीना या केप वर्डे से होगा सामना

इस जीत के साथ मिस्र ने पहली बार विश्व कप के नॉकआउट चरण में जीत हासिल करते हुए क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। अब 7 जुलाई को अटलांटा में उसका सामना अर्जेंटीना और केप वर्डे के बीच होने वाले मुकाबले के विजेता से होगा। विश्व कप इतिहास में ऑस्ट्रेलिया ने अब तक तीन नॉकआउट मुकाबले खेले हैं और तीनों में उसे हार का सामना करना पड़ा है। इससे पहले वह 2006 में इटली और 2022 में अर्जेंटीना से हारकर बाहर हुआ था, जबकि अब 2026 में मिस्र ने उसकी चुनौती समाप्त कर दी।

भारत-इंग्लैंड दूसरे टी-20 में भी बारिश के आसार

15 साल के वैभव सूर्यवंशी के डेब्यू पर टिकीं सबकी नजरें, आर्चर की वापसी

मैनचेस्टर, एजेंसी

भारत और इंग्लैंड के बीच 5 मैचों की टी-20 सीरीज का दूसरा मुकाबला आज शाम 7 बजे मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड स्टेडियम में खेला जाएगा। पहले मैच की तरह इस मुकाबले में भी बारिश खेल बिगाड़ सकती है। मौसम विभाग के अनुसार 55त्न तक बारिश की संभावना है। सीरीज का पहला मुकाबला भी बारिश के कारण बेनतीजा रहा था।

इस मुकाबले में एक बार फिर 15 साल के वैभव सूर्यवंशी के डेब्यू पर सबकी नजर रहेगी। हालांकि, भारत के गेंदबाजी कोच मॉर्ने मॉर्कल ने संकेत दिए हैं कि युवा बल्लेबाज को अभी कुछ और इंतजार करना पड़ सकता है। मॉर्कल ने कहा- दूसरे मुकाबले से टीम ज्यादा बदलाव नहीं करना चाहती। अभिषेक शर्मा टी-20 के नंबर-1 बल्लेबाज हैं। संजू सैमसन टी-20 वर्ल्ड कप में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट रहे थे। कोचिंग स्टाफ के तौर पर खिलाड़ियों पर भरोसा दिखाना जरूरी है। भारत और इंग्लैंड के बीच अब तक 31 टी-20 इंटरनेशनल खेले गए हैं। इनमें भारत ने 18 और इंग्लैंड ने 12 मुकाबले जीते हैं, जबकि एक मैच बेनतीजा रहा। इंग्लैंड में दोनों टीमों के बीच 10 मुकाबले हुए हैं। यहां इंग्लैंड ने 5, भारत ने 4 मैच जीते हैं, जबकि एक मुकाबला बारिश की भेंट चढ़ा। दोनों देशों के बीच अब तक 9 टी-20 सीरीज खेली गई हैं। इनमें भारत ने 5, इंग्लैंड ने 3 सीरीज जीती हैं, जबकि एक सीरीज ड्रॉ रही। भारत ने पिछली लगातार पांच टी-20 सीरीज में इंग्लैंड को हराया है।

पहले मैच में अभिषेक-श्रेयस ने संभाली थी पारी

चेस्टर-ली-स्ट्रीट में खेले गए पहले टी-20 में भारत की शुरुआत बेहद खराब रही थी। टीम ने सिर्फ 6 रन पर 2 विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद अभिषेक शर्मा (59 रन, 24 गेंद) और कप्तान श्रेयस अय्यर (68 रन, 47 गेंद) ने तीसरे विकेट के लिए 82 रन की साझेदारी कर भारत को 189/7 तक पहुंचाया। हालांकि बारिश के कारण इंग्लैंड की पारी शुरू ही नहीं हो सकी। अभिषेक ने इंग्लैंड के खिलाफ 7 टी-20 पारियों में 347 रन 219.62 की स्ट्राइक रेट से बनाए हैं।

ईशान और अर्शदीप भारत के टॉप परफॉर्मर- भारत के लिए इस साल ईशान किशन सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। उन्होंने 16 टी-20 मैचों में 545 रन बनाए हैं। उनका स्ट्राइक रेट 199.63 रहा है। गेंदबाजी में अर्शदीप सिंह ने 15 मैचों में 21 विकेट लेकर भारत के सबसे सफल गेंदबाज का स्थान हासिल किया है।

बेथेल ने इस साल 305 रन बनाए

इंग्लैंड के लिए जैकब बेथेल ने 2026 में 12 टी-20 मैचों में 305 रन बनाए हैं। उनका स्ट्राइक रेट 143.19 का है और वह एक शतक भी लगा चुके हैं। गेंदबाजी में आदिल रशीद ने सबसे ज्यादा 18 विकेट लिए हैं। वह इस मुकाबले में 2 विकेट लेते ही टी-20 इंटरनेशनल में दूसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन जाएंगे। ओल्ड ट्रैफर्ड की पिच तेज और स्पिन दोनों गेंदबाजों की मददगार मानी जाती है। हालांकि, बल्लेबाजों को भी यहां रन बनाने में दिक्कत नहीं होती। पिछले साल इसी मैदान पर इंग्लैंड ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ 304/2 का स्कोर बनाया था। यह फुल मेंबर टीमों के बीच पहला 300+ टी-20 स्कोर था।

इन रिकॉर्ड्स पर रहेगी नजर

अक्षर पटेल अपना 98वां टी-20 इंटरनेशनल खेल सकते हैं। उन्हें भारत के लिए 100 टी-20 विकेट पूरे करने के लिए सिर्फ 1 विकेट चाहिए। आदिल रशीद के नाम फिलहाल 164 टी-20 विकेट हैं। दो विकेट लेते ही वह इस फॉर्मेट में दूसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन जाएंगे।

आर्चर की वापसी, टंग का डेब्यू

इंग्लैंड ने दूसरे टी-20 के लिए अपनी प्लेइंग-11 का ऐलान कर दिया है। तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर की टीम में वापसी हुई है, जबकि जोश टंग टी-20 डेब्यू करेंगे। दोनों खिलाड़ियों को साकिब महमूद और ल्यूक वुड की जगह मौका मिला है।

इंग्लैंड: फिल सॉल्ट, जोस बटलर (विकेटकीपर), हैरी ब्रूक (कप्तान), जैकब बेथेल, टॉम बैंटन, सैम करन, विल जैक्स, लियम डॉसन, आदिल रशीद, जोफ्रा आर्चर, जोश टंग।

भारत: संजू सैमसन, अभिषेक शर्मा, ईशान किशन (विकेटकीपर), श्रेयस अय्यर (कप्तान), तिलक वर्मा, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह, रवि बिश्नोई, वरुण चक्रवर्ती।

भारत से वनडे सीरीज के लिए इंग्लैंड टीम घोषित

कोल्स को पहली बार मौका, जोफ्रा आर्चर की वापसी; हैरी ब्रूक करेंगे कप्तानी

एजेंसी लंदन

भारत के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए इंग्लैंड ने 16 सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया है। ससेक्स के ऑलराउंडर जेम्स कोल्स को पहली बार वनडे टीम में जगह मिली है। वहीं तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर की करीब आठ महीने बाद वनडे टीम में वापसी हुई है। उन्होंने आखिरी वनडे नवंबर 2025 में खेला था।

टीम की कप्तानी हैरी ब्रूक करेंगे। तेज गेंदबाज जोश टंग को भी वनडे टीम में पहली बार शामिल किया गया है। इसके अलावा गस एटकिंसन और साकिब महमूद भी श्रीलंका दौरा मिस करने के बाद टीम में लौटे हैं।

4 बदलाव के साथ उतरेगा इंग्लैंड

श्रीलंका दौरे पर गई टीम की तुलना में इंग्लैंड ने चार बदलाव किए हैं। जेम्स कोल्स, जोफ्रा आर्चर, गस एटकिंसन और साकिब महमूद को टीम में शामिल किया गया है। वहीं ब्रायडन कार्से, जैक क्रॉली, जेमी ओवरटन और ल्यूक वुड को बाहर किया गया है।

14 जुलाई से शुरू होगी सीरीज

भारत और इंग्लैंड के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज का पहला मुकाबला 14 जुलाई को एजबेस्टन में खेला जाएगा। दूसरा मैच 16 जुलाई को कार्डिफ और तीसरा व अंतिम वनडे 19 जुलाई को लॉर्ड्स में होगा।

इंग्लैंड की वनडे टीम

हैरी ब्रूक (कप्तान), रेहान अहमद, जोफ्रा आर्चर, गस एटकिंसन, टॉम बैंटन, जैकब बेथेल, जोस बटलर, जेम्स कोल्स, सैम करन, लियाम डॉसन, बेन डकेट, विल जैक्स, साकिब महमूद, आदिल राशिद, जो रूट और जॉश टंग।

भारतीय टीम में कोहली की वापसी

21 जून को भारतीय टीम का ऐलान हुआ था।

पहले दिन श्रीलंका का स्कोर 338/5, विंडीज के सील्स के 100 विकेट पूरे

लाहिरू उदारा ने डेब्यू टेस्ट में 188 रन बनाए

एजेसी एंटीगुआ

श्रीलंका ने वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट में मजबूत शुरुआत की है। टीम ने मुकाबले के पहले दिन 5 विकेट पर 338 रन बना लिए हैं। 32 साल के ओपनर लाहिरू उदारा ने डेब्यू मैच में 248 गेंदों पर 188 रनों की पारी खेली। वे दोहरा शतक लगाने से सिर्फ 12 रन से चूक गए।

एंटीगुआ के सर विव रिचर्ड्स स्टेडियम में श्रीलंका ने टॉस जीतकर बैटिंग चुनी। उदारा को पाथुम निसंका की जगह प्लेइंग इलेवन में शामिल किया गया। पहले दिन का खेल खत्म होने से ठीक आधा घंटा पहले वेस्टइंडीज ने दो विकेट लेकर मैच में थोड़ी वापसी की। सोनल दिनुषा 5 रन बनाकर नाबाद लौटे हैं।

श्रीलंका की खराब शुरुआत, उदारा-मेंडिस में रिकॉर्ड साझेदारी

श्रीलंका की शुरुआत बेहद खराब रही थी। मैच के पहले ही घंटे में तेज गेंदबाज शमार जोसेफ ने निशान मदुष्का और दिनेश चांदीमल को सस्ते में पवेलियन भेज दिया था। एक समय टीम का स्कोर 25/2 हो गया था।

ओपनर लाहिरू उदारा ने कमिंडू मेंडिस (84 रन) के साथ तीसरे विकेट के लिए 255 गेंदों पर 215 रनों की पार्टनरशिप की। यह वेस्टइंडीज की धरती पर श्रीलंका की ओर से तीसरे विकेट की सबसे बड़ी टेस्ट साझेदारी है।

इस साझेदारी को जस्टिन ग्रीव्स ने तो?ा। उन्होंने मेंडिस को विकेटकीपर शाई होप के हाथों स्टंप कराया। मेंडिस ने 120 बॉल पर 84 रन बनाए।

डी सिल्वा और उदारा में 93 रन की साझेदारी

कमिंडू मेंडिस के आउट होने के बाद कप्तान धनंजय डी सिल्वा क्रीज पर आए। उदारा और धनंजय ने मिलकर चौथे विकेट के लिए 93 रनों की पार्टनरशिप की। उदारा ने अपनी पारी में 4 छक्के भी लगाए। उन्होंने अपना पहला टेस्ट शतक भी एक छक्के के साथ ही पूरा किया था।

जॉयडन सील्ड के 100 टेस्ट विकेट पूरे

दिन के आखिरी सेशन में वेस्टइंडीज ने मैच में वापसी की। टीम ने पहले लाहिरू उदारा का विकेट लिया, फिर धनंजय डी सिल्वा 33 रन बनाकर स्लिप में कैच दे बैठे। धनंजय का विकेट लेते ही वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज जेडन सील्स ने टेस्ट क्रिकेट में अपने 100 विकेट पूरे कर लिए। वह गेंदों के हिसाब से 100 टेस्ट विकेट तक पहुंचने वाले वेस्टइंडीज के दूसरे सबसे तेज गेंदबाज बन गए। इस सूची में पूर्व तेज गेंदबाज इयान बिशप पहले स्थान पर हैं।

उदारा का कैच छूटा, मेंडिस के खिलाफ अपील भी नहीं की

वेस्टइंडीज ने दिन के खेल में दो अहम मौके भी गंवाए। लाहिरू उदारा जब 55 रन पर थे, तब जेडन सील्स की गेंद पर स्लिप में जॉन कैंपबेल और जस्टिन ग्रीव्स के बीच तालमेल की कमी से उनका कैच छूट गया। कमिंडू मेंडिस 41 रन पर बल्लेबाजी कर रहे थे, तभी उनके बल्ले का किनारा लगा, लेकिन वेस्टइंडीज के खिलाड़ियों ने अपील नहीं की। बाद में रिप्ले में अल्ट्रा-एज से साफ हुआ कि गेंद ने बल्ले का किनारा लिया था।

जोकोविच ने फेडरर के विंबलडन रिकॉर्ड की बराबरी की

105वां मैच जीता, 18वीं बार राउंड-4 में पहुंचे; अब सबालेंका-ओसाका की टक्कर

एजेसी लंदन

नोवाक जोकोविच ने विंबलडन में रोजर फेडरर के सबसे ज्यादा मेंस सिंगल्स मैच जीतने के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। सर्बिया के दिग्गज खिलाड़ी ने फ्रांस के आर्थर रिंडरकनेच को हराकर ऑल इंग्लैंड क्लब में अपनी 105वीं जीत दर्ज की। विंबलडन के इतिहास में अब सिर्फ मार्टिना नवरातिलोवा 120 जीत के साथ जोकोविच से आगे हैं। वहीं, महिला वर्ग में आर्यना सबालेंका और नाओमी ओसाका चौथे दौर में आमने-सामने होंगी।

जोकोविच ने चार सेट में जीता मुकाबला

39 साल के जोकोविच ने 25वीं वरीयता प्राप्त आर्थर रिंडरकनेच को 7-5, 6-4, 1-6, 7-6 (7-4) से हराया। उन्होंने पहले दो सेट अपने नाम किए, लेकिन रिंडरकनेच ने तीसरा सेट 6-1 से जीतकर मुकाबले में वापसी की। चौथा सेट टाईब्रेकर तक पहुंचा, जहां जोकोविच ने जीत दर्ज की।

करीब तीन घंटे चले मुकाबले के अंतिम पॉइंट पर रिंडरकनेच के ड्रॉप शॉट को बचाने के लिए जोकोविच ने डाइव लगाई। दोनों खिलाड़ी कोर्ट पर गिर पड़े, लेकिन जोकोविच ने पॉइंट जीत लिया। उनकी जीत के बाद सेंटर कोर्ट पर मौजूद दर्शक खड़े होकर तालियां बजाते नजर आए।

फेडरर को लेकर किया मजाक

रिकॉर्ड की बराबरी के बाद जोकोविच ने हंसते हुए कहा, ' मैं रोजर के साथ 106वें मैच का प्रस्ताव रखता हूं। जो जीतेगा, रिकॉर्ड उसी का होगा।' उन्होंने कहा कि इस ऐतिहासिक कोर्ट पर इतिहास का हिस्सा बनना उनके बचपन के सपनों में शामिल था।

सिनर ने भी चौथे दौर में बनाई जगह

डिफेंडिंग चैंपियन और दुनिया के नंबर-1 खिलाड़ी जानिक सिनर ने अमेरिका के जेनसन ब्रूक्सबी को 6-4, 6-3, 6-4 से हराकर अंतिम-16 में जगह बनाई। पहले सेट में शुरुआती बढ़त लेने के बाद सिनर ने पूरे मैच में नियंत्रण बनाए रखा। तीसरे सेट में ब्रूक्सबी ने उनकी सर्विस तोड़ी, लेकिन सिनर ने तुरंत वापसी करते हुए सीधे सेटों में मुकाबला खत्म किया।

अब चौथे दौर में सिनर का सामना जापान के क्वालिफायर शिनतारो मोचिजुकी से होगा। मैच के बाद उन्होंने कहा, ÷मैंने उनके खिलाफ पहले कभी नहीं खेला है। चौथे दौर में पहुंचने वाला हर खिलाड़ी मजबूत होता है। फिलहाल मेरा पूरा ध्यान रिकवरी और अगले मुकाबले की तैयारी पर है।÷

सबालेंका और ओसाका आमने-सामने

महिला सिंगल्स में दुनिया की नंबर-1 खिलाड़ी आर्यना सबालेंका ने लातविया की येलेना ओस्टापेंको को 6-4, 6-4 से हराकर चौथे दौर में जगह बनाई। सेंटर कोर्ट पर खेले गए मुकाबले में दोनों खिलाड़ियों के बीच आक्रामक खेल देखने को मिला। सबालेंका ने पहले सेट में 111 मील प्रति घंटे की रफ्तार से ऐस लगाकर बढ़त बनाई और फिर मैच अपने नाम कर लिया।

पहली बार विंबलडन के अंतिम-16 में पहुंचीं ओसाका

चार बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन नाओमी ओसाका ने दारिया कसात्किना को सिर्फ 65 मिनट में 6-1, 6-3 से हराकर पहली बार विंबलडन के चौथे दौर में जगह बनाई। अब उनका मुकाबला सबालेंका से होगा।

अविनाश तिवारी ने फैमिली एंटरटेनर फिल्मों की कमी पर जताई चिंता

अभिनेता अविनाश तिवारी जल्द ही अपनी आगामी फिल्म 'गिन्नी वेड्स सनी 2' में नजर आएंगे। आज इस फैमिली एंटरटेनर फिल्म का ट्रेलर रिलीज किया गया है। अविनाश का मानना है मौजूदा वक्त में फैमिली एंटरटेनर फिल्मों की कमी है। एक्टर का कहना है कि 'गिन्नी वेड्स सनी 2' जैसी फैमिली एंटरटेनर बनती रहनी चाहिए। साथ ही उन्होंने बताया कि हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में इस तरह की फिल्मों की कमी क्यों है?

संयुक्त परिवार की अवधारणा कम हो गई है

'गिन्नी वेड्स सनी 2' के ट्रेलर लॉन्च के मौके पर अविनाश तिवारी से बॉलीवुड में फैमिली एंटरटेनर फिल्मों की कमी के बारे में पूछा गया। इसके पीछे के कारणों पर विचार करते हुए उन्होंने कहा कि बहुत अच्छी फिल्में बन रही हैं और जो बन रही हैं वो हम जाकर देख भी रहे हैं और देखना भी चाहिए। लेकिन अगर मैं देखूं तो मुंबई में बहुत सारे प्रवासी हैं। लोग अलग-अलग जगहों से यहां आते हैं, दोस्तों और पार्टनर के साथ बाहर जाते हैं, इसलिए प्रवास के कारण संयुक्त परिवार की अवधारणा कम हो गई है।

अविनाश के घर के बच्चों ने नहीं देखीं उनकी फिल्में

अभिनेता ने यह भी कहा कि टिकट की कीमतें भी हैं और हमने इस बैंडविड्थ में लोगों के लिए फिल्में बनाने के बारे में सोचना बंद कर दिया है। यहां तक कि अपने घर पर भी, मैंने अपनी भाभी से पूछा कि आपने बच्चों को मेरी कौन सी फिल्म दिखाई है। उन्होंने कहा, एक में तो तू पागल हो रहा है (लैला मजनू), एक में चुड़ैल आ गई (बुलबुल) तो ये बच्चे लोगों को कैसे दिखाएं। तब मुझे एहसास हुआ कि मेरे अपने घर के बच्चे मेरी फिल्में नहीं देख रहे हैं। इसने मुझे काफी प्रभावित किया। मैं भी बहुत दिखावा कर रहा था कि बहुत अलग-अलग काम किए हैं मैंने।

अविनाश ने याद करते हुए बताया कि आखिरी फिल्म जो उन्होंने अपने परिवार के साथ देखी थी वह 2023 में आई 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' थी। उन्होंने कहा कि उसके बाद कितना समय हो गया है कोई ऐसी फिल्म आए जिसे परिवार के साथ जाकर देख सकें। मुझे नहीं पता कि हम इस पर ध्यान क्यों नहीं दे रहे हैं। हम कहते हैं कि टिकट नहीं बिक रहे हैं, लेकिन अगर हम पारिवारिक फिल्म बनाएं, तो पूरा परिवार आने पर छह टिकट बिक जाते हैं। अगर मैं फिल्म बना रहा हूं, तो मैं इस बात पर ध्यान क्यों नहीं देता, यह विचार क्यों नहीं आता, मेरी समझ से बाहर है।

कुछ बुरा लगा तो अपने हिसाब से हैंडल करती हूं

साउथ इंडस्ट्री में रजनीकांत, कमल हासन और नागार्जुन जैसे तमाम सुपरस्टार्स के साथ काम कर चुकी जानी-मानी एक्ट्रेस सिमरन बग्गा ने असल में करियर की शुरुआत बॉलीवुड की 'तेरे मेरे सपने' और 'सनम हरजाई' जैसी फिल्मों से की थी। हालिया समय में वह 'गुलमोहर' और 'रॉकेट्री-द नम्बी इफेक्ट' जैसी नेशनल अवॉर्ड विनिंग फिल्मों और ऑस्कर की ऑफिशियल एंट्री 'टूरिस्ट फैमिली' का अहम हिस्सा रहीं। सिमरन अब जल्द ही सनी देओल की 'गबरू' में नजर आएंगी।

कुछ अरसा पहले साउथ में हेमा कमेटी द्वारा मलयालम इंडस्ट्री में महिलाओं से जुड़ी यौन उत्पीड़न, शोषण, पे पेरिटी और शूटिंग पर बेसिक सुविधाओं जैसे मुद्दों पर खूब विवाद हुआ था। क्या आपको कभी सेट पर इस तरह की किसी समस्या से गुजरना पड़ा है? इस पर वह कहती हैं, 'मेरी कोई इतनी डिमांड्स ही नहीं होती हैं। मुझे लगता है, सबका अपना - अपना नजरिया होता है। कई लोगों को सेन्सिटिविटी से बातें बुरी लग जाती हैं, तो वो आवाज उठाते हैं। हैं। हर इंसान का समस्याओं को डील करने का तरीका अलग-अलग होता है। जिन -जिन लोगों ने आवाज उठाई, उन्हें जरूर बुरा लगा होगा। उनके साथ वो नहीं होना चाहिए था, जो हुआ। अगर आप मेरे बारे में पूछें, तो अनुभव होते हैं, मगर मैं उन्हें अपने हिसाब से हैंडल करती हूं। मैं बहुत ही साफगो हूं, मैं सीधे जाकर उन लोगों से पूछ लेती हूं कि ऐसा क्यों हुआ? ऐसा नहीं होना चाहिए। मैं उनको एहसास दिलाती हूं। उसकी जड़ तक जाना मुश्किल है, आप ज्यादा बवाल मचाओगे, तो आपको खुद को हर्ट होगा और सामने वाला और उछलेगा।'

नेशनल अवॉर्ड विनर फिल्मों का हिस्सा

अपनी बात को जारी रखते हुए कहती हैं, 'मैंने बॉलीवुड में भी काफी काम किया है। मगर साउथ की फिल्में करने के बाद मैंने शादी की और फिर परिवार को भी बैलेंस करना जरूरी था। ओटीटी पर मैंने 'जिद्दी गर्ल' और 'सिटाडेल' जैसे प्रोजेक्ट और 'गुलमोहर' जैसी नेशनल अवॉर्ड विनर फिल्म भी की। इस फिल्म में मनोज बाजपेयी जी का साथ मिला। 'रॉकेट्री-द नम्बी' जैसी फिल्म मेरे करियर की एक और उपलब्धि है, जो पद्मभूषण सम्मान से सम्मानित रॉकेट वैज्ञानिक नंबी नारायणन की जिंदगी पर आधारित है। आर माधवन के निर्देशन में बनी इस फिल्म में नम्बी नारायण की भूमिका आर माधवन ने की थी। मैंने फिल्म में मीना नम्बी नारायण का रोल किया था। इन फिल्मों ने हिंदी मनोरंजन जगत में मेरी पहचान पुख्ता की। 'टूरिस्ट फैमिली' भी मेरे दिल में खास जगह रखती है। यह फिल्म ऑस्कर के कन्टेंडर लिस्ट में शामिल थी और इसने बॉक्स ऑफिस पर भी काफी धमाल किया था। उम्र और करियर के इस मुकाम पर मैं बहुत खुश हूं कि ओटीटी के आने के बाद एक्ट्रेसेस के लिए किरदार लिखे जाने लगे हैं।

मदरहुड एक खूबसूरत जिम्मेदारी है

सिमरन घर-परिवार और काम को कैसे बैलेंस करती हैं? इस पर वह कहती हैं, 'मेरे दो बेटे हैं, एक कॉलेज में और छोटा बेटा स्कूल में नाइंथ क्लास में है। मुझे काफी मल्टीटास्किंग करनी पड़ती है। शूटिंग के दौरान फोन के जरिए बच्चों और परिवार के टच में रहती हूं। मेरे परिवार का बहुत बड़ा सपोर्ट है और उनके बगैर कुछ भी संभव नहीं है। मदरहुड को चुनौतीपूर्ण कहूंगी , मगर साथ ही यह काफी खूबसूरत जिम्मेदारी भी है। पूरा दिन काम करने के बाद आपको घर जाने का इंतजार रहता है। घर जाकर आप पहला सवाल करते हैं, बेटा, तूने खाना खाया? कैसा था दिन?' मगर हम बहुत खुशकिस्मत हैं कि अपनी फैमिली और करियर के बीच संतुलन बनाए रख पा रहे हैं। मैं तो हमेशा काम करना चाहती हूं। मुझे रिटायरमेंट बहुत डरावना लगता है।'

बॉलीवुड और साउथ में काम करने पर बोलीं सिमरन

बॉलीवुड से अपने करियर की शुरुआत करने वाली सिमरन ने साउथ की हर भाषा में काम किया है। वह कहती हैं, 'मैंने अपने करियर की शुरुआत बॉलीवुड में 'तेरे मेरे सपने' से की थी। इस फिल्म का , 'ओ लड़की आंख मारे' काफी फेमस हुआ था। उससे पहले मैंने सावन कुमार टाक की 'सनम हरजाई' से डेब्यू किया था। मगर उस फिल्म के बाद मेरा रुख साउथ की तरफ मुड़ गया कर फिर मैं वही सेटल हो गई। अब मेरी आने वाली फिल्म 'गबरू' है और मैं उसके लिए मैं बहुत उत्साहित हूं, क्योंकि इसमें मैं सनी देओल के साथ काम कर रही हूं।'

रजनी सर की बहुत बड़ी फैन हूं

तमिल, तेलुगू, कन्नड़ और मलयालम जैसी साउथ की सभी भाषों की फिल्मों में काम कर चुकी सिमरन साउथ के सुपरस्टार्स के साथ अपने काम करने के अनुभव के बारे में कहती हैं, 'मैंने कई स्टार्स के साथ काम किया है, मगर रजनी सर, कमल सर, नागार्जुन सर, जैसे लिविंग लेजेंड्स के साथ काम करके बहुत कुछ सीखा। रजनी सर की सबसे बड़ी फैन हूं। वह सही मायनों में सुपर हीरो हैं। जब ये स्पाइडर मैन, सुपर मैन की फिल्में नहीं आई थी, वह तभी से सुपर हीरोज के एक्ट करते आ रहे हैं। मुझे याद है उनके साथ मेरी शूटिंग का पहला दिन था। आम तौर पर शूटिंग में जब हमारा सीन नहीं होता, तो हम मेकअप रूम या वैनिटी में जाकर बैठ जाते हैं, मगर उनके साथ शूट करते हुए मैं एक कोने में बैठ जाती थी और उनको देखती रहती थी कि वह इतने विनम्र और दयालु कैसे हैं? मैंने सेट पर उन्हें काफी स्टडी किया है।'

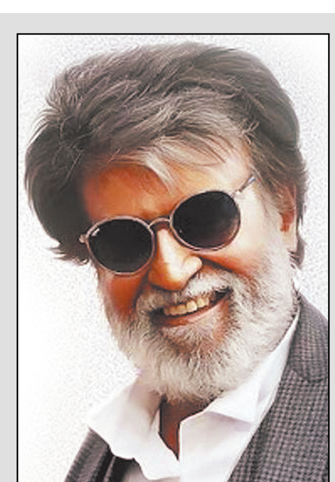

सलमान की अगली एक्शन फिल्म में हुई राजपाल यादव की एंट्री

अपनी कॉमेडी से दर्शकों का दिल जीतने वाले राजपाल यादव बीते कुछ दिनों से लगातार सुर्खियों में हैं। चेक बाउंस से जुड़े एक मामले में उन्हें तिहाड़ जेल में आत्मसमर्पण करना पड़ा था। फिलहाल उन पर कर्ज है। इस बीच बीते दिनों एक अवॉर्ड शो में कथित तौर पर उनका मजाक उड़ाया गया था। इसके बाद सलमान खान ने सोशल मीडिया पोस्ट शेयर कर राजपाल यादव को सपोर्ट किया था। भाईजान ने अब राजपाल के प्रति एक बार फिर दरियादिली दिखाई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक सलमान खान की अगली फिल्म में राजपाल यादव की एंट्री हो गई है।

सलमान खान इन दिनों अपनी वॉर ड्रामा फिल्म 'मातृभूमि' को लेकर सुर्खियों में हैं। इस फिल्म के बाद वे निर्माता दिल राजू और निर्देशक वामशी पेडिपल्ली के साथ एक्शन फिल्म में काम करेंगे। फिल्म का नाम फिलहाल तय नहीं है। इसमें सलमान के साथ नयनतारा नजर आएंगी। वहीं, फिल्म की कास्ट में एक नए नाम के जुड़ने की अटकलें भी हैं। राजपाल यादव को फिल्म में लिया गया है।

एक रिपोर्ट के अनुसार, सलमान खान ने कथित तौर पर राजपाल यादव को अपनी अगली एक्शन एंटरटेनर फिल्म में एक अहम किरदार निभाने के लिए साइन किया है।

पहले भी साथ काम कर चुके हैं सलमान और राजपाल यादव सलमान की अगली फिल्म को लेकर रिपोर्ट में दावा किया गया है कि राजपाल यादव इस फिल्म में सलमान खान के राइट हैंड बने दिखेंगे। कहानी में दोनों के बीच कमाल की केमिस्ट्री देखने को मिलेगी। रिपोर्ट में आगे यह भी कहा गया है कि सलमान, राजपाल को खास तौर पर पसंद करते हैं और उनका मानना है कि इस रोल के लिए राजपाल एकदम सही हैं। बता दें कि राजपाल यादव और सलमान को पहले भी 'मुझसे शादी करोगी' और 'पार्टनर' जैसी फिल्मों में साथ देखा गया है। अब दोनों को एक बार फिर साथ देखना दिलचस्प होगा। हालांकि, अभी इसकी आधिकारिक रूप से पुष्टि नहीं हुई है।

बता दें कि बीते दिनों एक अवॉर्ड कंट्रोवर्सी के बाद सलमान खान ने सोशल मीडिया पर राजपाल यादव की खुलकर तारीफ की और अपना समर्थन जताया था। उन्होंने अपने एक्स अकाउंट से पोस्ट शेयर किया था और लिखा, 'राजपाल भाई आप 30 साल से काम कर रहे हो और हम सबने आपको रिपीट किया है बार-बार, क्योंकि आप अपना काम जानते हों और एक वैल्यू लाते हो।

'एस्पिरेंट्स' की सफलता पर बोले अभिलाष थपलियाल

लॉकडाउन के दौरान आई सीरीज 'एस्पिरेंट्स' ने पहले ही सीजन से ऑडियंस के बीच जबरदस्त पहचान बना ली थी। 'एसके सर' का किरदार आज भी लोगों के बीच काफी पॉपुलर है। 'अमर उजाला' से खास बातचीत में 'श्वेतकेतु' यानी अभिलाष थपलियाल ने बताया कि 'एस्पिरेंट्स' की सफलता के बाद अब कलाकारों की अपनी-अपनी वैनिटी वैन हो गई है। बातचीत में उन्होंने तापसी पन्नू, अनुराग कश्यप, रेडियो और अपने सफर को लेकर भी कई दिलचस्प बातें साझा कीं।

'मुझे बिल्कुल अंदाजा नहीं था कि 'एसके सर' इतना बड़ा हो जाएगा'

जब हम एस्पिरेंट्स का पहला सीजन कर रहे थे, तब मुझे बिल्कुल भी अंदाजा नहीं था कि 'एसके सर' इतना बड़ा चेहरा बन जाएगा। बस इतना पता था कि कहानी बहुत अच्छी है और UPSC की दुनिया पर आधारित है। उस समय यह बिल्कुल नहीं लगा था कि यह सीरीज लोगों के बीच इतनी गहराई से जुड़ जाएगी। हमें तो यह भी नहीं पता था कि शो किस प्लेटफॉर्म पर आएगा। बाद में यह यूट्यूब पर रिलीज हुआ और लॉकडाउन के दौरान लोगों ने इसे खूब देखा। शायद यही वजह रही कि एस्पिरेंट्स धीरे-धीरे लोगों की जिंदगी का हिस्सा बन गया। आज भी एयरपोर्ट, कॉलेज या कहीं भी जाऊं, लोग मुझे 'एसके सर' कहकर बुलाते हैं।

'मैं जमीन पर नागिन डांस कर रहा था... और एक सेकंड को लगा कि मैं फिट नहीं हूं'

पहले दिन सेट पर माहौल बहुत हल्का-फुल्का था। मैं तो मस्ती में जमीन पर नागिन डांस कर रहा था और सब हंस रहे थे। लेकिन उसी बीच एक ऐसा मजेदार और थोड़ा टफ मोमेंट भी आया, जो आज भी याद है। नवीन (को स्टार नवीन कस्तूरिया) ने मजाक-मजाक में डायरेक्टर से कहा, 'ये एसके लग नहीं रहा, किसी और को ट्राय करो।' अब वो मजाक था, लेकिन एक पल के लिए मुझे सच में लगा कि यार, कहीं मैं फिट तो नहीं बैठ रहा? ऐसे मोमेंट्स आपको और मेहनत करने के लिए धक्का देते हैं। बाद में वही किरदार लोगों को इतना पसंद आया कि आज सब मुझे 'एसके सर' के नाम से जानते हैं। मेरे लिए सबसे बड़ा चैलेंज था अपनी भाषा और लहजे पर काम करना। मुझे एक ऐसे लड़के को निभाना था जो बिहार से है, लेकिन दिल्ली में रहकर पढ़ाई कर रहा है। उसमें बैलेंस बनाना था कि वो पूरी तरह देहाती भी न लगे और पूरी तरह शहरी भी नहीं। हमने इस पर काफी मेहनत की।

'सबसे बड़ा बदलाव बस इतना आया कि अब सबकी अपनी-अपनी वैनिटी वैन है'

तापसी बहुत पुरानी दोस्त है... लेकिन...'

तापसी का सपोर्ट मेरे लिए अलग इसलिए था, क्योंकि वो मेरी बहुत पुरानी दोस्त है। हम दोनों जब मुंबई में नए थे, तब से एक-दूसरे को जानते हैं। लेकिन दोस्ती से हटकर भी, एक कलाकार के तौर पर मैं उन्हें बहुत मानता हूं। उन्होंने हमेशा अलग और दमदार काम चुना है। ऑफ स्क्रीन भी वो वैसी ही हैं। बहुत साफ, बहुत सीधी। इंडस्ट्री में अगर मेरे करीबी दोस्तों की बात होगी, तो तापसी उनमें जरूर होंगी। मुझे पता है कि अगर मैं कभी उलझूं, तो वो मुझे घुमा-फिराकर नहीं, सीधी बात ही कहेंगी।

'पहली मुलाकात में ही मैंने कह दिया था कि मैं फिल्म छोड़ देता हूं'

तापसी पन्नू के साथ मेरी पहली ठीक-ठाक मुलाकात भी किसी फिल्मी सीन से कम नहीं थी। यह 'दिल जंगली' की शूटिंग के दौरान हुआ, जब हम लंदन में थे। उस वक्त मैं नया था, छोटे-छोटे काम कर रहा था, रेडियो और स्केचेज की दुनिया से आ रहा था। तापसी उस फिल्म में भी अपने किरदार को लेकर बहुत सीरियस थीं। वह उन एक्टर्स में से हैं जो अपने रोल के लिए जो भी करना पड़े, वह करती हैं। उस फिल्म के लिए उन्होंने अपने लंबे बाल कटवा लिए थे। अब हुआ ये कि एक दिन वह सामने आईं और अचानक मुझसे पूछने लगीं, 'तुमने देखा? मैंने बाल कटवा लिए, कुछ बोलोगे नहीं?' और फिर न जाने कैसे बात मजाक से बहस में बदल गई। वह मुझे डांटने लगीं, मैं भी पलटकर जवाब देने लगा। कुछ ही देर में हम दोनों एक-दूसरे पर ऊंची आवाज में बात कर रहे थे।

'मुझे भी लंबे समय तक 'हीरो के दोस्त' वाले रोल मिलते रहे'

हमारी इंडस्ट्री की एक दिक्कत ये है कि वो बहुत जल्दी आपको एक खाने में डाल देती है। ये हीरो है, ये हीरो का दोस्त है, ये विलेन है, ये अमीर है, ये गरीब है... बस फिर उसी हिसाब से रोल आने लगते हैं। मेरे साथ भी ऐसा हुआ। शुरुआत में मुझे भी अक्सर 'हीरो के दोस्त' वाले रोल मिलते थे। दिक्कत रोल से नहीं होती, दिक्कत तब होती है जब लोग मान लेते हैं कि तुम बस इतना ही कर सकते हो। फिर धीरे-धीरे आपको खुद ही समझाना पड़ता है कि नहीं, मैं इससे ज्यादा भी कर सकता हूं। असली लड़ाई वहीं से शुरू होती है। क्योंकि लोग आपको जिस नजर से देखते हैं, जरूरी नहीं कि आप सच में वही हो।